HOLY WEEK LITURGY

पुण्य सप्ताह की धर्मविधियाँ

PALM SUNDAY

MAUNDY THURSDAY

GOOD FRIDAY

EASTER SUNDAY

सत्यस्वर
THE DIGITAL LITURGY
Satprakashan Sanchar Kendra & Radio Veritas Asia Hindi Service, Indore

RADIO VERITAS ASIA Hindi

FR. ANTHONY SWAMY SVD & MR. PRAVEEN PARMAR
SATPRAKSHAN SANCHAR KENDRA, INDORE

PALM SUNDAY

प्रभु के दुःखभोग का खजूर रविवार

प्रभु येसु के येरुसालेम प्रवेश की स्मृति

पहली विधि: जुलूस

अग्रस्तव

दाऊद के पुत्र की होसन्ना!
धन्य हैं, वे जो प्रभु के नाम पर आते हैं! सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना!

प्रवेश

आशिष देना हे प्रभु, तेरे चरणों में आये
संजीवन जल तुझ से पीने हे प्रभु
धन्य धन्य हे प्रभु, आया आराधना को तेरी।
सुनने आये प्रेम वचन, कर पूरी तू दिल की लगन - 2
ये खुशी जो आज, हमको मिली है
बाँट लें दूसरों के साथ भी - 3
नाच रहा दिल सबका, गूँज उठी है मधुर वाणी - 2
दीपक तुम्हीं हो, जीवन के आधार
बरसा दो प्रभु अपनी आशिष -3

पु०: हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त की कृपा, ईश्वर का प्रेम तथा पवित्र आत्मा का साहचर्य आप सबों को प्राप्त हो।

सब: और आपको भी।

पु०: प्रिय भाइयो और बहनो, चालीसा के आरम्भ से आज तक हमलोग तपस्या तथा परोपकार के कर्मों द्वारा अपना हृदय तैयार करते आये हैं। आज हम सारी कलीसिया के साथ मिलकर अपने प्रभु के पास्का-रहस्य अर्थात् उनके दुःखभोग तथा पुनरुत्थान का समारोह का आरम्भ करने के लिए यहाँ एकत्र हुए हैं। इसी रहस्य को पूरा करने के लिए उन्होंने अपनी नगरी येरुसालेम में प्रवेश किया था। इसलिए,

आइए हम पूरी आस्था और भक्ति के साथ अपनी मुक्ति के लिए उनके इस नगर-प्रवेश की याद करें और उनका अनुसरण करें। इस तरह उन्हीं की कृपा से हम उनके दुःखभोग और मृत्यु में सम्मिलित होकर उनके पुनरुत्थान और जीवन के भी सहभागी बन जाएँगे।

(संबोधन के बाद पुरोहित अपने हाथों को फैलाए हुए निम्नलिखित में से कोई एक प्रार्थना बोलते हैं।)

आशिष

हम प्रार्थना करें:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, इन डालियों को अपनी आशीष से पवित्र करा। जैसे हम आज बड़े उल्लास के साथ राजा ख्रीस्त का अनुसरण कर रहे हैं, वैसे ही हम उनकी कृपा से एक दिन अनंत येरुसालेम में प्रवेश करेंगे। वह युगानुयुग जीते रहते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

अथवा

हे ईश्वर, अपने भक्तों का विश्वास बढ़ा दे और दयापूर्वक हमारी प्रार्थना सुन ले। जिन विजयी ख्रीस्त के आदर में हम ये डालियाँ लहरा रहे हैं, उन्हीं में बने रहकर हम अपने सत्कर्मों का फल चढ़ा सकें। वह युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

(पुरोहित मौन भाव से डालियों पर पवित्र जल छिड़कते हैं।)

सुसमाचार

संत मत्ती के अनुसार पवित्र सुसमाचार 21, 1-11

"धन्य हैं वह, जो प्रभु के नाम पर आते हैं ।"

जब वे येरूसालेम के निकट पहुँचे और और जैतून पहाड़ के समीप बेथफगे आ गये, तो येसु ने दो शिष्यों को यह कहकर भेजा, "सामने के गाँव में जाओ। वहाँ पहुँचते ही तुम्हें बंधी हुई गदही मिलेगी और उसके साथ एक बछड़ा। उन्हें खोलकर मेरे पास ले आओ। यदि कोई कुछ बोले , तो कह देना- प्रभु को इनकी जरूरत है, वे इन्हें शीघ्र ही वापस भेज देंगे।" यह इसलिए हुआ कि नबी का यह कथन पूरा हो जाये-

सिओन की पुत्री से कहो: देख! तेरे राजा तेरे पास आते हैं। वह विनम्र है। वह गदहे पर , बछड़े पर, लद्दू जानवर के बच्चे पर सवार है।

शिष्य चले गये। येसु ने जैसा आदेश दिया, उन्होंने वैसा ही किया। गदही और बछड़ा ले आकर उन्होंने उन पर अपने कपड़े बिछा दिये और येसु सवार हो गये। भीड़ में से बहुत से लोगों ने अपने कपड़े रास्ते में बिछा दिये। कुछ लोगों ने पेड़ों की डालियाँ काट - काट कर

रास्ते में फैला दी । येसु के आगे - आगे जाते हुए और पीछे - पीछे आते हुए लोग यह नारा लगा रहे थे, “दाऊद के पुत्र को होसन्ना! धन्य हैं वे, जो प्रभु के नाम पर आते हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना!”

येसु ने येरूसालेम में प्रवेश किया, तो सारे नगर में हलचल मच गयी। लोग पूछने लगे, “यह कौन है?” और जनता उत्तर देती थी, “यह गलीलिया के नाजरेत के नबी येसु है।"

यह प्रभु का सुसमाचार है।

पु०: प्रिय भाइयो- बहनो, येरुसालेम के निवासियों की तरह हम भी येसु ख्रीस्त का जय- जयकार करते हुए शांतिपूर्वक जुलूस निकालें।

सब: ख्रीस्त के नाम पर आमेन।

जुलूस गीत- 01

येरुसलेम गाओ, प्रभु को गाओ महिमा, येरुसलेम गाओ
सारंगी की ताल में ईश्वर की महिमा
गाओ, गाओ, गाओ दाऊद पुत्र की महिमा, येरुसलेम गाओ
वीणा के राग में, ईश्वर की महिमा, गाओ...
तुरही के त्राह में, ईश्वर की महिमा, गाओ...
झांझों की झंकार में ईश्वर की महिमा, गाओ...
नगाड़ों की नाद में, ईश्वर की महिमा, गाओ...
तालियों के ताल में, ईश्वर की महिमा, गाओ...
तानों की तान में, ईश्वर की महिमा, गाओ...
ईश के नाम से, धन्य जो आता, गाओ...

जुलूस गीत- 02

ओ प्रभु जी आये
ओ.... प्रभुजी आये आये, अब प्रभुजी आये आये
आओ प्रभो प्रभो (2) आओ आओ महा प्रभो,
आओ... ऊँचे फाटक खुल जा ...
खुल चौड़े खुल जा खुल जा।
आओ प्रभो प्रभो (2) आओ आओ महा प्रभो।
कौन है राजा प्रबल प्रभुवर कौन है यह राजा महान

कौन हैं कौन है यह महान? ओ ... ऊँचे फाटक खुल जा ..
है यह राजा परम प्रभुवर ... शक्ति महत्तम ईश्वर है।
ईश्वर है यह महेश्वर है, ओ ... प्रभुजी आये ...।

ख्रीस्त राजा का गुणगान

स्थायी

मुक्तिदाता! ख्रीस्त राजा! चतुर्दिक तव मान गूँजे!
बालकों के मधुर कण्ठों से सुयश हो, गान गूँजे॥

अंतरा

आप हैं सम्राट इस्राएल के और दाऊद के यशस्वी पुत्र।
ईश्वर के नाम पर जो आते वही धन्य राजा आप परम पवित्र हैं॥
सब: मुक्तिदाता! ख्रीस्त राजा! ...

स्वर्ग की सेना, हे प्रभु! सर्वोच्च में आपकी महिमा निरंतर गा रही।
और उनके गीत में निज स्वर मिला चर-अचर नर-नारी भी हैं गा रहे॥
सब: मुक्तिदाता! ख्रीस्त राजा! ...

डालियाँ लेकर खजूरों के चले थे यहूदी एक दिन सम्मान को।
आज हम हैं सामने आते प्रभु! भजन-पूजा विनय चढ़ाने आपको॥
सब: मुक्तिदाता! ख्रीस्त राजा! ...

भीड़ ने दुःखभोग के पहले किया आपका सम्मान और गुणगान, प्रभु।
आज विजय रूप में सम्राट का दे रहे हैं आपको हम मान, प्रभु।
सब: मुक्तिदाता! ख्रीस्त राजा! ...

आपको गुणगान वह रुचिकर लगा; नाथ, गुणग्राहक, दयामय, आइए!
आपको सत्कर्म हैं भाते सदा, हम सबकी भक्ति यह अपनाइए॥
सब: मुक्तिदाता! ख्रीस्त राजा! ...

जैसे ही जुलूस गिरजाघर में प्रवेश करता है, निम्नलिखित अनुवाक्य या प्रभु के येरुसालेम-प्रवेश का वर्णन करता हुआ कोई अन्य भजन गाया जाता है।

जब प्रभु पवित्र नगर में प्रवेश कर रहे थे, यहूदी बालक जीवनदाता के पुनरुत्थान की घोषणा करते हुए खजूर की डालियाँ लिये पुकारने लगे- 'स्वर्ग में प्रभु की जय!' यह सुनकर कि येसु येरुसालेम आ रहे हैं, लोग उनसे मिलने निकले और खजूर की डालियाँ लिये पुकारने लगे- 'स्वर्ग में प्रभु की जय!'

दूसरा भाग: पवित्र मिस्सा

(जुलूस या समारोही प्रवेश के बाद पुरोहित संगृहीत प्रार्थना के साथ मिस्सा आरम्भ करते हैं।)

संगृहीत प्रार्थना (निवेदन)

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तेरी इच्छा से हमारे मुक्तिदाता मनुष्य बने और क्रूस पर मरे, ताकि मानवजाति को दीनता का आदर्श मिले। हम उनके दुःखभोग से शिक्षा ग्रहण करें और उनके पुनरुत्थान के सहभागी बन जाएँ। वह तेरे तथा पवित्र आत्मा के संग एक ईश्वर होकर युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

पहला पाठ

(प्रस्तुत पाठ का विषय है नबी इसायस द्वारा मसीह के दुःखभोग की भविष्य वाणी। इस में विशेष रूप से मसीह के आज्ञापालन तथा ईश्वर पर उनके भरोसे पर बल दिया जाता है।)

नबी इसायस का ग्रंथ 50: 4-7

"मैंने अपमान करने वालों से अपना मुँह नहीं छिपाया। मैं जानता हूँ कि मुझे निराश नहीं होना पड़ेगा।"

प्रभु ने मुझे शिष्य बना कर वाणी दी है, जिससे मैं थके-माँदे लोगों को सँभाल सकूँ। वह प्रतिदिन प्रातः मेरे कान खोल देता है, जिससे मैं शिय की तरह सुन सकूँ। प्रभु ने मेरे कान खोल दिये हैं; मैंने न तो उसका विरोध किया और न पीछे हटा। मैंने मारने वालों के सामने अपनी पीठ कर दी और दाढ़ी नोचने वालों के सामने अपना गाल। मैंने अपमान करने और थूकने वालों से अपना मुख नहीं छिपाया। प्रभु मेरी सहायता करता है; इसलिए मैं अपमान से विचलित नहीं हुआ। मैंने पत्थर की तरह अपना मुँह कड़ा कर लिया। मैं जानता हूँ कि अन्त में मुझे निराश नही होना पड़ेगा।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन (स्तोत्र 21: 8-9.17-20.23-24)

अनुवाक्य:- हे मेरे ईश्वर! मेरे ईश्वर! तूने मुझे क्यों छोड़ दिया है?

1. मुझे जो भी देखते हैं, मेरा उपहास करते हैं; वे सिर हिलाते हुए मेरी हँसी उड़ाते हैं- उसने प्रभु पर भरोसा रखा है, वही अब उसे बचाये; यदि वह उसे प्यार करता है, तो वह उसे छुड़ाये।

2. कुत्तों के झुण्ड ने मुझे घेर लिया है, कुकर्मियों का दल मेरे चारों ओर खड़ा है। वे मेरे हाथ- पाँव छेद देते हैं; मैं अपनी एक- एक हड्डी गिन सकता हूँ।

3. वे मेरे वस्त्र आपस में बाँट लेते हैं और मेरे कुरते पर चिट्ठी डालते हैं। हे प्रभु! तू मेरे पास रह जा। तू मेरा बल है; मेरी सहायता कर।

4. मैं अपने भाइयों के सामने तेरे नाम का बखान करूँगा, मैं सभाओं में तेरा गुणगान करूँगा। प्रभु के भक्तो, उसकी स्तुति करो। याकूब के सब वंशजो! उसकी महिमा गाओ। इस्राएल के सब वंशजो! उसका आदर करो।

अंतर भजन

मुक्तिदाता खीस्त राजा, चतुर्दिक तव मान गूंजे।
बालकों के मधुर कंठ से, सुयश हो, गान गूंजे॥
आप है सम्राट इस्राएल के, और दाऊद के यशस्वी पुत्र है।
ईश के जो नाम पर आते वही, धन्य राजा आप परम पवित्र है॥
स्वर्ग की सेना प्रभो सर्वोच्च में, आपकी महिमा निरंतर गा रही।
और उनके गीत में निज स्वर मिला, चर अचर नर सृष्टि भी है गा रही।
डालियाँ लेकर खजूरों के चले थे, यहूदी एक दिन सम्मान को।
आज हम हैं सामने आते प्रभो, भजन-पूजा-विनय चढ़ाने आपको॥

दूसरा पाठ

(येसु ने कहा है, "जो अपने को बड़ा मानता है वह छोटा बनाया जायेगा और जो अपने को छोटा मानता है, वह बड़ा बनाया जायेगा।" सन्त पौलुस इस सच्चाई को मसीह के विषय में स्पष्ट कर देते हैं- मसीह ने अपने दुःखभोग तथा क्रूस पर अपने मरण द्वारा अपने को दीन-हीन बना लिया है, इसलिए ईश्वर ने उन्हें महान् बना दिया है।)

फ़िलिप्पियों के नाम सन्त पौलुस का पत्र **2: 6-11**

"उन्होंने अपने को दीन- हीन बना लिया है, इसलिए ईश्वर ने उन्हें महान् बना दिया है।"

यद्यपि येसु मसीह ईश्वर थे और उन को पूरा अधिकार था कि वह ईश्वर की बराबरी करें, फिर भी उन्होंने दास का रूप धारण कर तथा मनुष्यों के समान बन कर अपने को दीन-हीन बना लिया और उन्होंने मनुष्य का रूप धारण करने के बाद मरण तक, हाँ क्रूस पर मरण तक, आज्ञाकारी बन कर अपने को और भी दीन बना लिया। इसलिए ईश्वर ने उन्हें महान् बनाया और उन को वह नाम प्रदान किया, जो

सब नामों में श्रेष्ठ है, जिससे येसु का नाम सुन कर आकाश, पृथ्वी तथा अधोलोक के सब निवासी घुटने टेकें और पिता की महिमा के लिए सब लोग यह स्वीकार करें कि ईसा मसीह प्रभु हैं।

यह प्रभु की वाणी है।

जयघोष **(फिलि० 2, 8-9)**

मसीह हमारे लिए मरण तक, हाँ क्रूस के मरण तक, आज्ञाकारी बन गये, इसलिए ईश्वर ने उन्हें महान् बना दिया है और उन को वह नाम प्रदान किया है जो सब नामों में श्रेष्ठ है।

सुसमाचार

संत मत्ती के अनुसार प्रभु येसु का दुःखभोग 26: 14-27: 66

[कोष्ठक में रखा अंश छोड़ दिया जा सकता है]

तब बारहों में से एक, यूदस इसकारियोती नामक व्यक्ति ने महायाजकों के पास जा कर कहा, **"यदि मैं येसु को आप लोगों के हवाले कर दूँ, तो आप मुझे क्या देने को तैयार हैं?"** उन्होंने उसे चाँदी के तीस सिक्के दिये। उस समय से यूदस येसु को पकड़वाने का अवसर ढूँढ़ने लगा।

बेख़मीर रोटी के पहले दिन शिष्य येसु के पास आकर बोले, **"आप क्या चाहते हैं? हम कहाँ आपके लिए पास्का-भोज की तैयारी करें?"** येसु ने उत्तर दिया, **"शहर में अमुक के पास जाओ और उससे कहो, 'गुरुवर कहते हैं- मेरा समय निकट आ गया है, मैं अपने शिष्यों के साथ तुम्हारे यहाँ पास्का का भोजन करूँगा।"** येसु ने जैसा आदेश दिया, शिष्यों ने वैसा ही किया और पास्का-भोज की तैयारी कर ली।

सन्ध्या हो जाने पर येसु बारहों शिष्यों के साथ भोजन करने बैठे। उनके भोजन करते समय येसु ने कहा, **"मैं तुम लोगों से यह कहता हूँ- तुम में से ही एक मुझे पकड़वा देगा"।** वे बहुत उदास हो गये और एक-एक कर उन से पूछने लगे, "प्रभु! कहीं वह मैं तो नहीं हूँ?" येसु ने उत्तर दिया, **"जो मेरे साथ थाली में खाता है, वह मुझे पकड़वा देगा। मानव पुत्र तो चला जाता है, जैसा कि उसके विषय में लिखा है; परन्तु धिक्कार उस मनुष्य को, जो मानव पुत्र को पकड़वाता है! उस मनुष्य के लिए कहीं अच्छा यही होता कि वह पैदा ही नहीं हुआ होता।"** येसु के विश्वासघाती यूदस ने भी उन से पूछा, **"गुरुवर! कहीं वह मैं तो नहीं हूँ?** येसु ने उत्तर दिया, "तुमने ठीक ही कहा"। उनके भोजन करते समय येसु ने रोटी ले ली और धन्यवाद की प्राथना पढ़ने के बाद उसे तोड़ा और यह कहते हुए शिष्यों को दिया , "इसे लो और खाओ, यह मेरा शरीर है।" तब उन्होंने प्याला ले कर धन्यवाद की प्रार्थना पढ़ी और यह कहते हुये उसे शिष्यों को दिया , "तुम सब इस में से पियो; क्योंकि यह मेरा रक्त है, विधान का रक्त, जो बहुतों की पापक्षमा के लिये बहाया जा रहा है। मैं तुम लोगों से कहता हूँ - जब तक मैं अपने पिता के राज्य में तुम्हारे साथ नवीन रस न पी लूँ, तब तक मैं दाख का यह रस फिर नही पिऊँगा।"

भजन गाने के बाद वे जैतून पहाड़ चल दिये। उस समय येसु ने उन से कहा, "इसी रात को तुम सब मेरे कारण विचलित हो जाओगे, क्योंकि यह लिखा है- मैं चरवाहे को मारूँगा और झुण्ड की भेडें तितर-बितर हो जायेंगी; किन्तु अपने पुनरुत्थान के बाद मैं तुम

लोगों से पहले गलीलिया जाऊँगा।" इस पर पेत्रुस ने येसु से कहा, **"आपके कारण चाहे सभी विचलित हो जाये, किन्तु मैं कभी विचलित नहीं होऊँगा"।** येसु ने उसे उत्तर दिया, "मैं तुम से यह कहता हूँ - इसी रात को, मुर्गे के बाँग देने से पहले ही, तुम मुझे तीन बार अस्वीकार करोगे"। पेत्रुस ने उन से कहा, "मुझे आपके साथ चाहे मरना ही क्यों न पड़े, मैं आप को कभी अस्वीकार नहीं करूँगा"। और सभी शिष्यों ने भी यही कहा।

जब येसु अपने शिष्यों के साथ गेथसेमनी नामक बारी पहँचे, तो वे उन से बोले, "तुम लोग यहाँ बैठे रहो। मैं तब तक वहाँ प्रार्थना करने जाता हूँ।" वे पेत्रुस और ज़ेबेदी के दो पुत्रों को अपने साथ ले गये। वे उदास तथा व्याकुल होने लगे और उन से बोले, "मेरी आत्मा इतनी उदास है कि मैं मरने-मरने को हूँ। यहाँ ठहर जाओ और मेरे साथ जागते रहो।" वे कुछ आगे बढ़ कर मुहँ के बल गिर पड़े और उन्होंने यह कहते हुए प्रार्थना की, "मेरे पिता! यदि हो सके, तो यह प्याला मुझ से टल जाये। फिर भी मेरी नही, बल्कि तेरी ही इच्छा पूरी हो।" तब वे अपने शिष्यों के पास गये और उन्हें सोया हुआ देखकर पेत्रुस से बोले, "क्या तुम लोग घण्टे-भर भी मेरे साथ नहीं जाग सके? जागते रहो और प्रार्थना करते रहो, जिससे तुम परीक्षा में न पड़ो। आत्मा तो तत्पर है, परन्तु शरीर दुर्बल है"।

वे फिर दूसरी बार गये और उन्होंने यह कहते हुए प्रार्थना की, "मेरे पिता! यदि यह प्याला मेरे पिये बिना नहीं टल सकता, तो तेरी ही इच्छा पूरी हो"। लौटने पर उन्होंने अपने शिष्यों को फिर सोया हुआ पाया, क्योंकि उनकी आँखें भारी थीं। वे उन्हें छोड़ कर फिर गये और उन्हीं शब्दों को दोहराते हुए उन्होंने तीसरी बार प्रार्थना की। इसके बाद उन्होंने अपने शिष्यों के पास आ कर उन से कहा, "अब तक सो रहे हो? अब तक आराम कर रहो हो, देखो! वह घड़ी आ गयी है, जब मानव पुत्र पापियों के हवाले कर दिया जायेगा। उठो! हम चलें। मेरा विश्वासघाती निकट आ गया है।"

येसु यह कह ही रहे थे कि बारहों में से एक, यूदस आ गया। उसके साथ तलवारें और लाठियाँ लिए एक बड़ी भीड़ थी, जिसे महायाजकों और जनता के नेताओं ने भेजा था। विश्वासघाती ने उन्हें यह कहते हुये संकेत दिया था, **"मैं जिसका चुम्बन करूँगा, वही है। उसी को पकड़ना।"** उसने सीधे येसु के पास आ कर कहा, "गुरुवर! प्रणाम!' और उनका चुम्बन किया। येसु ने उस से कहा, "मित्र! जो करने आये हो, कर लो"। तब लोग आगे बढ़ आए और उन्होंने येसु को पकड़कर गिरफ़्तार कर लिया।

इस पर येसु के साथियों में एक ने अपनी तलवार खींच ली और प्रधानयाजक के नौकर पर चला कर उसका कान उड़ा दिया। येसु ने उस से कहा, "तलवार म्यान में कर लो, क्योंकि जो तलवार उठाते हैं, वे तलवार से मरते हैं। क्या तुम यह समझते हो कि मैं अपने पिता से सहायता नहीं माँग सकता? तब क्या वह अभी मेरे लिए स्वर्गदूतों की बारह से भी अधिक सेनाएँ नहीं भेज देगा ? लेकिन तब धर्मग्रन्थ कैसे पूरा होगा? उस में तो लिखा है कि ऐसा ही होना आवश्यक है।"

इसके बाद येसु ने भीड़ से कहा, "क्या तुम लोग मुझे डाकू समझते हो, तलवारें और लाठियाँ ले कर मुझे पकड़ने आये हो? मैं तो प्रतिदिन मंदिर में बैठ कर शिक्षा दिया करता था, फिर भी तुमने मुझे नहीं गिरफ़्तार किया।" यह सब इसलिए हुआ कि नबियों ने जो लिखा है, वह पूरा हो जाये। तब सभी शिष्य येसु को छोड़कर भाग गए।

जिन्होंने येसु को गिरफ़्तार कर लिया था, वे उन्हें प्रधानयाजक कैफ़स के यहाँ ले गये, जहाँ शास्त्री और नेता इकट्ठे हो गये थे। पेत्रुस कुछ दूरी पर येसु के पीछे-पीछे चला। वह प्रधानयाजक के महल तक पहुँचकर अंदर गया और परिणाम देखने के लिए नौकरों के साथ बैठ गया। महायाजक और सारी महासभा येसु को मरवा डालने के उद्देश्य से उनके विरुद्ध झूठी गवाही खोज रही थी , परन्तु वह मिली नहीं, यद्यपि बहुत-से झूठे गवाह सामने आये। अन्त में दो गवाह आ कर बोले, इस व्यक्ति ने कहा- **मैं ईश्वर का मन्दिर ढा सकता हूँ और तीन दिनों के अन्दर उसे फिर से बना सकता हूँ।** इस प्रकार प्रधानयाजक ने खड़े हो कर येसु से कहा, **"ये लोग तुम्हारे विरुद्ध जो गवाही दे**

रहें हैं, क्या इसका कोई उत्तर तुम्हारे पास नहीं है?" परन्तु येसु मौन रहे। तब प्रधानयाजक ने उन से कहा, **"तुम्हें जीवन्त ईश्वर की शपथ! यदि तुम मसीह, ईश्वर के पुत्र हो, तो हमें बता दो"।** येसु ने उत्तर दिया, "आपने ठीक कहा। मैं आप लोगों से यह भी कहता हूँ - भविष्य में आप मानव पुत्र को सर्वशक्तिमान् ईश्वर के दाहिने बैठा हुआ और आकाश के बादलों पर आता हुआ देखेंगे।" इस पर प्रधानयाजक ने अपने वस्त्र फाड़ कर कहा, **"इसने ईश-निन्दा की है। तो अब हमें गवाहों की ज़रूरत ही क्या है? अभी-अभी आप लोगों ने ईश-निन्दा सुनी है। आप लोगों का क्या विचार है?"** उन्होने उत्तर दिया, **"यह प्राणदण्ड के योग्य है"।** तब उन्होंने उनके मुँह पर थूका और उन्हें घूँसे मारे। कुछ लोगों ने उन्हें थप्पड़ मारते हुए यह कहा , **"मसीह! यदि तू नबी है, तो हमें बता—तुझे किसने मारा है?"**

पेत्रुस उस समय बाहर प्रांगण में बैठा हुआ था। एक नौकरानी ने पास आ कर उस उसे कहा, **"तुम भी येसु गलीली के साथ थे";** किन्तु उसने सब के सामने अस्वीकार करते हुये कहा, **"मैं नहीं समझता कि तुम क्या कह रही हो"।** इसके बाद पेत्रुस फाटक की ओर निकल गया, किन्तु एक दूसरी नौकरानी ने उसे देख लिया और वहाँ के लोगों से कहा , **"यह व्यक्ति येसु नाज़री के साथ था"।** उसने शपथ खा कर फिर अस्वीकार किया और कहा, **"मैं उस मनुष्य को नहीं जानता"।** इसके थोड़ी देर बाद आसपास खड़े लोग पेत्रुस के पास आये और बोले, **"निश्चय ही तुम भी उन्हीं लोगों में से एक हो। यह तो तुम्हारी बोली से सपष्ट है।"** तब पेत्रुस कोसने शपथ खा कर कहने लगा कि मैं उस मनुष्य को जानता ही नहीं। ठीक उसी समय मुर्गे ने बाँग दी। पेत्रुस को येसु का यह कहना याद आया - मुर्गे के बाँग देने से पहले ही तुम मुझे तीन बार अस्वीकार करोगे, और वह बाहर निकल कर फूट-फूट कर रोया। भोर को सब महायाजकों और जनता के नेताओं ने येसु को मरवा डालने के लिए परामर्श किया। उन्होंने येसु को बाँधा और उन्हें ले जाकर राज्यपाल पिलातुस के हवाले कर दिया।

जब येसु के विश्वासघाती यूदस ने देखा कि उन्हें दण्डाज्ञा मिली है, तो उसे पश्चात्ताप हुआ और महायाजकों और नेताओं के पास चाँदी के वे तीस सिक्के यह कहते हुए वापस ले आया, **"मैंने निर्दोष रक्त का सौदा कर पाप किया है"।** उन्होंने उत्तर दिया, **"हमें इस से क्या! तुम जानो"।** इस पर यूदस ने चाँदी के सिक्के मन्दिर में फेंक दिए और जाकर फाँसी लगा ली। महायाजकों ने चाँदी के सिक्के उठा कर कहा, **"इन्हें खजाने में जमा करना उचित नहीं है, यह तो रक्त की कीमत है"।** इसलिए परामर्श करने के बाद उन्होंने परदेशियों को दफनाने के लिये उन सिक्कों से कुम्हार की ज़मीन खरीद ली। यही कारण है कि वह ज़मीन आज तक रक्त की ज़मीन कहलाती है। इस प्रकार नबी येरेमियस का कथन पूरा हो गया, उन्होंने चाँदी के तीस सिक्के लिए- वही दाम इस्राएल के पुत्रों ने उनके लिये निर्धारित किया था - और कुम्हार की ज़मीन के लिए दे दिये, जैसा की प्रभु ने मुझे आदेश दिया था।

येसु अब राज्यपाल के सामने खड़े थे। राज्यपाल ने उन से पूछा, **"क्या तुम यहूदियों के राजा हो?"** येसु ने उत्तर दिया, "आप ठीक कहते हैं"। महायाजक और नेता उन पर अभियोग लगाते रहे, परन्तु येसु ने कोई उत्तर नहीं दिया। इस पर पिलातुस ने उन से कहा, **"क्या तुम नहीं सुनते कि ये तुम पर कितने अभियोग लगा रहे हैं ?"** फिर भी येसु ने उत्तर में एक भी शब्द नहीं कहा। इस पर राज्यपाल को बहुत आश्चर्य हुआ।

पर्व के अवसर पर राज्यपाल लोगों की इच्छानुसार एक बन्दी को रिहा किया करता था। उस समय बराब्बस नामक एक कुख्यात व्यक्ति बन्दीगृह में था। इसलिए पिलातुस ने इकट्ठे हुए लोगों से कहा, **"तुम लोग क्या चाहते हो? मैं तुम्हारे लिए किसे को रिहा करूँ- बराब्बस को अथवा मसीह कहलाने वाले येसु को?"** वह जानता था कि उन्होंने येसु को ईर्ष्या से पकड़वाया है। पिलातुल न्यायासन पर बैठा हुआ ही था कि उसकी पत्नी कहला भेजा, **"उस धर्मात्मा के मामले में हाथ नहीं डालना, क्योंकि उसी के कारण मुझे आज स्वप्न में बहुत कष्ट हुआ"।**

इसी बीच महायाजकों और नेताओं ने लोगों को यह समझाया कि वे बराब्बस को छुड़ायें और येसु का सर्वनाश करें। राज्यपाल ने फिर उन से पूछा, "**तुम लोग क्या चाहते हो? दोनों में किसे तुम्हारे लिये रिहा करूँ?**" उन्होंने उत्तर दिया, "**बराब्बस को**"। इस पर पिलातुस ने उन से कहा, "**तो, मैं येसु का क्या करूँ, जो मसीह कहलाते हैं?**" सबों ने उत्तर दिया, "**इसे क्रूस दिया जाये**"। पिलातुस ने पूछा, "**क्यों? इसने कौन-सा अपराध किया है?**" किन्तु वे और भी जारे से चिल्ला उठे, "**इसे क्रूस दिया जाये!**

जब पिलातुस ने देखा कि मेरी एक भी नहीं चलती, उलटे हंगामा होता जा रहा है, तो उसने पानी मँगा कर लोगों के सामने हाथ धोये और कहा, "**मैं इस धर्मात्मा के रक्त का दोषी नहीं हूँ। तुम लोग जानो।**" और सारी जनता ने उत्तर दिया, "**इसका रक्त हम पर और हमारी सन्तान पर!**" इस पर पिलातुस ने उनके लिए बराब्बस को मुक्त कर दिया और येसु को कोड़े लगवा कर क्रूस पर चढ़ाने सैनिकों के हवाले कर दिया।

इसके बाद राज्यपाल के सैनिकों ने येसु को भवन के अन्दर ले जा कर उनके पास सारी पलटन एकत्र कर ली। उन्होंने उनके कपड़े उतार कर उन्हें लाल चोग़ा पहनाया, काँटों का मुकुट गूँथ कर उनके सिर पर रखा और उनके दाहिने हाथ में सरकण्डा थमा दिया। तब उनके सामने घुटने टेक कर उन्होंने यह कहते हुए उनका उपहास किया, "**यहूदियों के राजा, प्रणाम।**" वे उन पर थूकते और सरकण्डा छीन कर उनके सिर पर मारते थे। इस प्रकार उनका उपवास करने के बाद, वे चोग़ा उतार कर और उन्हें उनके निजी कपड़े पहना कर, क्रूस पर चढ़ाने ले चले।

शहर से निकलते समय उन्हें कुरेने निवासी सिमोन मिला और उन्होंने उसे येसु का क्रूस उठा ले चलने के लिए बाध्य किया।

वे उस जगह पहुँचे, जो गोलगोथा अर्थात खोपड़ी की जगह कहलाती है। वहाँ लोगों ने येसु को पित्त मिली हुई अंगूरी पीने को दी। उन्होंने उसे चख तो लिया, लेकिन उसे पीना अस्वीकार किया। उन्होंने येसु को क्रूस पर चढ़ाया और चिट्ठी डालकर उनके कपड़े बाँट लिए। इसके बाद वे उन पर पहरा बैठे। येसु के सिर के ऊपर दोषपत्र लटका दिया गया। जिस पर लिखा था: **Iesus Nazarenus Rex Iudaeorum (INRI) अर्थात- "येसु नाज़री यहूदियों का राजा।**

येसु के साथ ही उन्होंने दो डाकुओं को क्रूस पर चढ़ाया —एक को उनके दायें और दूसरे को उनके बायें। उधर से आने -जाने वाले लोग येसु की निन्दा करते और सिर हिलाते हुए यह कहते थे, "**ऐ मन्दिर ढाने वाले और तीन दिनों के अन्दर उसे फिर बना देने वाले! यदि तू ईश्वर का पुत्र है, तो क्रूस से उतर आ**"। इसी तरह शास्त्रियों और नेताओं के साथ महायाजक भी यह कहते हुए उनका उपहास करते थे, "**इसने दूसरों को बचाया, किन्तु यह अपने को नहीं बचा सकता। यह तो इस्राएल का राजा है। अब यह क्रूस से उतरे, तो हम इस में विश्वास करेंगे। इसे ईश्वर का भरोसा था। यदि ईश्वर इस पर प्रसन्न हो, तो इसे छुड़ाये। इसने तो कहा है- मैं ईश्वर का पुत्र हूँ।**" जो डाकू येसु के साथ क्रूस पर चढ़ाये गये थे, वे भी इसी तरह उनका उपहास करते थे।

दोपहर से तीसरे पहर तक पूरे प्रदेश पर अँधेरा छाया रहा। लगभग तीसरे पहर येसु ने ऊँचे स्वर से पुकारा, "एली! एली! लेमा सबाखतानी?" इसका अर्थ है- मेरे ईश्वर! मेरे ईश्वर! तूने मुझे क्यों त्याग दिया है ? यह सुन कर पास खड़े लोगों में से कुछ कहने लगे, "**यह एलीयस को बुला रहा है।**" उन में से एक तुरन्त दौड़ कर पनसोख्ता ले आया और उसे खट्टी अंगूरी में डूबा कर सरकण्डे में लगा कर उसने येसु को पीने को दिया। कुछ लोगों ने कहा, "**रहने दो! देखें, एलीयस इसे बचाने आता है या नहीं**"। तब येसु ने फिर ऊँचे स्वर से पुकार कर प्राण त्याग दिये। उसी समय मन्दिर का परदा ऊपर से नीचे तक फट कर दो टुकड़े हो गया, पृथ्वी काँप उठी, चट्टानें फट गयीं, कब्रें खुल गयीं और बहुत-से मृत सन्तों के शरीर पुन-जीवित हो गये। वे येसु के पुनरुत्थान के बाद कब्रों से निकले और पवित्र नगर जा कर

बहुतों को दिखाई दिये। शतपति और उसके साथ येसु पर पहरा देने वाले सैनिक भूकम्प और इन सब घटनाओं को देख कर अत्यन्त भयभीत हो गये और बोल उठे, **"निश्चय ही, यह ईश्वर का पुत्र था"।**

[वहाँ बहुत-सी नारियाँ भी दूर से देख रही थीं। वे येसु की सेवा -परिचर्या करते हुए गलीलिया से उनके साथ-साथ आयी थीं। उन में मरियम मगदलेना, याकूब और यूसुफ़ की माता मरियम और ज़ेबेदी के पुत्रों की माता थीं।

संध्या हो जाने पर अरिमथिया का एक धनी सज्जन आया। उसका नाम यूसूफ था और वह भी येसु का शिष्य बन गया था। उसने पिलातुस के पास जाकर येसु का शव माँगा और पिलातुस ने आदेश दिया कि शव उसे सौंप दिया जाए। यूसुफ ने शव ले जा कर उसे स्वच्छ छालटी के कफ़न में लपेटा और अपनी कब्र में रख दिया, जिसे उसने हाल में चट्टान में खुदवाया था और वह कब्र के द्वार पर बड़ा पत्थर लुढ़का कर चला गया। मरियम मगदलेना और दूसरी मरियम वहाँ कब्र के सामने बैठी हुई थीं।

उस शुक्रवार के दूसरे दिन महायाजक और फ़रीसी एक साथ पिलातुस के यहाँ गए और बोले, **"श्रीमान्! हमें याद है कि उस धोखेबाज ने अपने जीवनकाल में कहा है कि मैं तीन दिन बाद जी उठूँगा। इसलिए तीन दिन तक क़ब्र की सुरक्षा का आदेश दिया जाए। कहीं ऐसा न हो कि उसके शिष्य उसे चुरा कर ले जायें और जनता से कहें कि वह मृतकों में से जी उठा है यह पिछला धोखा तो पहले से भी बुरा होगा।'** पिलातुस ने कहा, **"पहरा ले जाइए और जैसा उचित समझें, सुरक्षा का प्रबन्ध कीजिए।** वे चले गये और उन्होंने पत्थर पर मुहर लगायी और पहरा बैठा कर कब्र को सुरक्षित कर दिया।]

यह प्रभु का सुसमाचार है।

विश्वास घोषणा एवं धर्मसार

मैं सर्वशक्तिमान् पिता -

स्वर्ग और पृथ्वी, सब दृश्य और अदृश्य वस्तुओं के सृष्टिकर्ता- एक ही ईश्वर में विश्वास करता (करती) हूँ। मैं ईश्वर के इकलौते पुत्र, एक ही प्रभु येसु ख्रीस्त में विश्वास करता (करती) हूँ, जो सभी युगों के पहले पिता से उत्पन्न है। वह ईश्वर से उत्पन्न ईश्वर, प्रकाश से उत्पन्न प्रकाश, सच्चे ईश्वर से उत्पन्न सच्चा ईश्वर है, वह बनाया हुआ नहीं, बल्कि उत्पन्न हुआ है, वह पिता के साथ एकतत्त्व है; उसी के द्वारा सब कुछ सृष्ट हुआ। वह हम मनुष्यों के लिए और हमारी मुक्ति के लिए स्वर्ग से उतरा और पवित्र आत्मा के द्वारा कुँवारी मरियम से देह धारणकर मनुष्य बना। उसने पोंतुस पिलातुस के समय दुःख भोगा, वह हमारे लिए क्रूस पर ठोंका गया, वह मर गया और दफ़नाया गया और धर्मग्रंथ के अनुसार तीसरे दिन फिर से जी उठा। वह स्वर्ग में आरोहित हुआ और पिता के दाहिने विराजमान है। वह जीवितों और मृतकों का न्याय करने महिमा के साथ फिर आएगा और उसके राज्य का कभी अंत नहीं होगा। वह प्रभु और जीवनदाता है : मैं पवित्र आत्मा में विश्वास करता (करती) हूँ, वह पिता और पुत्र से प्रसृत होता है। पिता और पुत्र के साथ उसकी आराधना और महिमा होती है, वह नबियों के मुख से बोला है। मैं एक, पवित्र, काथलिक तथा प्रेरितिक कलीसिया में विश्वास करता (करती) हूँ। मैं पापों की क्षमा के लिए एक ही बपतिस्मा स्वीकार करता (करती) हूँ और मृतकों के पुनरुत्थान तथा अनंत जीवन की बाट जोहता (जोहती) हूँ। **आमेन।**

विश्वासियों के निवेदन

पु०: प्रिय भाई-बहनो, खजूर इतवार समारोह में भाग ले कर हमने पवित्र सप्ताह में प्रवेश कर लिया है। जयकार के साथ येसु ख्रीस्त का येरुसालेम नगरी में प्रवेश, दुःखद मृत्यु में परिणत हो गया। इन सभी घटनाएँ ईश्वर की योजना के मुताबिक घटीं। इसी विश्वास के साथ कि ईश्वर हमें कभी नहीं छोड़ेगा, हम अपनी प्रार्थनाओं को उसके समक्ष प्रस्तुत करें और कहें:

सब: हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

1. माता कलीसिया पिता ईश्वर, मुक्तिदाता येसु ख्रीस्त और प्रेरितों की रानी माता मरियम तथा पवित्रात्मा के प्रेम और संरक्षण की उपस्थिति का एहसास लोगों को दिला सके। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

2. जो लोग रंग, जाति, धर्म और भाषा के कारण दूसरों से दुर्व्यवहार करते हैं। इस तरह के भेद-भाव उनके मन में न रहे और वे मानवजाति की एकता और विश्व बंधुत्व को बढ़ावा दें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

3. जो ख्रीस्तीय कलीसिया के स्थानीय नेताओं के साथ टकराव के कारण कलीसिया पर दोषारोपण कर इससे अलग हो गये हैं, वे यह समझें कि कलीसिया की देख-रेख ईश्वर करता है और वह सबों का भला चाहता है। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

4. सभी खीस्तीय यह जान लें कि काथलिक संस्थाएँ और उनके अधिकारीगण जिनका कर्त्तव्य संस्थानों की देखभाल करना है, वे अपने कर्तव्यों को पूरा करने में कभी-कभी असमर्थ हो जाते हैं। ईश्वर पर उनका दृढ़ विश्वास, ऐसी परीक्षा की घड़ी में उन्हें बचाए। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

5. हम सभी ख्रीस्तीय जो इस समारोह में भाग लेने के लिए आये हैं, इस आश्वासन के साथ यहाँ से विदा लें कि मृत्यु नहीं बल्कि पुनरुत्थान ही हमारे जीवन का अंतिम मकसद है। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

(निजी प्रार्थनाएँ)

पु०: हे पिता ईश्वर, तूने असीम ज्ञान से अपने पुत्र येसु ख्रीस्त को क्रूस की यातना से गुजरने के लिए छोड़ दिया। हम तुझे धन्यवाद देते हैं क्योंकि तूने हमें पाप में गिरने से बचाया और आगे भी तेरी पवित्र कृपा से हम हर तरह की परीक्षा में सफल हो सकें। हम यह प्रार्थना करते हैं, प्रभु ख्रीस्त के द्वारा। **आमेन।**

चढ़ावा

हमारे उपहारों को स्वीकारो भगवन,
जिसे हम तुम्हारे चरणों में अर्पित करते हैं।
गेहूँ से बनी रोटी के साथ जीवन भी लाते हैं,
अंगूर रस के प्याले के साथ प्यार भी लाते हैं,
हमारे जीवन को ले ले तू प्रभु जी नूतन तू कर दे,

आशिष दे दे, उपहार ले ले -3
भोग, स्वार्थ, वैभव प्रभु चढ़ाते तुझको हम,
कामना अपनी प्रभु अर्पित करते हम,
हमारे जीवन को ले ले तू प्रभुजी नूतन तू कर दे,
आशिष दे दे, उपहार ले ले -3

यूखरिस्तीय समारोह

पु०: धन्य है तू, सकल सृष्टि के प्रभु ईश्वर! यह रोटी, जिसे हम तुझे चढ़ाते हैं, हमें तेरी उदारता से मिली है। यह पृथ्वी की उपज है और मनुष्य के परिश्रम का फल, यह हमारे लिए जीवन की रोटी बन जाएगी।

सब: धन्य हो ईश्वर, अनंत काल तक!

पु०: धन्य है तू, सकल सृष्टि के प्रभु ईश्वर! यह दाखरस, जिसे हम तुझे चढ़ाते हैं, हमें तेरी उदारता से मिला है। यह दाखलता की उपज है और मनुष्य के परिश्रम का फल, यह हमारे लिए आध्यात्मिक पेय बन जाएगा।

सब: धन्य हो ईश्वर, अनंत काल तक!

पु०: भाइयो और बहनो, प्रार्थना कीजिए कि सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर मेरा और आपलोगों का यह बलिदान स्वीकार करे।

सब: प्रभु अपने नाम की स्तुति तथा महिमा के लिए और हमारे तथा अपनी समस्त पवित्र कलीसिया के लाभ के लिए आपके हाथों से यह बलिदान स्वीकार करे।

अर्पण -प्रार्थना

हे प्रभु, अपने इकलौते पुत्र के दुःखभोग के फलस्वरूप तू हमसे शीघ्र ही प्रसन्न होने की कृपा कर। हम अपने पुण्यकर्मों से तुझे प्रसन्न नहीं कर सकते, इसलिए इस एकल बलि द्वारा हमें अपनी दया और क्षमा प्रदान कर। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। **आमेन।**

अवतरणिका: प्रभु का दुःखभोग

पु०: प्रभु आप लोगों के साथ हो।
सब: और आपकी आत्मा के साथ।
पु०: प्रभु में मन लगाइए।
सब: हम प्रभु में मन लगाए हुए हैं।
पु०: हम अपने प्रभु ईश्वर को धन्यवाद दें।

सब: यह उचित और न्यायसंगत है।
हे प्रभु, पवित्र पिता, सर्वशक्तिमान् और शाश्वत ईश्वर, यह वास्तव में उचित और न्यायसंगत है, हमारा कर्त्तव्य तथा कल्याण है कि हम सदा और सर्वत्र अपने प्रभु खीस्त के द्वारा तुझे धन्यवाद दें।

निर्दोष होने पर भी इन्होंने पापियों के लिए स्वेच्छा से दुःख भोगा और अपराधियों के लिए अन्यायपूर्ण मृत्यु-दण्ड स्वीकार किया। अपनी मृत्यु द्वारा इन्होंने हमारे अपराध मिटा दिये और अपने पुनरुत्थान द्वारा हमें फिर से धर्मी बना दिया।

इसीलिए, सभी स्वर्गदूतों के साथ मिलकर हम बड़े समारोह के साथ तेरा स्तुतिगान करते हैं:

पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु विश्वमण्डल के ईश्वर! स्वर्ग और पृथ्वी तेरी महिमा से परिपूर्ण हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना! धन्य हैं वे, जो प्रभु के नाम पर आते हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना!

पावन पावन पावन

पावन, पावन, पावन, तम है, सकल सृष्टि के प्रभु परमेश्वर।
तेरी ही महिमा गरिमा से परिपूरित है अवनी अंबर,
तेरे ही जय, जयकारों से गूंजित है सर्वोच्च गगन।
जो प्रभु के सुनाम पर आते परम धन्य वह सब हर्षाति
प्रभु की जय, जय जयकारों से गूंजित है सर्वोच्च गगन।

C हे प्रभु, तू वास्तव में पवित्र है, सारी पवित्रता का स्रोत है।

CC हम तुझसे प्रार्थना करते हैं: तू इन उपहारों को अपने आत्मा के संस्पर्श से पवित्र कर देकि ये हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त के शरीर तथा रक्त बन जाएँ।जब वे स्वेच्छा से मृत्यु के लिए सौंपे गयेउन्होंने रोटी ली, तुझे धन्यवाद दिया और रोटी तोड़कर उसे अपने शिष्यों को देते हुए कहा:

तुम सब इसे लो और इसमें से खाओ, क्योंकि यह मेरा शरीर है, जो तुम्हारे लिए बलि चढ़ाया जाएगा।

इसी भाँति, भोजन के बादउन्होंने कटोरा लिया, तुझे धन्यवाद दिया और उसे अपने शिष्यों को देते हुए कहा:

तुम सब इसे लो और इसमें से पिओ, क्योंकि यह मेरे रक्त का कटोरा है,नवीन और अनंत व्यवस्थान का रक्त, जो तुम्हारे और बहुतों के पापों की क्षमा के लिए बहाया जाएगा।तुम मेरी स्मृति में यह करो।

C विश्वास का रहस्य।

सब: हे प्रभु, हम तेरी मृत्यु और पुनरुत्थान की घोषणा तेरे पुनरागमन तक करते रहेंगे।

अथवा

हे प्रभु, जब हम यह रोटी खाते और यह कटोरा पीते हैं, तेरे पुनरागमन तक तेरी मृत्यु की घोषणा करते हैं।

अथवा

हे विश्व के उद्धारकर्त्ता, हमारा उद्धार कर। तूने अपने क्रूस तथा पुनरुत्थान द्वारा हमें मुक्त किया है।

CC इसलिए, हे प्रभु, हम ख्रीस्त की मृत्यु और पुनरुत्थान की स्मृति में तुझे जीवन की रोटी और मुक्ति का कटोरा चढ़ाते हैं; हम तुझे धन्यवाद देते हैं कि तूने हमें अपने सम्मुख उपस्थित होने और अपनी सेवा करने का सौभाग्य प्रदान किया है। हमारा नम्र निवेदन हैकि हम सब ख्रीस्त का शरीर और रक्त ग्रहण करके पवित्र आत्मा के द्वारा एकता के सूत्र में बँधे रहें।

C1 हे प्रभु, हमारे संत पिता (नाम), हमारे धर्माध्यक्ष (नाम) और सभी याजकों के साथ विश्व भर में फैली अपनी कलीसिया की सुधि ले , तथा इसे प्रेम में सिद्ध बना दे।हे प्रभु, अपने सेवक (अपनी सेविका) (नाम) की सुधि ले जिनको तूने (आज) इस लोक से अपने यहाँ बुला लिया है, इन्हें यह वर दे कि जैसे ये बपतिस्मा में तेरे पुत्र की मृत्यु के (की) सहभागी हुए थे (हुई थीं) ,वैसे ही उनके पुनरुत्थान का भी सौभाग्य प्राप्त करें।

C2 हमारे उन भाई-बहनों की भी सुधि ले, जो पुनरुत्थान की आशा में परलोक सिधार चुके हैं, उन्हें और सभी मृतकों को अपने दर्शन का सौभाग्य प्रदान कर। हम सब पर दयादृष्टि डाल कि हम भी अनंत जीवन के सहभागी बनें और ईश्वर की माता धन्य कुँवारी मरियम, उनके वर धन्य योसेफ, धन्य प्रेरितों तथा सब संतों के साथ, जो युग-युग में तेरे प्रति विश्वस्त बने रहे, तेरी स्तुति और महिमा कर सकेंतेरे पुत्र येसु ख्रीस्त के द्वारा।

CC इन्हीं प्रभु ख्रीस्त के द्वारा, इन्हीं के साथ और इन्हीं में, हे सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर, पवित्र आत्मा के साथ, सारा गौरव तथा सम्मान युगानुयुग तेरा ही है। **सब:** आमेन।

कम्यूनियन-विधि

पु०: हम सब मिलकर पिता ईश्वर से प्रार्थना करें, जैसे प्रभु येसु ने हमें सिखाया है:

सब: हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में है,तेरा नाम पवित्र माना जाये,तेरा राज्य आये,तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में, वैसे पृथ्वी पर भी पूरी हो।हमारा प्रतिदिन का आहार आज हमें देऔर हमारे अपराध हमें क्षमा करजैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं , और हमें परीक्षा में न डाल, परन्तु बुराई से बचा।

पु०: हे प्रभु, हम तुझसे प्रार्थना करते हैं: सभी बुराइयों से हमें बचाऔर इस जीवन में हमें कृपापूर्वक शांति प्रदान कर।हम तेरी दया से सदा पाप से दूर और हर विपत्ति से सुरक्षित रहेंऔर उस दिन की प्रतीक्षा करते रहें ,जब हमारे मुक्तिदाता येसु ख्रीस्त फिर आकर हमारी धन्य आशा पूरी करेंगे।

सब: क्योंकि तेरा राज्य, तेरा सामर्थ्य और तेरी महिमा अनंत काल तक बनी रहती है।

पु०: हे प्रभु येसु ख्रीस्त, तूने अपने प्रेरितों से कहा है:'मैं तुम्हारे लिए शांति छोड़ जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें प्रदान करता हूँ। तू हमारे पापों पर नहीं, अपनी कलीसिया के विश्वास पर दृष्टि डाल, और कृपापूर्वक उसे शांति तथा एकता प्रदान कर तू युगानुयुग जीता और राज्य करता है। **सब:** आमेन।

पु०: प्रभु की शांति सदा आपलोगों के साथ हो । **सब:** और आपकी आत्मा के साथ। **पु०:** परस्पर शांति- अभिवादन कीजिए।

सब:

हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर ।

हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर।

हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हमें शांति प्रदान कर।

पु०: देखिए, ईश्वर का मेमना! इन्हें देखिए, जो संसार के पाप हर लेते हैं। धन्य हैं वे, जो मेमने के भोज में बुलाये गये हैं।

सब: हे प्रभु! मैं इस योग्य नहीं हूँ कि तू मेरे यहाँ आये , किन्तु एक ही शब्द कह दे और मेरी आत्मा चंगी हो जाएगी।

प्रसाद- भजन

बस जाओ तुम मंदिर मेरे अंतरयामी प्रभु, ओ अंतरयामी प्रभु
प्यासा मन ये तुझे पुकारे अपना लो, अपनानो
वाणी मेरी नहीं निकलती तुम बोलो, तुम बोलो।
साँझ सबेरा तूने बनाया दुनिया में, दुनिया में
कितनी सुन्दर रचना तेरी सृजनहार, सुजनहार।
आस लगाये निरख रहा हूँ दर्शन दो, दर्शन दो
आशा होगी कब ये पूरी बतलाओ, बतलाओ।

प्रसाद- भजन

हे पिता! यदि यह प्याला मेरे पिये बिना नहीं टल सकता, तो तेरी इच्छा पूरी हो।

कम्यूनियन के बाद प्रार्थना

हे प्रभु, इन पवित्र उपहारों से पोषित होकर हम तुझसे विनम्र निवेदन करते हैं कि जैसे तूने अपने पुत्र की मृत्यु से विश्वास का फल प्राप्त करने की आशा हमें दी है, वैसे ही उनके पुनरुत्थान के प्रभाव से हमें अपने लक्ष्य तक पहुँचा दे। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

आशीष- प्रार्थना

हे प्रभु, अपने इस परिवार की सुधि ले जिसके लिए हमारे प्रभु येसु खीस्त शत्रुओं के हवाले किये जाने और क्रूस की यातना सहने से नहीं हिचके। हम यह प्रार्थना करते हैं, उन्हीं हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

विसर्जन गीत

क्रूस ही है तेरा निशान आगे बढ़ जवान,

पीछे न हटना कभी, .येसु है तेरी चट्टान।
नैया मेरी मझधार में डूबी, कौन लगायेगा पार -2
केवल येसु हो सकता है -2, नैया की मेरी पतवार।
मेरे ही कारण वह आया जगत में, पाप से मुझे बचाने
मेरे ही खातिर येसु ने खोला, मुक्ति के द्वार को।
येसु ने कहा मैं नूर हूँ जग का, मेरी ही रोशनी में आ -2
मेरे इशारों पर बढ़ता तू चल -2 राह में न डगमगा।

Homily

प्रभु के दुःखभोग का खजूर रविवार

मत्ती के अनुसार येसु के दुःखभोग (Passion) की कथा की मुख्य विशेषताएँ

मत्ती के द्वारा प्रस्तुत येसु के दुःखभोग के वर्णन में कुछ ऐसी प्रमुख विशेषताएँ हैं जिनमें हम अपने मानवीय जीवन की स्थिति और सं सार के अनेक लोगों की परिस्थितियों को स्पष्ट रूप से पहचान सकते हैं:

(1) गेतसेमनी में प्रार्थना करते समय येसु की मानसिक पीड़ा, जब वे "व्याकुल" और "अत्यंत दुखी" हो जाते हैं, यहाँ तक कि मृत्यु तक का दुःख अनुभव करते हैं (26:37-38);

(2) प्रारंभ में उनका यह इच्छा करना कि यदि संभव हो तो पिता इस दुःख के प्याले को उनसे दूर कर दें , परन्तु बाद में ईश्वर की इच्छा के प्रति आज्ञाकारी समर्पण—"जैसा मैं चाहता हूँ वैसा नहीं, बल्कि जैसा आप चाहते हैं" (26:39), जबकि उनके शिष्य उन्हें सांत्वना देने के बजाय सो जाते हैं (26:40);

(3) उनके अपने ही शिष्य यूदस द्वारा धन के लोभ में एक चुंबन देकर विश्वासघात करना, जिसे येसु "मित्र" कहकर संबोधित करते हैं (26:49, 50);

(4) संकट के समय उनके अपने शिष्यों द्वारा उनका परित्याग (26:31) ;

(5) महासभा द्वारा झूठे आरोपों के आधार पर उनका मुकदमा और मृत्यु -दंड—जैसे कि मंदिर को नष्ट करने का आरोप और ईश्वर-निंदा का दोष (26:61, 65);

(6) पेत्रुस द्वारा डर के कारण शपथ खाकर येसु को जानने से इंकार करना (26:74);

(7) यूदस का अपने पाप का एहसास होने के बाद आत्महत्या करना (27:4), और महायाजकों का उस "रक्त धन" को स्वीकार न करना (27:6);

(8) महायाजकों और प्राचीनों द्वारा रोमी राज्यपाल पीलातुस को प्रभावित कर येसु को मृत्यु -दंड दिलाना;

(9) पीलातुस का येसु को निर्दोष पाना, जिसकी पुष्टि उसकी पत्नी के स्वप्न से भी होती है (27:19);

(10) बरआब्बास नामक कैदी को विकल्प के रूप में प्रस्तुत कर येसु को छोड़ने की योजना, जो विफल हो जाती है (27:16-17, 21);

(11) भीड़ द्वारा क्रूस पर चढ़ाने की माँग और दंगे के डर से पीलातुस का दबाव में आकर निर्णय लेना (27:23-26);

(12) येसु का अपमान—उनके वस्त्र उतारना, कांटों का मुकुट पहनाना, उन पर थूकना, मारना और दो डाकुओं के बीच क्रूस पर चढ़ाना (27:28-35, 38);

(13) लोगों, महायाजकों और अन्य लोगों द्वारा उनका उपहास और अपमान (27:39 -44);

(14) उनका यह अनुभव करना कि उन्हें सभी ने—यहाँ तक कि ईश्वर ने भी—त्याग दिया है, और अंततः उनका मृत्यु को प्राप्त होना (27:46, 50)।

मत्ती अन्य सुसमाचार लेखकों की तुलना में अधिक बार पुराने नियम की भविष्यवाणियों की पूर्ति का उल्लेख करते हैं। उनके लिए येसु का दुःखभोग ईश्वर की योजना का हिस्सा था, जिससे उनके उद्धार के मिशन की पूर्ति हो।

जीवन में अनुप्रयोग

आज का खजूर और दुःखभोग रविवार का संयुक्त अनुष्ठान हमारे जीवन के दो पहलुओं को प्रस्तुत करता है —आनंद और दुःख, विजय और पीड़ा। जैसे येसु का येरूसालेम में विजयी प्रवेश और उनका दुःखभोग जीवन के दो पहलू हैं , वैसे ही हमारे जीवन में भी खुशियों और कष्टों के क्षण आते हैं।

कभी हम सफलता, सम्मान, स्वास्थ्य और प्रेम का अनुभव करते हैं—लोग हमारी प्रशंसा करते हैं। यह वैसा ही है जैसे लोगों ने येसु का स्वागत किया।

दूसरी ओर, हम विश्वासघात, अकेलापन, अपमान, अन्याय और पीड़ा का भी सामना करते हैं। ऐसे समय में यह जानना सांत्वना देता है कि येसु ने भी यह सब सहा और वे हमारे साथ हैं।

आज भी हम जीवन में वही अनुभव करते हैं—मानसिक तनाव, संघर्ष, विश्वासघात, अकेलापन, लालच, अन्याय, सामाजिक दबाव, अपमान, और त्याग का अनुभव। कई लोग निर्दोष होते हुए भी कष्ट सहते हैं। येसु ने हमारी हर स्थिति को अपनाया, इसलिए वे हमारे जीवन में शक्ति और कृपा का स्रोत बनते हैं।

हम सभी ने अपने जीवन में या दूसरों के जीवन में इन परिस्थितियों का अनुभव किया है। इसलिए हम येसु के नाम की महिमा करते हैं और उन्हें सम्मान देते हैं।

आज की पूजा हमें यह भी सिखाती है कि हम कभी-कभी ईश्वर के प्रति विश्वासयोग्य रहते हैं और कभी-कभी अविश्वासी हो जाते हैं। हम प्रार्थना में उनकी स्तुति करते हैं, लेकिन जीवन में उनके मार्ग से भटक जाते हैं।

दुनिया हमें घमंड, शक्ति और धन का मार्ग दिखाती है, जबकि मसीह हमें क्रूस का मार्ग दिखाते हैं। फिर भी, कई लोग अपने विश्वास के लिए बलिदान देते हैं और कठिनाइयों का सामना करते हैं।

हमारे अंदर भी पीलातुस, पेत्रुस और यूदस जैसे स्वभाव दिखाई देते हैं—कभी हम निर्दोषों को दोषी ठहराते हैं, कभी विश्वासघात करते हैं, और कभी येसु को नकारते हैं।

आज जब हम खजूर की डालियाँ लेकर चलते हैं, तो यह संकेत है कि हम येसु के साथ उनके दुःख और विजय दोनों में चलने को तैयार हैं। यदि हम उनके मूल्यों का अनुसरण करते हैं, तो हमें भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।
प्रश्न यह है—क्या हम उनके साथ 'येरूसालेम' तक चलने को तैयार हैं?

क्या हम इन परिस्थितियों में विश्वास के साथ प्रतिक्रिया देते हैं ?
क्या हम अपने जीवन में येसु को बार-बार 'क्रूस पर चढ़ाते' हैं?
क्या हम सत्य, न्याय और सेवा के लिए जीते हैं?
क्या हम उनके साथ क्रूस उठाने के लिए तैयार हैं?

प्रार्थना

हे येसु, जो प्रभु के नाम से आते हैं, आप धन्य हैं। आपने स्वयं को नम्र किया और हमारे समान बन गए, यहाँ तक कि क्रूस पर मृत्यु तक। जब हम जीवन में कष्टों का सामना करें, तो आप हमारे लिए शक्ति, कृपा और प्रेरणा का स्रोत बनें।
आमेन।

MAUNDY THURSDAY

प्रभु-ब्यालू का बृहस्पतिवार

प्रवेश गीत

प्रभु तेरे ही मन्दिर में, हम चढ़ाते हैं बलिदान,
स्तुति तेरी गाते सभी भक्ति में झूम, तुझको करें सम्मान।
सब कुछ हमें देता, हमारा प्रेमी पिता,
जीवन के संकट में प्रभु, साथ निभाता सदा।
कृपा दया सागर बरसाता प्रेम की फुहार,
गुमराह भेड़ों का बन जाता राखनहार॥

प्रवेश भजन

हमें अपने प्रभु येसु ख्रीस्त के क्रूस पर गौरव करना चाहिए। उन्हीं में हमारी मुक्ति, जीवन और पुनरुत्थान है। उन्हीं के द्वारा हमारा उद्धार और मुक्ति हुई है।

पु०: पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर। **सब:** आमेन।

पु०: हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त की कृपा, ईश्वर का प्रेम और पवित्र आत्मा का साहचर्य आप सबको प्राप्त हो।

अथवा

हमारे पिता ईश्वर और प्रभु येसु ख्रीस्त की कृपा और शांति आपलोगों के साथ हो।

अथवा

पु०: प्रभु आपलोगों के साथ हो। **सब:** और आपकी आत्मा के साथ।

पश्चाताप- विधि

आज हम प्रभु के अंतिम भोजन का समारोह मना रहे हैं। पवित्र कलिसिया के जीवन में दो जरूरी संस्कार हैं यूखरिस्त और पुरोहीताई संस्कार। जिसकि स्थापना प्रभु ने आज के दिन की थी। इनके जरिये प्रभु प्रेम एवं सेवा के आदर्श पर चलने के लिये प्रेरित करते हैं। प्रभु ने अंतिम भोजन के समय शिष्यों के पैरों को धोकर प्रेम का आदेश दिया तथा एक दूसरे की सेवा का बुलावा दिया। प्रभु के सारे वरदानों में सर्वश्रेष्ठ है उनका शरीर एवं रक्त अर्थात यूखरिस्त। क्योंकि इसमें बलिदान का रहस्य छुपा है उनके प्रेम में। इस संसार को मनाने का कार्य पुरोहितों को सौंपा है। हमें प्रभु के मार्ग पर चलकर अपने जीवन में प्रेम और सेवा का संदेश जीना अनिवार्य है। आईये इस संदेश के द्वारा एक नये समाज कि स्थापना करें।

पु०: भाइयो और बहनो, हम अपने पापों को स्वीकार करें, ताकि हम यह पवित्र बलि चढ़ाने के योग्य बन जाएँ।

सब: हे भाइयो-बहनो, मैं सर्वशक्तिमान् ईश्वर और आप लोगों के सामने स्वीकार करता हूँ कि मैंने मन, वचन और कर्म से तथा अपना कर्त्तव्य पूरा न करने से **(सब लोग अपनी छाती पीटते हुए बोलते हैं)** अपने कसूर से, अपने कसूर से, अपने भारी कसूर से घोर पाप किया है। इसलिए, मैं नित्य कुँवारी धन्य मरियम से, सब स्वर्गदूतों, संतों और आप लोगों से, हे भाइयो-बहनो, विनती करता हूँ कि आप लोग मेरे लिए प्रभु ईश्वर से प्रार्थना करें।

पु०: सर्वशक्तिमान् ईश्वर हम लोगों पर दया करे और हमारे पाप क्षमा कर हमें अनंत जीवन प्रदान करे।

सब: आमेन।

पु०: हे प्रभु दया कर। सब: हे प्रभु दया कर।

पु०: हे ख्रीस्त दया कर। सब: हे ख्रीस्त दया कर।

पु०: हे प्रभु दया कर। सब: हे प्रभु दया कर।

दया याचना

पापों से थक कर लाचार अब, आये हैं प्रभु तेरे द्वार -2
तुम दया के सागर हो -2 हम पर दया करना हे नाथ -2
कृपा के जीवन को पाने, आये हैं प्रभु तेरे द्वार -2
तुम कृपा के सागर हो -2 हम पर कृपा करना हे नाथ-2
शांति के जीवन को पाने, आये हैं प्रभु तेरे द्वार -2
शांति के तुम सागर हो -2 शांति हमें प्रदान करो -2

पु०: स्वर्ग में ईश्वर की महिमा

सब: और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शांति। हम तेरी प्रशंसा करते हैं, तुझे धन्य कहते हैं, तेरी आराधना करते हैं, और तेरी महिमा गाते हैं। हम तेरी परम महिमा के कारण तेरा गुणगान करते हैं। हे प्रभु ईश्वर, स्वर्ग के स्वामी, सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर हे प्रभु! एकलौते पुत्र, येसु ख्रीस्त! हे प्रभु ईश्वर, ईश्वर के मेमने, पिता के पुत्र! तू संसार के पाप हर लेता है, हम पर दया कर तू संसार के पाप हर लेता है, हमारा निवेदन स्वीकार कर तू पिता की दाहिनी ओर विराजमान है, हम पर दया कर। क्योंकि तू ही पवित्र है, तू ही प्रभु है। तू ही येसु ख्रीस्त पवित्र आत्मा के साथ, पिता ईश्वर की महिमा में सर्वोच्च है। **आमेन।**

महिमा गान (महिमागान के समय घंटियाँ बजायी जाती हैं।)

स्वर्ग में सर्वोच्च प्रभु की महिमा छायें
भू पर मानव को परम शांति मिले (2)
कहते धन्य और गुण गाते आराधना में लय हो जाते
परम पिता परमेश्वर के प्रति हम श्रद्धा से नत हो जाते। आ...
येसु खीस्त है विश्व पाप हर ईश-पुत्र सुन विनय दया कर
शोभित जो दाहिने पिता के हे प्रभु के मेमने कृपा कर। आ...
तू ही पावन तू ही प्रभु नित परमपिता के महिमा में स्थित
येसु खीस्त पावन आत्मा संग तू सर्वोच्च तुझे यह अर्पित। आ...

संगृहीत प्रार्थना (निवेदन)

हे ईश्वर, हम उस परम पवित्र ब्यालू के लिए एकत्र हुए हैं, जिसमें तेरे इकलौते पुत्र ने अपने प्राण अर्पित करने से पहले कलीसिया के लिए एक नया और शाश्वत बलिदान, अपने प्रेम का भोज दिया। ऐसी कृपा कर कि हम इस महान् संस्कार के द्वारा प्रेम और जीवन की परिपूर्णता प्राप्त करें। हम यह प्रार्थना करते हैं, उन्हीं हमारे प्रभु तेरे पुत्र येसु ख्रीस्त के द्वारा, जो तेरे तथा पवित्र आत्मा के संग एक ईश्वर होकर युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

पहला पाठ

(यहूदी लोग हर साल पास्का पर्व के अवसर पर पास्का का मेमना खाते थे। हम हर पवित्र मिस्सा में कहते है, 'हे ईश्वर के मेमने! तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर।' इस प्रकार हम अपना विश्वास प्रकट करते हैं कि पास्का का वास्तविक मेमना कौन है- यह तो येसु मसीह ही है।)

निर्गमन ग्रन्थ 12: 1-8. 11-14

"पास्का के भोज के विषय में आदेश।"

प्रभु ने मिस्र देश में मूसा और हारून से कहा- यह तुम्हारे लिए आदिमास होगा; तुम उसे वर्ष का पहला महीना मान लो। इस्राएल के सारे समुदाय को यह आदेश दो- इस महीने के दसवें दिन हर एक परिवार एक- एक मेमना तैयार रखेगा। यदि मेमना खाने के लिए किसी परिवार में कम लोग हों, तो जरूरत के अनुसार पास वाले घर से लोगों को बुलाओ। खाने वालों की संख्या निश्चित करने में हर एक की खाने की रुचि का ध्यान रखो। उस मेमने में कोई दोष न हो; वह नर हो और एक साल का। वह भेड़ा हो अथवा बकरा। महीने के दसवें दिन तक उसे रख लो; शाम को सब इस्राएली उसको कतल करेंगे। जिन घरों में मेमना खाया जायेगा, दरवाजों की चौखट पर उसका लोहू पोत दिया जाये। उसी रात को बेखमीर रोटी और कड़वे साग के साथ मेमने का भूना हुआ माँस खाया जायेगा। तुम लोग चप्पल पहन कर, कमर कस कर तथा हाथ में डंडा लिये खाओगे। तुम जल्दी जल्दी खाओगे, क्योंकि यह प्रभु का 'पास्का' है। उसी रात मैं, प्रभु, मिस्र देश का परिभ्रमण करूँगा, मिस्र देश में मनुष्यों और जानवरों के सभी पहलौठे बच्चों को मार डालूँगा, और मिस्र के सभी देवताओं को भी दण्ड दूँगा। तुम लोहू पोत कर दिखा दोगे। कि तुम किन घरों में रहते हो; वह लोहू देख कर मैं तुम लोगों को छोड़ दूँगा। इस तरह, जब मैं मिस्र देश को दण्ड दूँगा, तुम विपत्ति से बच जाओगे। तुम उस दिन का स्मरण रखोगे और उसे प्रभु के आदर में पर्व के रूप में मनाओगे। तुम उसे सभी पीढ़ियों के लिए अनन्तकाल तक पर्व घोषित करोगे।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन स्तोत्र 115: 12-13. 15-18

अनुवाक्यः- यह आशिष का प्याला है; इसके द्वारा हम मसीह के रक्त के सहभागी बन जाते हैं।

1. प्रभु के सब उपकारों के लिए मैं उसे क्या दे सकता हूँ? मैं मुक्ति का प्याला उठा कर प्रभु का नाम लूँगा।
2. अपने भक्तों की मृत्यु से प्रभु को भी दुःख होता है। हे प्रभु! मैं तेरा सेवक हूँ, तूने मेरे बंधन खोल दिये।
3. मैं प्रभु का नाम लेते हुए धन्यवाद का बलिदान चढ़ाऊँगा। मैं प्रभु की सारी प्रजा के सामने प्रभु के लिए अपनी मन्नतें पूरी करूँगा।

अंतर भजन

यही वचन आदेश यही है
यही वचन आदेश यही है ध्यान में रख लो जी,
शिष्य बनोगे प्रभु के तुम जनसेवा करके ही।
खोलोगे जब आँखें सच तुम देख्बोगे,
कानों से तुम वाणी का सच सुन लोगे,
पैर से चलकर सच की मंजिल पा लो जी,
डोर थाम लो हाथों से सत् कर्मों की।
प्रेम तुम्हारे पास है तो बाँटोगे,
द्वार हृदय के रोलो प्रभु को पाओगे,
तन-मन-धन से ध्यान प्रभु का धर लो जी,
खून बहाकर भी सेवा रस घोलो जी।

क्रूस प्रभु का हम को याद दिलाता है,
अपना लहू देकर भी सबको बचाना है,
खून से सींची बगिया उसने रिश्तों की,
प्रभु पथ पर चल स्वर्गधाम तुम पा लो जी।

दूसरा पाठ

(हर एक पवित्र मिस्सा में हम अन्तिम ब्यारी तथा क्रूस के बलिदान, दोनों की यादगारी मनाते हैं। दोनों अवसरों पर येसु ने हमें अपूर्व रूप से अपना प्रेम दिखाया है।)

कुरिथियों के नाम संत पौलुस का पहला पत्र **11: 23-26**

"जब- जब आप यह खाते अथवा पीते हैं, प्रभु की मृत्यु घोषित करते हैं।"

भाइयो! मैंने प्रभु से सुना और आप लोगों को भी यही बता दिया है कि जिस रात को प्रभु येसु पकड़वाये गये, उन्होंने रोटी ले कर धन्यवाद की प्रार्थना पढ़ी और उसे तोड़ कर कहा- "यह मेरा शरीर है, यह तुम्हारे लिए है। यही मेरी स्मृति में किया करो।" इसी प्रकार व्यारी के बाद उन्होंने प्याला ले कर कहा- "यह प्याला मेरे रक्त का नूतन विधान है। जब- जब तुम उसमें से पियो, तो यही मेरी स्मृति में किया करो।" इसलिए जब- जब आप लोग यह रोटी खाते और यह प्याला पीते हैं, आप प्रभु के आने तक उनकी मृत्यु की घोषणा करते हैं।

यह प्रभु की वाणी है।

जयघोष

प्रभु कहते हैं- **मैं तुम लोगों को एक नयी आज्ञा देता हूँ जैसे मैंने तुम्हें प्यार किया, वैसे ही तुम भी एक दूसरे को प्यार करो।**

सुसमाचार

(आज के सुसमाचार में प्रभु येसु हमें यह शिक्षा देते हैं कि कोमुन्यो और भ्रातृप्रेम का अटूट सम्बन्ध है। जब- जब हम दूसरों की सेवा करते हैं, तब उन्हीं के सच्चे शिष्य होने का प्रमाण देते हैं, जिन्हें हम पवित्र कोमुन्यो में ग्रहण करते हैं।)

सन्त योहन के अनुसार पवित्र सुसमाचार **13: 1-15**

"उन्होंने अपने प्रेम का सबसे बड़ा प्रमाण दिया।"

वह पास्का पर्व का पूर्वदिन था। येसु जानते थे कि मेरी घड़ी आ गयी है और मुझे यह संसार छोड़ कर पिता के पास जाना है। वह अपने शिष्यों को , जो इस संसार में थे, प्यार करते आये थे और अब अपने प्रेम का सबसे बड़ा प्रमाण देने वाले थे। शैतान ब्यारी के समय तक सिमोन इसकारियोती के पुत्र यूदस के मन में येसु को पकड़वाने का विचार उत्पन्न कर चुका था। येसु जानते थे कि पिता ने मेरे हाथों में सब कुछ दे दिया है, मैं ईश्वर के यहाँ से आया हूँ और ईश्वर के पास जा रहा हूँ। उन्होंने भोजन पर से उठ कर अपने कपड़े उतारे और कमर में अँगोछा बाँध लिया। तब वह परात में पानी भर कर अपने शिष्यों के पैर धोने और कमर में बंधे अंगोछे से पोंछने लगे। जब वह सिमोन पेत्रुस के पास पहुँचे, तो पेत्रुस ने उनसे कहा, "प्रभु! आप मेरे पैर धोते हैं?" येसु ने उसे उत्तर दिया, "तुम अभी नहीं समझते कि मैं क्या कर रहा हूँ- बाद में समझोगे।" पेत्रुस ने कहा, "मैं आप को अपने पैर कभी नहीं धोने दूंगा।" येसु ने उसे उत्तर दिया, "यदि मैं तुम्हारे पैर न धोऊँ, तो तुम्हारा मेरे साथ कोई संबंध नहीं रह जायेगा।" इस पर सिमोन पेत्रुस ने उनसे कहा, "प्रभु! तब तो मेरे पैर ही नहीं, मेरे हाथ और सिर भी धोइये।" येसु ने उत्तर दिया, "जो स्नान कर चुका है, उसे पैर के सिवा और कुछ भी धोने की जरूरत नहीं। वह पूर्ण रूप से शुद्ध है। तुम लोग शुद्ध हो, परन्तु सब के सब नहीं।" वह जानते थे कि कौन मेरे साथ विश्वासघात करेगा। इसीलिए उन्होंने कहा तुम सब के सब शुद्ध नहीं हो। उनके पैर धोने के बाद वह अपने कपड़े पहन कर फिर बैठ गये और उनसे बोले, "क्या तुम लोग समझते हो कि मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है? तुम मुझे गुरु और प्रभु कहते हो, और ठीक ही कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ। इसलिए यदि मैंने प्रभु और होकर तुम्हारे पैर धोये हैं, तो तुम्हें भी एक दूसरे के पैर धोने चाहिए। मैंने तुम्हे उदाहरण दिया है, जिससे जैसा मैंने तुम्हारे साथ किया है, वैसा ही तुम भी किया करो।"

यह प्रभु का सुसमाचार है।

पाद-प्रक्षालन

The ministers lead the men who have been chosen to the chairs prepared for them. The priest may remove the chasuble. Assisted by the ministers he pours water over each one's feet and wipes them.

सेवक बनो मेरे साथियों

सेवक बनो मेरे साथियों येसु ने हमें सिखाया है
प्रेमी बनो तुम मानव के (2) क्योंकि प्रेम ही ईश्वर है।
सच्चाई की राह पे चलने, सुख देने हर मानव को
राह दिखाये प्रभु हमें, याद रखेगे दर्द तेरे ।
ज्योति बनके जलते रहना, तूफानों से टकराकर
दुनिया को रोशन करो, दूर कर दो अंधियारा।
प्रेमी बनके चलते रहना, सिखलाया हमें आप ने प्रभु
शक्ति दो हमें राह में, याद रखेंगे यह संदेश।

धर्मसार नहीं बोला जाता है।

विश्वासियों के निवेदन

पु०: प्रिय भाई-बहनो, यहूदी लोग हर साल पास्का पर्व बड़े ही सावधानी और ध्यानपूर्वक मनाते थे। यह पर्व उन्हें मिस्र देश की दासता से छुटकारा पाने की याद दिलाता था। अपने शिष्यों के साथ इस पर्व को मनाते समय येसु ने रोटी और दाखरस को अपने शरीर और रक्त में परिवर्तन कर यूखरिस्त की स्थापना की। अतः हम प्रार्थना करें कि इस यूखरिस्तीय समारोह द्वारा हम येसु के निकट आ सकें और कहें:

सब: हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

1. कलीसिया के सर्वोच्च अधिकारी हमारे संत पिता अपने जीवन उदाहरण द्वारा सभी विश्वासियों को प्रेम और उदारता का जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

2. इस संसार के सभी पुरोहितगण एक अच्छे चरवाहे के समान अपने रेवड़ की रक्षा एवं देख-रेख करें और उन्हें ईश्वर के बताये मार्ग पर ला सकें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

3. पुरोहित लोग पूर्ण समर्पण के साथ शुद्धता, निर्धनता और आज्ञाकारिता का जीवन जी सकें साथ ही कठिन परिस्थितियों में हम सबों की प्रार्थनाओं द्वारा उन्हें सहायता मिलती रहे। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

4. जो लोग पुरोहितों के कार्यों को पूरा करने में सहायता प्रदान करते हैं, वे बुजुर्ग एवं बीमार व्यक्तियों के मन में आशा का संचार कर सकें और वे यूखरिस्त से बल प्राप्त करते रहें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

5. हम सभी विश्वासीगण येसु ख्रीस्त के इस अंतिम ब्यारी समारोह में भाग लेने के लिए आये हैं। यह हमें बल प्रदान करे ताकि हम भी जीवन में आने वाली तकलीफों को येसु की भाँति सहन कर सकें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

(निजी प्रार्थनाएँ)

पु०: हे सर्वशक्तिमान ईश्वर, यूखरिस्त की स्थापना करने के लिए हम तुझे धन्यवाद देते हैं। येसु ख्रीस्त इसमें रोटी के रूप में साक्षात् उपस्थित रहते हैं। हमें ऐसी कृपा मिले ताकि जब कभी हम यूखरिस्त का समारोह मनाते हैं, उसमें हमारा मिलन येसु ख्रीस्त से होता रहे। हम यह प्रार्थना करते हैं, प्रभु ख्रीस्त के द्वारा। **आमेन।**

चढ़ावा

मेरा जीवन तेरा दान, तुझे अर्पण भगवन,
अपना लो मेरा तन, मेरा मन भगवन।
सुख-दुःख की यह रोटी लाये हम वेदी पर-2

बदलो इसे अब अपने शरीर में प्रभु,
एक बने यह तेरे साथ-तेरे साथ।
दाखरस का यह कटोरा, अर्पित हैं चरणों में -2
बदलो इसे अब अपने लहू में प्रभु,
ग्रहण करें हम सब के साथ-सब के साथ।

यूखरिस्तीय समारोह

पु०: धन्य है तू, सकल सृष्टि के प्रभु ईश्वर! यह रोटी, जिसे हम तुझे चढ़ाते हैं, हमें तेरी उदारता से मिली है। यह पृथ्वी की उपज है और मनुष्य के परिश्रम का फल, यह हमारे लिए जीवन की रोटी बन जाएगी।

सब: धन्य हो ईश्वर, अनंत काल तक!

पु०: धन्य है तू, सकल सृष्टि के प्रभु ईश्वर! यह दाखरस, जिसे हम तुझे चढ़ाते हैं, हमें तेरी उदारता से मिला है। यह दाखलता की उपज है और मनुष्य के परिश्रम का फल, यह हमारे लिए आध्यात्मिक पेय बन जाएगा।

सब: धन्य हो ईश्वर, अनंत काल तक!

पु०: भाइयो और बहनो, प्रार्थना कीजिए कि सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर मेरा और आपलोगों का यह बलिदान स्वीकार करे।

सब: प्रभु अपने नाम की स्तुति तथा महिमा के लिए और हमारे तथा अपनी समस्त पवित्र कलीसिया के लाभ के लिए आपके हाथों से यह बलिदान स्वीकार करे।

(यूखरिस्तीय धर्मविधि के प्रारम्भ में चढ़ावा जुलूस किया जा सकता है, जिसमें विश्वासीगण रोटी और दाखरस के साथ-साथ गरीबों की सहायता के लिए भेंट अर्पित कर सकते हैं। इस दौरान निम्नलिखित या कोई अन्य उपयुक्त भजन गाया जा सकता है।)

स्थायी: जहाँ भाईचारा और प्रेम है, वहीं ईश्वर है।

अंतरा: हम सबको एकत्रित किया खीस्त के प्रेम ने, उनके कारण हर्ष मनाएँ, उल्लसित हों, जीवंत ईश्वर का भय खाएँ और प्रेम करें, सच्चे हृदय से प्यार करें एक दूसरे को। जहाँ भाईचारा....

अंतरा: जब हम एक साथ मिलते हैं तो सावधान रहें, हममें फूट कभी न पड़े, मतभेद न हो, राग-द्वेष दूर हमसे रहे, कलह न हो और हमारे बीच विराजे येसु राजेश्वर। जहाँ भाईचारा...

अंतरा: दूतों-संतों के संग मिलकर, हे खीस्त ईश्वर, महिमा में करें दर्शन तेरे मुख के, सच्चा और अथाह आनंद जिसमें मिलता है और युगानुयुग सदा है बना रहता। जहाँ भाईचारा....

अर्पण -प्रार्थना

हे प्रभु, जब कभी इस बलिदान की स्मृति मनायी जाती है, हमारी मुक्ति का कार्य सम्पन्न होता है। ऐसी कृपा कर कि हम इस संस्कार में योग्य रीति से भाग ले सकें। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु खीस्त के द्वारा।

अवतरणिका: ख्रीस्त का बलिदान और संस्कार

पु०: प्रभु आपलोगों के साथ हो। **सब:** और आपकी आत्मा के साथ।

पु०: प्रभु में मन लगाइए। **सब:** हम प्रभु में मन लगाए हुए हैं।

पु०: हम अपने प्रभु ईश्वर को धन्यवाद दें। **सब:** यह उचित और न्यायसंगत है।

हे प्रभु, पवित्र पिता,
सर्वशक्तिमान् और शाश्वत ईश्वर,
यह वास्तव में उचित और न्यायसंगत है,
हमारा कर्त्तव्य तथा कल्याण है
कि हम सदा और सर्वत्र अपने प्रभु खीस्त के द्वारा तुझे धन्यवाद दें।

ये ही हैं यथार्थ और शाश्वत पुरोहित।
इन्होंने चिरस्थायी बलिदान की स्थापना की
और सर्वप्रथम स्वयं को तुझे मुक्तिदायक बलि-स्वरूप चढ़ाया
और आदेश दिया कि हम इनकी स्मृति में इसे अर्पित करें।

हमारे लिए अर्पित इनका शरीर ग्रहण करके हम बलिष्ठ होते
और हमारे लिए प्रवाहित इनका रक्त पान कर हम विशुद्ध होते हैं।

इसलिए, दूतों और महादूतों, सिहासन और साम्राज्य,
स्वर्गिक सेनाओं और शक्तियों के साथ मिलकर
हम अनंत काल तक तेरा महिमागान करते हैं:
पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु विश्वमण्डल के ईश्वर! स्वर्ग और पृथ्वी तेरी महिमा से परिपूर्ण हैं। धन्य हैं वे, जो प्रभु के नाम पर आते हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना! धन्य हैं वे, जो प्रभु के नाम पर आते हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना!

पावन पावन पावन

हे पावन पावन पावन

हे पावन, पावन, पावन प्रभु शक्तिमान भगवन

पूर्ण है उसकी, महिमा से स्वर्ग और जहान

प्रभु शक्तिमान भगवन

ऊँचे आकाश में होसान्ना, दाऊद के पुत्र को होसान्ना

होसान्ना होसान्ना होसान्ना

धन्य है वह जो आया और आने वाला है

प्रभु के नाम पर वह आने वाला।

C **इसलिए, हे परम दयालु पिता हम तेरे पुत्र अपने प्रभु येसु ख्रीस्त के द्वारा तुझसे दीनतापूर्वक प्रार्थना करते हैं:**

इन उपहारों, इन निर्मल बलिदानों को पवित्र कर दे।

हम इन्हें तेरी पवित्र काथलिक कलीसिया के लिए, तेरे सेवक अपने संत पिता (नाम), अपने धर्माध्यक्ष (नाम)* और उन सभी धर्माधिकारियों के लिए तुझे चढ़ाते हैं, जो काथलिक तथा प्रेरितिक विश्वास का दायित्व सम्भाल रहे हैं। अपनी कलीसिया को सारी पृथ्वी पर शांति तथा एकता प्रदान कर। इसकी रक्षा तथा पथ-प्रदर्शन करते रहने की कृपा कर।

जीवितों की स्मृति

C1 **हे प्रभु, अपने सेवकों (सेविकाओं) (नाम) की सुधि ले,**

इन सबकी भी सुधि ले, जो यहाँ तेरे सामने उपस्थित हैं। इनका विश्वास और भक्ति तू भली-भाँति जानता है। तू हम इनके लिए तथा इनके प्रियजनों के लिए तेरी स्तुति में यह बलि चढ़ाते हैं: तू ही हमारा जीवंत, सत्य और शाश्वत ईश्वर है, हम इनके कल्याण तथा मुक्ति के लिए तुझसे प्रार्थना करते हैं।

C2 **सारी कलीसिया से संयुक्त होकर हम उस परम पवित्र दिन की स्मृति मना रहे हैं, जब हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त हमारी मुक्ति के लिए सौंपे गये। हम सर्वप्रथम उन्हीं अपने ईश्वर और प्रभु येसु ख्रीस्त की माता प्रतापी नित्य कुँवारी मरियम का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं,और उनके वर धन्य योसेफ, तेरे धन्य प्रेरितों और शहीदों पेत्रुस और पौलुस, अंद्रेयस, (याकूब, योहन, थोमस, याकूब, फिलिप, बारथोलोमी, मत्ती, सिमोन और थदेउस; लीनुस, क्लेतुस, क्लेमेंट, सीस्तुस, कोर्नेलियस, सीप्रिआनुस, लौरेंसियस, क्रिसोगोनुस, योहन और पौलुस, कॉस्मस और डेमियन)**

और तेरे सब संतों का स्मरण करते हैं। उनके पुण्यफलों तथा प्रार्थनाओं द्वारा हमें सदा तेरी सहायता और सुरक्षा मिलती रहे।

(हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। आमेन।)

C इसलिए, हे प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं: यह भेंट कृपापूर्वक स्वीकार कर। इसे हम- तेरे सेवक-सेविकाएँ और तेरा सारा परिवार, तुझे उस दिन की स्मृति में अर्पित करते हैं, जब हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त ने अपने शिष्यों के लिए अपने शरीर तथा रक्त का यह बलिदान ठहराया था। इस पृथ्वी पर हमें शांति प्रदान कर, नरक- दण्ड से हमें बचा और अपने संतों की संगति में सम्मिलित करने की कृपा कर।

(हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। आमेन।)

CC हे ईश्वर, प्रसन्न होकर हमारे इस चढ़ावे को आशीष दे; इसे पूर्ण रूप से आध्यात्मिक और सुग्राह्य बना दे कि यह हमारे लिए तेरे परम प्रिय पुत्र, हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त का शरीर तथा रक्त बन जाये।

हमारी तथा सबकी मुक्ति के लिए अपने दुःख भोगने के एक दिन पहले, अर्थात् आज येसु ने अपने पवित्र तथा पूज्य हाथों में रोटी ली और स्वर्ग की ओर आँखें उठाकर उन्होंने तुझे - अपने सर्वशक्तिमान् पिता को - धन्यवाद और रोटी तोड़कर उसे अपने शिष्यों को देते हुए कहा:

तुम सब इसे लो और इसमें से खाओ, क्योंकि यह मेरा शरीर है, जो तुम्हारे लिए बलि चढ़ाया जाएगा।

इसी भाँति, भोजन के बाद उन्होंने अपने पवित्र और पूज्य हाथों में अनमोल कटोरा लिया, तुझे धन्यवाद दिया और उसे अपने शिष्यों को देते हुए कहा:

तुम सब इसे लो और इसमें से पिओ, क्योंकि यह मेरे रक्त का कटोरा है, नवीन और अनंत व्यवस्थान का रक्त, जो तुम्हारे और बहुतों के पापों की क्षमा के लिए बहाया जाएगा।

तुम मेरी स्मृति में यह करो।

C विश्वास का रहस्य:

सब: हे प्रभु, हम तेरी मृत्यु तथा पुनरुत्थान की घोषणा तेरे पुनरागमन तक करते रहेंगे।

CC इसलिए, हे प्रभु, हम- तेरी पवित्र प्रजा और तेरे सेवक-सेविकाएँ, तेरे पुत्र अपने प्रभु खीस्त के पुण्य दुःखभोग, मृतकों में से पुनरुत्थान और प्रतापमय स्वर्गारोहण की स्मृति मनाते हैं। हे महिमामय प्रतापी ईश्वर, तेरे ही दानों में से हम तुझे यह पवित्र, निर्मल तथा निर्दोष बलि, अनंत जीवन की पवित्र रोटी और अनंत मुक्ति का कटोरा चढ़ाते हैं।

प्रसन्न होकर हमारे इन दानों पर दयादृष्टि डाल; जैसे तूने अपने धर्मी सेवक हाबिल की भेंट, हमारे धर्मपूर्वज इब्राहीम का बलिदान, और अपने महापुरोहित मेलकिसेदेक का पवित्र और निर्दोष याग स्वीकार किया था, वैसे ही इन्हें भी स्वीकार करने की कृपा कर।

हे सर्वशक्तिमान् ईश्वर, हम दीनतापूर्वक तुझसे प्रार्थना करते हैं: तेरा पवित्र स्वर्गदूत यह उपहार स्वर्ग की वेदी पर तेरे दिव्य प्रताप के सम्मुख चढ़ाये, ताकि हम सब इस वेदी से तेरे पुत्र का परम पवित्र शरीर तथा रक्त ग्रहण कर दिव्य आशीष और कृपा से परिपूर्ण हो जाएँ।

(हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त के द्वारा। आमेन।)

मृतकों की स्मृति:

C3 हे प्रभु, अपने सेवक (सेविकाओं) (नाम) की भी सुधि ले: जो विश्वास के चिह्न से अंकित होकर हमसे पहले परलोक सिधार चुके हैं और शांति की नींद सो रहे हैं।

हे प्रभु, तू इन्हें तथा उन सबको, जो खीस्त में विश्राम कर रहे हैं आनंद, ज्योति तथा शांति का निवास प्रदान कर।

(हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त के द्वारा। आमेन।)

C4 हम - तेरे सेवक-सेविकाएँ, पापी हैं।

इसलिए, अपने पुण्य पर नहीं, बल्कि तेरी असीम दया पर भरोसा रखते हुए, तुझसे यह निवेदन करते हैं: तू अपने धन्य प्रेरितों तथा शहीदों- संत योहन, स्तेफनुस, मथियस, बारनाबस, (इग्नासियुस, अलेक्सान्दर, मारसेलीनुस, पेत्रुस, फेलीसितास, पेरपेतुआ, आगाथा, लूसिया, आग्नेस, सिसिलिया, अनास्तासिया)

और अपने सब संतों की संगति में हमें भी सम्मिलित करने की कृपा कर।

हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

C जिनके द्वारा, हे प्रभु, तू ये सब दान उत्पन्न करता, इन्हें जीवन देता और आशीष देकर हमें प्रदान करता है।

CC इन्हीं प्रभु खीस्त के द्वारा, इन्हीं के साथ और इन्हीं में, हे सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर, पवित्र आत्मा के साथ, सारा गौरव तथा सम्मान युगानुयुग तेरा ही है।

आमेन।

कम्यूनियन-विधि

पु०: हम सब मिलकर पिता ईश्वर से प्रार्थना करें, जैसे प्रभु येसु ने हमें सिखाया है:

सब: हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में है, तेरा नाम पवित्र माना जाये, तेरा राज्य आये, तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में, वैसे पृथ्वी पर भी पूरी हो। हमारा प्रतिदिन का आहार आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं, और हमें परीक्षा में न डाल, परन्तु बुराई से बचा।

पु०: हे प्रभु, हम तुझसे प्रार्थना करते हैं: सभी बुराइयों से हमें बचाऔर इस जीवन में हमें कृपापूर्वक शांति प्रदान कर।हम तेरी दया से सदा पाप से दूर और हर विपत्ति से सुरक्षित रहें और उस दिन की प्रतीक्षा करते रहें,जब हमारे मुक्तिदाता येसु ख्रीस्त फिर आकर हमारी धन्य आशा पूरी करेंगे।

सब: क्योंकि तेरा राज्य, तेरा सामर्थ्य और तेरी महिमा अनंत काल तक बनी रहती है।

पु०: हे प्रभु येसु ख्रीस्त, तूने अपने प्रेरितों से कहा है: 'मैं तुम्हारे लिए शांति छोड़ जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें प्रदान करता हूँ। तू हमारे पापों पर नहीं, अपनी कलीसिया के विश्वास पर दृष्टि डाल, और कृपापूर्वक उसे शांति तथा एकता प्रदान कर तू युगानुयुग जीता और राज्य करता है। **सब:** आमेन।

पु०: प्रभु की शांति सदा आपलोगों के साथ हो। **सब:** और आपकी आत्मा के साथ। **पु०:** परस्पर शांति- अभिवादन कीजिए।

सब:

हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर।
हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर।
हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हमें शांति प्रदान कर।

पु०: देखिए, ईश्वर का मेमना! इन्हें देखिए, जो संसार के पाप हर लेते हैं। धन्य हैं वे, जो मेमने के भोज में बुलाये गये हैं।

सब: हे प्रभु! मैं इस योग्य नहीं हूँ कि तू मेरे यहाँ आये , किन्तु एक ही शब्द कह दे और मेरी आत्मा चंगी हो जाएगी।

प्रसाद- भजन

तेरे दिल में मुझको जगह मिली, मेरा दिल पुकारे ग्रसीह- मसीह,
तेरा प्यार है मेरी जिन्दगी, मेरी जिन्दगी है मेरा मसीह।
मैं अंधेरी राह पे हो लिया, मैं गुनाह की वादी में खो गया,
तेरी आँख मुझ पे लगी रही, मेरे पास आई सलामती।
मैं गुनाह के हाथ बिका हुआ, यह है सच कि मैं था मरा हुआ
तूने मेरी मौत कबूल की, मुझे बख्श दी तूने जिन्दगी।
न फिरूँगा अब कहीं दर-ब-दर, तू हुआ है खुद मेरा हम सफर,
मुझे मंजिलें है पुकारती, मैं रहूँगा अब तेरे साथ ही।

प्रसाद- भजन

प्रभु कहते हैं, "यह मेरा शरीर हैं, यह तुम्हारे लिए अर्पित किया जाएगा। यह प्याला मेरे रक्त का नवीन व्यवस्थान है। जब-जब तुम इसमें से पिओ, तो यह मेरी स्मृति में किया करो।"

कम्यूनियन के बाद प्रार्थना

हे सर्वशक्तिमान् ईश्वर, जिस प्रकार हम इस लोक में तेरे पुत्र के भोज में भाग लेने से नवस्फूर्ति प्राप्त करते हैं, उसी प्रकार हम उनके स्वर्गिक भोज से अनंत काल तक तृप्त होते रहें। यह वर दे, उन्हीं हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

विसर्जन गीत

येसु ने अपना खून बहाकर मुझे बचा लिया,
क्यों न मैं गाऊँगा गीत उसी के मुझे बचा लिया।
जब मैं गुनाहों में पड़ा हुआ था येसु आ गया,
उसके मारे जाने से मैं जीवन भी पा गया, -2
इसलिए गाऊँगा गीत उसी के मुझे बचा लिया॥
मेरे गुनाहों का बोझ उठाकर क्या-क्या न उसने सहा
मेरे गुनाहों को माफ कराने में खून भी उसका बहा- 2
कितना अनोखा है प्यार प्रभु का, मुझे बचा लिया।

Homily / Sermon 01

पवित्र गुरुवार

पवित्र सप्ताह के गुरुवार को 'मौंडी थर्सडे' कहा जाता है। 'मौंडी' शब्द का अर्थ 'आदेश' है और इस प्रकार यह हमें उस आज्ञा की याद दिलाता है जो येसु ने अपने शिष्यों को दी थी: "तुम एक दूसरे को प्यार करो। जिस प्रकार मैंने तुम लोगों को प्यार किया, उसी प्रकार तुम एक दूसरे को प्यार करो।" (योहन 13:34)। इसके अलावा, यह दिन पैर धोने, प्रेम, विनम्रता और सेवा के कार्य के लिए भी जाना जाता है। यह एक रात है जिसमें येसु ने पवित्र यूखरिस्त और पुरोहिताई के संस्कारों की स्थापना की। यह दुखभोग की रात भी है जिसमें येसु को विश्वासघात और इनकार आदि को सहना पड़ा। येसु का उपहास उड़ाया गया, और पिता की इच्छा का पालन करने के लिए थूकने और अपमान के सभी प्रकार के अमानवीय कृत्यों का अनुभव करना पड़ा।

निर्गमन ग्रन्थ से लिया गया आज का पहला पाठ प्रभु के पहले पास्का को प्रस्तुत करता है, जब ईश्वर ने इस्राएल के घरों को पार किया और मिस्र देश के हर पहलौठों को मारते हुए इस्राएलियों के सभी पहलौठों को बचा लिया। ईश्वर ने उत्पीड़ितों के लिए एक मौलिक विकल्प बनाया और आज भी सभी गरीबों और वंचितों का पक्ष लेना जारी रखता है। पास्का के मेम्ने के लहू को चौखट पर छिड़का जाना इस्राएलियों को बचाने में सहायक बना। तीर्थयात्रियों के रूप में उनके द्वारा खाए गए मांस ने उनके चालीस साल के रेगिस्तान में यात्रा के दौरान उनका भरण-पोषण किया। मेमने का मांस और खून दोनों ही तेरह सदियों के बाद येसु के जीवन में विधिवत रूप से पवित्र महत्व प्राप्त करेंगे। इसी कारण से प्रभु ने अपने लोगों को आज्ञा दी कि वे उसको सदा स्मरण रखें और सदा के लिये पर्व के रूप में मनाएं।

अंतर भजन पहले पाठ और दूसरे पाठ के बीच एक उपयुक्त पुल के रूप में कार्य करता है क्योंकि यह मसीह के रक्त के प्याले के आशीर्वाद की बात करता है। यह निश्चित रूप से पवित्र मकसद है। स्तोत्रकार आश्चर्य से कहता है कि कैसे पर्याप्त रूप से प्रभु को उसकी

सारी भलाई के लिए धन्यवाद दिया जाए। वह अपने ईश्वर से प्रतिज्ञा करता है कि वह धन्यवाद का बलिदान चढ़ाएगा, प्रभु से प्रार्थना करेगा और उन सभी मन्नतों को पूरा करेगा जो उसने अपने सभी लोगों के सामने प्रभु से की थीं।

कुरिन्थियों के नाम संत पौलुस के पहले पत्र से आज का दूसरा पाठ, पवित्र युख्रीस्त की स्थापना का वर्णन करता है। संत पौलुस का दावा है कि उन्होंने यह वर्णन सीधे स्वयं ईश्वर से प्राप्त किया। हमारे पास येसु की याद में इसे मनाने की आज्ञा है। इसलिए, यह दैवीय उत्पत्ति का है। हमें येसु की देह को तोड़ते और उसका लहू पीते रहना है। एक ख्रीस्तीय समुदाय में खाने-पीने का अर्थ है कि समारोह में भाग लेने वाले समुदाय के साथ 'एक' हो जाते हैं। इस कथा के पहले आने वाले अंश में, संत पौलुस रोटी तोड़ने वाले सभी लोगों से निर्मल बने रहने की मांग करता है। आज के सुसमाचार पाठ में येसु स्वयं इसी बात पर जोर देते हैं।

संत योहन के अनुसार सुसमाचार का पाठ पास्का के त्योहार के संदर्भ में स्थित है, इस प्रकार यह हमें पहले पास्का के बजाय पहले पाठ से जोड़ देता है। संत योहन कहते हैं कि येसु को इस दुनिया से विदा लेने और पिता के पास जाने के समय के बारे में पता था। वह पुष्टि करता है की दुनिया के अंत तक उन लोगों के लिए अपना प्यार को कायम रखता है। तब येसु, प्रभु और गुरु होकर भी अपने शिष्यों के पैर धोते है। वह इसे शिष्यों के लिए एक उदाहरण कहते हैं, लेकिन हमारे लिए यह एक अनुकरणीय कार्य होना चाहिए। इसके बाद अनिवार्यता आती है: "तुम्हें भी एक दूसरे के पांव धोने चाहिए" (वाक्य 14)। प्रभु येसु के इस महान कार्य को करने के लिए बढ़ाने के लिए हमें मेज से उठना होगा, बाहरी वस्त्र उतारना होगा और कमर के चारों ओर एक तौलिया बांधना होगा यानि नौकर के कपड़े पहनना ज़रूरी है। येसु ने अपने ही शिष्यों के पैर धोया और विश्वासियों को एक दूसरे के पैर धोना सिखाया। इस प्रकार विनम्रता और पूजा का पाठ पढ़ाया।

सुसमाचार का पाठ इस तथ्य की ओर भी संकेत करता है कि शैतान ने पहले ही विश्वासघाती यूदस इस्करियोती के दिमाग को बर्बाद करने के लिए अपना कार्य कर लिया है। दुनिया में बुराई हमेशा सक्रिय रहती है। यह दुनिया में भ्रम पैदा करता है। धन्य हैं वे जिनकी प्रभु रक्षा करते हैं। हममें से कुछ ऐसे होंगे जो संत पेतुस की तरह येसु के साथ सहयोग करने से इंकार करते है। बस हम भी आज के पूजन विधि का रहस्य समझे, एक दूसरे के पाँव धोये, और एक दूसरे को प्यार करें।

HOMILY / SERMON -2

अंतिम ब्यालू

आज की धर्मविधि हमें प्रभु येसु की अंतिम भोज (अंतिम ब्यालू) की याद दिलाता है। प्रभु-भोज का उत्सव हमारे मन में सेवा, पवित्र युख्रिस्त की स्थापना और पुरोहिताई की स्थापना का स्मरण कराता है। आज रात येसु भोजन के रूप में हमें अपने शरीर देना चाहते है और फिर हमारे पैर धोना चाहते हैं और इस तरह एक सबक के रूप में हमें शिक्षा देना चाहते हैं कि एक ईसाई के रूप में हमारा स्थान कहाँ है। "मैं तुम लोगों को एक नयी आज्ञा देता हूँ- तुम एक दूसरे को प्यार करो। जिस प्रकार मैंने तुम लोगों को प्यार किया, उसी प्रकार तुम एक दूसरे को प्यार करो।" (सन्त योहन 13:34)। येसु ने अपने चेलों से कहा, "ले लो और खाओ, यह मेरा शरीर है।" (मत्ती

26:26)। येसु अपने शिष्यों से कह रहे थे कि भोजन के रूप में अपने पूरे जीवन जीने के तरीके को अपने अंदर ले लें। उन्होंने एक नई शुरुआत का संकेत दिया। यह उनके जीवन की यात्रा के लिए भोजन था। समान रूप से येसु कह रहे हैं: यह मैं हूं, इस तरह से मैंने जीया है, मुझे अपने भीतर ले लो और अपने मन और दिल को मेरी जीवन शैली के अनुरूप बनाओ। येसु अपने संपूर्ण जीवन को संक्षेप में बता रहे है, जो दूसरों को "दिया" गया है, वह दूसरों की "सेवा में" जीया है। उन्होंने खुद को “रोटी की तरह” देखा, जिसमें लोग उन्हें खिलाते थे, उसकी बात सुनकर, उस पर ध्यान देकर उसका पोषण करते थे। रोटी एक प्रतीक थी जो कुछ अधिक समृद्ध, उसके संपूर्ण व्यक्तित्व, चरित्र और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को ले जाती थी। रोटी खाना येसु के जीवन और मन को खुले तौर पर स्वीकार करने का एक तरीका है। ईश्वर ने स्वयं को कम किया ... ताकि हम ज्यादा बन सकें।

अंतिम भोज के संदर्भ में, संत योहन ने येसु के एक कार्य को दर्शाया। यह क्रिया एक प्याला और तौलिया के साथ यूख्रिस्त के अर्थ को रेखांकित करती है। येसु दूसरों के सामने घुटनों के बल बैठते है, और वे एक सेवक की तरह काम कर रहे है। उन्होंने अपने शिष्यों के पैर धोकर सेवाभाव का महत्त्व समझाया। यहीं पर हम मसीह की सच्ची छवि देखते हैं। पैर धोने के दृश्य में, हम पेत्रुस की प्रतिक्रिया में एक दोहरा जोरदार नकारात्मक पहलु देखते हैं जो उनकी आपत्ति का संकेत देता है। पेत्रुस येसु को अपना पैर धोने से मना करता है। लेकिन येसु उससे कहते हैं- “यदि मैं तुम्हारे पैर नहीं धोऊँगा, तो तुम्हारा मेरे साथ कोई सम्बन्ध नहीं रह जायेगा।” (योहन 13:8)। यह येसु के लिए अंतरंगता और एकता की एक गहन भेंट बन जाती है। प्रेम और सेवा में येसु के जीवन को जारी रखना उसके साथ हमारी सहभागिता की मांग करता है। कथा का समापन अभिव्यक्ति के साथ होता है: पारस्परिक प्रेम शिष्यत्व है। यह प्यार है। येसु के कार्य प्रेममयी दया, कोमलता और करुणा की बात करते हैं। यह “मांस के दिल” वाले ईश्वर की बात करता है। यह प्यार है जो पैर धोता है; यह एक शरीर की बात करता है जो हमारे लिए दिया गया है। यह किसी ऐसे व्यक्ति की बात करता है जो सच्चा और विश्वासयोग्य है। येसु हमारे लिए ईश्वर के प्रेम की निरंतर निष्ठा को व्यक्त करते हैं, एक ऐसा प्रेम जिस पर हम निर्भर रह सकते हैं, और एक ऐसा प्रेम जिस पर भरोसा किया जा सकता है। येसु के प्रेम के इन भावों का अनुभव करने के बाद,, हमें उसके स्मरण में ऐसा करना चाहिए; हमें प्रेम की इस अभिव्यक्ति को दैनिक क्रिया में करना है। इसलिए, प्रेम की इस अभिव्यक्ति को जारी रखना हम में से प्रत्येक का कार्य है। येसु ने प्रेरितों से कहते हुए पुरोहिताई की स्थापना की: “मेरी स्मृति में ऐसा किया करो।” इस प्रतिज्ञा में, अकेले येसु हमेशा और हर जगह यूख्रिस्त का स्रोत है। बदले में प्रेरित विश्वास के इस महान रहस्य के सेवक बन जाते हैं, जिसे दुनिया के अंत तक सहना तय है। पुरोहिताई की स्थापना में येसु अपने दयालु और उपचारात्मक प्रेम के हर समय और स्थान के माध्यम से पवित्र गुणन को जारी रखना चाहते हैं। पुरोहिताई द्वारा एक शिक्षक, पिता और मार्गदर्शक के रूप में हमारे जीवन में बिना हम पर हावी हुए उपस्थित होने का ईश्वर का तरीका है। प्रत्येक युग में, येसु मनुष्यों में से कुछ को चुनते हैं, जिन्हें हम आज याजक कहते हैं। हम याजकों के जीवन और कार्यों के माध्यम से येसु के प्रेम के प्रत्यक्ष लक्षण देखते हैं। वे हमारे जन्म से मृत्यु तक हमारे साथ हैं, ईश्वर को हमारे करीब लाते हैं। यह निरंतरता में प्यार है। आइए प्रार्थना करें और हमारे पुरोहितों का समर्थन करें।

GOOD FRIDAY

पुण्य शुक्रवार

प्रभु येसु के दुःखभोग का स्मरण

(आज की पूजन-विधि समारोह के तीन भाग हैं: पहला भाग- शब्द-समारोह; दूसरा भाग- क्रूस की उपासना और तीसरा भाग- परमप्रसाद)।

प्रवेश गीत

जो क्रूस पे कुर्बान है, वो मेरा मसीहा है,
हर जख्म जो उसका है, वो मेरे गुनाहों का है।
इस दुनिया में ले आये, मेरे ही गुनाह उसको,
ये जुल्म सितम उस पर, मैने ही कराया है -2
इंसान है वो काबिल, और सच्चा खुदा वो है,
वो प्यार का दरिया है, सच्चाई का रास्ता है -2
देने को मुझे जीवन, खुद मौत सही उसने,
क्या खूब है कुरबानी, कया प्यार अनोखा है -2

संगृहीत प्रार्थना (निवेदन)

हे प्रभु, अपनी असीम दया का स्मरण करके अपने सेवक-सेविकाओं को सदा के लिए अपनी शरण में ले ले और उन सबको पवित्र कर, जिनके लिए तेरे पुत्र ने अपना रक्त बहाकर पास्का-संस्कार स्थापित किया है। वह युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

अथवा

हे ईश्वर, आदि-पाप के कारण सभी मनुष्य मृत्यु के वश में थे, परन्तु तूने अपने पुत्र के दुःखभोग द्वारा मृत्यु का विनाश कर हमारा उद्धार किया है। अब हमें ख्रीस्त के सदृश बना दे। मानव-जन्म लेने से हम पर लौकिक आदम की छाप पड़ी है, तेरी कृपा से पवित्र होकर हम दिव्य आदम अर्थात् ख्रीस्त के समरूप बन जाएँ। वह युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

पहला भाग: शब्द समारोह

पहला पाठ

(मनुष्य दुःख- तकलीफ का कारण नहीं समझता है। येसु हमें दुःख- सम्बन्धी दर्शन शास्त्र देने नहीं आये। वह हमें दुःख पर विजय प्राप्त करने की शक्ति प्रदान करने आये हैं। उनका उदाहरण देख कर हम समझ सकते हैं कि स्वर्ग के रास्ते में दुःख बाधक नहीं, बल्कि सहायक है।)

नबी इसायाह का ग्रन्थ 52:13- 53:12

"हमारे पापों के कारण वह छेदित किया गया।"

देखो! मेरा सेवक फलेगा-फूलेगा। वह महिमान्वित किया जायेगा और अत्यन्त महान् होगा। उसकी आकृति इतनी विरूपित की गयी थी कि वह मनुष्य नही जान पड़ता था; लोग देख कर दंग रह गये थे। उसकी ओर बहुत-से राष्ट्र आश्चर्यचकित हो कर देखेंगे और उसके सामने राजा मौन रहेंगे; क्योंकि उनके सामने एक अपूर्व दृश्य प्रकट होगा और जो बात कभी सुनने में नहीं आयी, वे उसे अपनी आँखों से देखेंगे। किसने हमारे सन्देश पर विश्वास किया? प्रभु का सामर्थ्य किस पर प्रकट हुआ है? वह हमारे सामने एक छोटे-से पौधे की तरह, सूखी भूमि की जड़ की तरह बढ़ा। हमने उसे देखा था; उसमें न तो सुन्दरता थी, न तेज और न कोई आकर्षण ही। वह मनुष्यों द्वारा निन्दित और तिरस्कृत था, शोक का मारा और अत्यन्त दुःखी था। लोग जिन्हें देख कर मुँह फेर लेते हैं, उनकी तरह ही वह तिरस्कृत और तुच्छ समझा जाता था। परन्तु वह हमारे ही रोगों को अपने ऊपर लेता था और हमारे ही दुःखों से लदा हुआ था और हम उसे दण्डित, ईश्वर का मारा हुआ और तिरस्कृत समझते थे। हमारे पापों के कारण वह छेदित किया गया है। हमारे कूकर्मों के कारण वह कुचल दिया गया है। जो दण्ड वह भोगता था, उसके द्वारा हमें शान्ति मिली है और उसके घावों द्वारा हम भले-चंगे हो गये हैं। हम सब अपना-अपना रास्ता पकड़ कर भेड़ों की तरह भटक रहे थे। उसी पर प्रभु ने हम सब के पापों का भार डाला है। वह अपने पर किया हुआ अत्याचार धैर्य से सहता गया और चुप रहा। वध के लिए ले जाये जाने वाले मेमने की तरह और ऊन कतरने वाले के सामने चुप रहने वाली भेड़ की तरह उसने अपना मुँह नहीं खोला। वे उसे बन्दीगृह और अदालत ले गये; कोई उसकी परवाह नहीं करता था। वह जीवितों के बीच में से उठा लिया गया है और वह अपने लोगों के पापों के कारण मारा गया है। यद्यपि उसने कोई अन्याय नहीं किया था और उसके मुँह से कभी छल-कपट की बात नहीं निकली थी, फिर भी उसकी कब्र विधर्मियों के बीच बनायी गयी और वह धनियों के साथ दफ़नाया गया है। प्रभु ने चाहा कि वह दुःख से रौंदा जाये। उसने प्रायश्चित के रूप में अपना जीवन अर्पित किया; इसलिए उसका वंश बहुत दिनों तक बना रहेगा और उसके द्वारा प्रभु की इच्छा पूरी होगी। उसे दुःखभोग के कारण ज्योति और पूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा। उसने दुःख सह कर जिन लोगों का अधर्म अपने ऊपर लिया था, वह उन्हें उनके पापों से मुक्त करेगा। इसलिए मैं उसका भाग महान् लोगों के बीच बाँटूँगा और वह शक्तिशाली राजाओं के साथ लूट का माल बाँटेगा; क्योंकि उसने बहुतों के अपराध अपने ऊपर लेते हुए और पापियों के लिए प्रार्थना करते हुए अपने को बलि चढ़ा दिया और उसकी गिनती कुकर्मियों में हुई।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन (स्तोत्र 30: 2, 6, 12-13. 15-17, 25)

अनुवाक्य:- हे पिता! मैं अपनी आत्मा को तेरे हाथों सौंप देता हूँ।

1. हे प्रभु! मैं तेरी शरण में आया हूँ। मुझे कभी निराश न होने दे। तू सत्यप्रतिज्ञ है, मेरा उद्धार कर। मैं अपनी आत्मा को तेरे हाथों सौंप देता हूँ। हे प्रभु! तू ही मेरा उद्धार करेगा।

2. मेरे विरोधी मेरा उपहास करते हैं; मेरे पड़ोसी मुझसे घृणा करते हैं; मेरे परिचित मुझसे डर जाते हैं। जो मुझे रास्ते में देखते हैं, वे भाग जाते हैं। मैं मुर्दे की तरह भुला दिया गया हूँ। टूटे घड़े की तरह फेंक दिया गया हूँ।

3. हे प्रभु! तुझ पर ही मेरा भरोसा है। मैंने कहा- तू ही मेरा ईश्वर है। तेरे ही हाथों मेरा भाग्य है। शत्रुओं और अत्याचारियों से मुझे बचा।

4. अपने सेवक पर दयादृष्टि कर। तू दयासागर है, मुझे बचाने की कृपा कर। जो प्रभु पर भरोसा रखते हैं, वे सब के सब साहसपूर्वक ढारस रखें।

अंतर भजन

येसु ने कलवारी दुःख क्यों सह लिया, मुझ पापी में क्या देखा था।
कोई खूबी नहीं, कोई खूबी नहीं, मुझमें कोई भी खूबी नहीं।
प्रेमियों ने तो छोड़ दिया था, कोई न मेरा था तेरे ही सिवा।
पाप में भर के जी उदास हुआ, जीना ही मेरा था मौत की तरह।
पाँव से न मैं तेरी राह चला, हाथ से न मैने तेरी सेवा की।

दूसरा पाठ

(येसु ने हमें इतना प्यार किया कि वह हमारे लिए मनुष्य बन गये और क्रूस पर मर गये। हम उनके प्रेम पर दृढ़तापूर्वक विश्वास करें। हम उनकी सहायता से अपना दुःख धीरज के साथ सह सकेंगे।)

इब्रानियों के नाम संत पौलुस का पत्र 4:14-16; 5: 7-9

"उन्होंने आज्ञापालन सीख लिया और वह सबों के लिए मुक्ति का स्रोत बन गये, जो उनकी आज्ञाओं का पालन करते हैं।"

भाइयों! हमारे अपने एक महान् प्रधानयाजक हैं, अर्थात् ईश्वर के पुत्र येसु, जो आकाश पार कर चुके हैं। इसलिए हम अपने विश्वास में सुदृढ़ रहें। हमारे प्रधानयाजक हमारी दुर्बलताओं में हम से सहानुभूति रख सकते हैं, क्योंकि पाप के अतिरिक्त अन्य सभी बातों में उनकी परीक्षा हमारी ही तरह ली गयी है। इसलिए हम भरोसे के साथ अनुग्रह के सिहासन के पास जायें, जिससे हमें दया मिले और हम वह कृपा प्राप्त करें, जो हमारी आवश्यकताओं में हमारी सहायता करेगी। मसीह ने इस पृथ्वी पर रहते समय पुकार-पुकार कर और आँसू बहा कर ईश्वर से, जो उन्हें मृत्यु से बचा सकता था, प्रार्थना और अनुनय-विनय की। श्रद्धालुता के कारण उनकी प्रार्थना सुनी गयी। ईश्वर का पुत्र होने पर भी उन्होंने दुःख सह कर आज्ञापालन सीखा। वह पूर्ण रूप से सिद्ध बन कर और ईश्वर से मेलखिसेदेक की तरह प्रधानयाजक की उपाधि प्राप्त कर उन सबों के लिए मुक्ति के स्रोत बन गये, जो उनकी आज्ञाओं का पालन करते हैं।

यह प्रभु की वाणी है।

जयघोष (फिलि० 2, 8-9)

मसीह हमारे लिए मरण तक, हाँ क्रूस के मरण तक, आज्ञाकारी बन गये, इसलिए ईश्वर ने उन्हें महान् बना दिया है और उन को वह नाम प्रदान किया है जो सब नामों में श्रेष्ठ है।

PASSION NARRATIVE

सुसमाचार

सन्त योहन के अनुसार प्रभु का दुःखभोग 18: 01- 19:42

येसु अपने शिष्यों के साथ केद्रोन नाले के उस पार गये। वहाँ एक बारी थी। उन्होंने अपने शिष्यों के साथ उस में प्रवेश किया। उनके विश्वासघाती यूदस को भी वह जगह मालूम थी, क्योंकि येसु अक्सर अपने शिष्यों के साथ वहाँ गये थे। इसलिये यूदस पलटन और महायाजकों तथा फ़रीसियों के भेजे हुये प्यादों के साथ वहाँ आ पहुँचा। वे लोग लालटेनें मशालें और हथियार लिये थे। येसु, यह जान कर कि मुझ पर क्या-क्या बीतेगी आगे बढे और उन से बोले, "किसे ढूढतें हो?" उन्होंने उत्तर दिया, "येसु नाज़री को।" येसु ने उन से कहा, "मैं वही हूँ"। वहाँ उनका विश्वासघाती यूदस भी उन लोगों के साथ खडा था। जब येसु ने उन से कहा, 'मैं वही हूँ' तो वे पीछे हटकर भूमि पर गिर पडे। येसु ने उन से फ़िर पूछा, "किसे ढूढते हो?" वे बोले, "येसु नाजरी को"। इस पर येसु ने कहा, "मैं तुम लोगों से कह चुका हूँ कि मैं वही हूँ। यदि तुम मुझे ढूँढ़ते हो तो इन्हें जाने दो।" यह इसलिये हुआ कि उनका यह कथन पूरा हो जाये- तूने मुझ को जिन्हें सौंपा, मैंने उन में से एक का भी सर्वनाश नहीं होने दिया। उस समय सिमोन पेत्रुस ने अपनी तलवार खींच ली और प्रधानयाजक के नौकर पर चलाकर उसका दाहिना कान उडा दिया। उस नौकर का नाम मलखुस था। येसु ने पेत्रुस से कहा, "तलवार म्यान में कर लो। जो प्याला पिता ने मुझे दिया है क्या मैं उसे नहीं पिऊँ?" तब पलटन, कप्तान और यहूदियों के प्यादों ने येसु को पकड कर बाँध लिया। वे उन्हें पहले अन्नस के यहाँ ले गये; क्योंकि वह उस वर्ष के प्रधानयाजक कैफस का ससुर था। यह वही कैफस था जिसने यहूदियों को यह परामर्श दिया था- अच्छा यही है कि राष्ट्र के लिये एक ही मनुष्य मरे। सिमोन पेत्रुस और एक दूसरा शिष्य येसु के पीछे-पीछे चले। यह शिष्य प्रधानयाजक का परिचित था और येसु के साथ प्रधानयाजक के प्रांगण में गया, किन्तु पेत्रुस फाटक के पास बाहर खडा रहा। इसलिये वह दूसरा शिष्य जो प्रधानयाजक का परिचित था, फ़िर बाहर गया और द्वारपाली से कहकर पेत्रुस को भीतर ले आया। द्वारपाली ने पेत्रुस से कहा, "कहीं तुम भी तो उस मनुष्य के शिष्य नहीं हो?" उसने उत्तर दिया, "नहीं हूँ"। जाड़े के कारण नौकर और प्यादे आग सुलगा कर ताप रहे थे। पेत्रुस भी उनके साथ आग तापता रहा। प्रधानयाजक ने येसु से उनके शिष्यों और उनकी शिक्षा के विषय में पूछा। येसु ने उत्तर दिया, "मैं संसार के सामने प्रकट रूप से बोला हूँ। मैंने सदा सभागृह और मन्दिर में जहाँ सब यहूदी एकत्र हुआ करते हैं, शिक्षा दी है। मैंने गुप्त रूप से कुछ नहीं कहा। यह आप मुझ से क्यों पूछते हैं? उन से पूछिये जिन्होंने मेरी शिक्षा सुनी है। वे जानते हैं कि मैंने क्या-क्या कहा।" इस पर पास खडे प्यादों में से एक ने येसु को थप्पड मार कर कहा, "तुम प्रधानयाजक को इस तरह जवाब देते हो?" येसु ने उस से कहा, "यदि मैंने गलत कहा, तो गलती बता दो और यदि ठीक कहा तो, मुझे क्यों मारते हो?" इसके बाद अन्नस ने बाँधें हुये येसु को

प्रधानयाजक कैफस के पास भेजा। सिमोन पेत्रुस उस समय आग ताप रहा था। कुछ लोगों ने उस से कहा, "कहीं तुम भी तो उसके शिष्य नहीं हो?" उसने अस्वीकार करते हुये कहा, "नहीं हूँ"। प्रधानयाजक का एक नौकर उस व्यक्ति का सम्बन्धी था जिसका कान पेत्रुस ने उडा दिया था। उसने कहा, "क्या मैंने तुम को उसके साथ बारी में नहीं देखा था?" पेत्रुस ने फिर अस्वीकार किया और उसी क्षण मुर्गे ने बाँग दी।

तब वे येसु को कैफस के यहाँ से राज्य पाल के भवन ले गये। अब भोर हो गया था। वे भवन के अन्दर इसलिये नहीं गये कि अशुद्ध न हो जायें, बल्कि पास्का का मेमना खा सकें। पिलातुस बाहर आकर उन से मिला और बोला, "आप लोग इस मनुष्य पर कौन सा अभियोग लगाते हैं?" उन्होने उत्तर दिया, "यदि यह कुकर्मी नहीं होता, तो हमने इसे आपके हवाले नहीं किया होता।" पिलातुस ने उन से कहा, "आप लोग इसे ले जाइए और अपनी संहिता के अनुसार इसका न्याय कीजिये।" यहूदियों ने उत्तर दिया, "हमें किसी को प्राणदंण्ड देने का अधिकार नहीं है।" यह इसलिये हुआ कि येसु का वह कथन पूरा हो जाये, जिसके द्वारा उन्होने संकेत किया था कि उनकी मृत्यु किस प्रकार की होगी। तब पिलातुस ने फिर भवन में जा कर येसु को बुला भेजा और उन से कहा, "क्या तुम यहूदियों के राजा हो?" येसु ने उत्तर दिया, "क्या आप यह अपनी ओर से कहते हैं या दूसरों ने आप से मेरे विषय में यह कहा है?" पिलातुस ने कहा, "क्या मैं यहूदी हूँ? तुम्हारे ही लोगों और महायाजकों ने तुम्हें मेरे हवाले किया। तुमने क्या किया है।" येसु ने उत्तर दिया, "मेरा राज्य इस संसार का नहीं है। यदि मेरा राज्य इस संसार का होता तो मेरे अनुयायी लडते और मैं यहूदियों के हवाले नहीं किया जाता। परन्तु मेरा राज्य यहाँ का नहीं है।" इस पर पिलातुस ने उन से कहा, "तो तुम राजा हो?" येसु ने उत्तर दिया, "आप ठीक ही कहते हैं। मैं राजा हूँ। मैं इसलिये जन्मा और इसलिये संसार में आया हूँ कि सत्य के विषय में साक्ष्य पेश कर सकूँ। जो सत्य के पक्ष में है, वह मेरी सुनता है।" पिलातुस ने उन से कहा, "सत्य क्या है?" वह यह कहकर फिर बाहर गया और यहूदियों के पास आ कर बोला, "मैं तो उस में कोई दोष नहीं पाता हूँ, लेकिन तुम्हारे लिये पास्का के अवसर पर एक बन्दी को रिहा करने का रिवाज है। क्या तुम लोग चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये यहूदियों के राजा को रिहा कर दूँ?" इस पर वे चिल्ला उठे, "इसे नहीं, बराब्बस को"। बराब्बस डाकू था।

तब पिलातुस ने येसु को ले जा कर कोडे लगाने का आदेश दिया। सैनिकों ने काँटों का मुकुट गूँथ कर उनके सिर पर रख दिया और उन्हें बैंगनी कपडा पहनाया। फिर वे उनके पास आ-आ कर कहते थे, "यहूदियों के राजा प्रणाम!" और वे उन्हें थप्पड मारते जाते थे। पिलातुस ने फिर बाहर जा कर लोगों से कहा, "देखो मैं उसे तुम लोगों के सामने बाहर ले आता हूँ, जिससे तुम यह जान लो कि मैं उस में कोई दोष नहीं पाता।" तब येसु काँटों का मुकुट और बैगनी कपडा पहने बाहर आये। पिलातुस ने लोगों से कहा, "यही है वह मनुष्य!" महायाजक और प्यादे उन्हें देखते ही चिल्ला उठे, "इसे क्रूस दीजिये! इसे क्रूस दीजिये!" पिलातुस ने उन से कहा, "इसे तुम्हीं ले जाओ और क्रूस पर चढाओ। मैं तो इस में कोई दोष नहीं पाता।" यहूदियों ने उत्तर दिया, "हमारी एक संहिता है और उस संहिता के अनुसार यह प्राणदंण्ड के योग्य है, क्योंकि इसने ईश्वर का पुत्र होने का दावा किया है।" पिलातुस यह सुनकर और भी डर गया। उसने फिर भवन के अन्दर जा कर येसु से पूछा, "तुम कहाँ के हो?" किन्तु येसु ने उसे उत्तर नहीं दिया। इस पर पिलातुस ने उन से कहा, "तुम मुझ से क्यों नहीं बोलते? क्या तुम यह नहीं जानते कि मुझे तुम को रिहा करने का भी अधिकार है और तुम को क्रूस पर चढ़वाने का भी?" येसु ने उत्तर दिया, "यदि आप को ऊपर से अधिकार न दिया गया होता तो आपका मुझ पर कोई अधिकार नहीं होता। इसलिये जिसने मुझे आपके हवाले किया, वह अधिक दोषी है।" इसके बाद पिलातुस येसु को मुक्त करने का उपाय ढूँढ़ता रहा, परन्तु यहूदी यह कहते हुये चिल्लाते रहे, "यदि आप इसे रिहा करते हैं, तो आप कैसर के हितेषी नहीं हैं। जो अपने को राजा कहता है वह कैसर का विरोध करता है।" यह सुनकर पिलातुस ने येसु को बाहर ले आने का आदेश दिया। वह अपने न्यायासन पर उस जगह, जो लिथोस-स्त्रोतोस, और इब्रानी में गबूबथा, कहलाती है, बैठ गया। पास्का की तैयारी का दिन था। लगभग दोपहर का समय था। पिलातुस ने यहूदियों से कहा, "यही ही

तुम्हारा राजा!" इस पर वे चिल्ला उठे, "ले जाइये! ले जाइए! इसे क्रूस दीजिये!" पिलातुस ने उन से कहा क्या, "मैं तुम्हारे राजा को क्रूस पर चढवा दूँ?" महायाजकों ने उत्तर दिया, "कैसर के सिवा हमारा कोई राजा नहीं।" तब पिलातुस ने येसु को क्रूस पर चढाने के लिये उनके हवाले कर दिया। वे येसु को ले गये और वह अपना क्रूस ढोते हुये खोपडी की जगह नामक स्थान गये। इब्रानी में उसका नाम गोलगोथा है। वहाँ उन्होंने येसु को और उनके साथ और दो व्यक्तियों को क्रूस पर चढाया- एक को इस ओर, दूसरे को उस ओर और बीच में येसु को। पिलातुस ने एक दोषपत्र भी लिखवा कर क्रूस पर लगवा दिया। वह इस प्रकार था- "येसु नाज़री यहूदियों का राजा।" बहुत-से यहूदियों ने यह दोषपत्र पढा क्योंकि वह स्थान जहाँ येसु कूस पर चढाये गय थे, शहर के पास ही था और दोष पत्र इब्रानी, लातीनी और यूनानी भाषा में लिखा हुआ था। इसलिये यहूदियों के महायाजकों ने पिलातुस से कहा, "आप यह नहीं लिखिये- यहूदियों का राजा; बल्कि- इसने कहा कि मैं यहूदियों का राजा हूँ"। पिलातुस ने उत्तर दिया, "मैंने जो लिख दिया, सो लिख दिया।" येसु को क्रूस पर चढाने के बाद सैनिकों ने उनके कपडे ले लिये और कुरते के सिवा उन कपडों के चार भाग कर दिये- हर सैनिक के लिये एक-एक भाग। उस कुरते में सीवन नहीं था, वह ऊपर से नीचे तक पूरा-का-पूरा बुना हुआ था। उन्होंने आपस में कहा, "हम इसे नहीं फाडें। चिट्ठी डालकर देख लें कि यह किसे मिलता है।" यह इसलिये हुआ कि धर्मग्रंथ का यह कथन पूरा हो जाये- उन्होंने मेरे कपडे आपस में बाँट लिये और मेरे वस्त्र पर चिट्ठी डाली। सैनिकों ने ऐसा ही किया। येसु की माता, उसकी बहिन, क्लोपस की पत्नि मरियम और मरियम मगदलेना उनके क्रूस के पास खडी थीं। येसु ने अपनी माता को और उनके पास अपने उस शिष्य को, जिसे वह प्यार करते थे देखा। उन्होंने अपनी माता से कहा, "भद्रे! यह आपका पुत्र है"। इसके बाद उन्होंने उस शिष्य से कहा, "यह तुम्हारी माता है"। उस समय से उस शिष्य ने उसे अपने यहाँ आश्रय दिया। तब येसु ने यह जान कर कि अब सब कुछ पूरा हो चुका है, धर्मग्रन्थ का लेख पूरा करने के उद्देश्य से कहा, "मैं प्यासा हूँ"। वहाँ खट्ठी अंगूरी से भरा एक पात्र रखा हुआ था। लोगों ने उस में एक पनसोख्ता डुबाया और उसे जूफ़े की डण्डी पर रख कर येसु के मुख से लगा दिया। येसु ने खट्ठी अंगूरी चखकर कहा, "सब पूरा हो चुका है"। और सिर झुकाकर प्राण त्याग दिये।

वह तैयारी का दिन था। यहूदी यह नहीं चाहते थे कि शव विश्राम के दिन क्रूस पर रह जाये क्योंकि उस विश्राम के दिन बड़ा त्यौहार पडता था। उन्होंने पिलातुस से निवेदन किया कि उनकी टाँगें तोड दी जाये और शव हटा दिये जायें। इसलिये सैनिकों ने आकर येसु के साथ क्रूस पर चढाये हुये पहले व्यक्ति की टाँगें तोड दी, फिर दूसरे की। जब उन्होंने येसु के पास आकर देखा कि वह मर चुके हैं तो उन्होंने उनकी टाँगें नहीं तोडी; लेकिन एक सैनिक ने उनकी बगल में भाला मारा और उस में से तुरन्त रक्त और जल बह निकला। जिसने यह देखा है, वही इसका साक्ष्य देता है, और उसका साक्ष्य सच्चा है। वह जानता है कि वह सच बोलता है, जिससे आप लोग भी विश्वास करें। यह इसलिये हुआ कि धर्मग्रंथ का यह कथन पूरा हो जाये- उसकी एक भी हड्डी नहीं तोडी जायेगी; फिर धर्मग्रन्थ का एक दूसरा कथन इस प्रकार है- उन्होंने जिसे छेदा, वे उसी की ओर देखेगें। इसके बाद अरिमथिया के यूसुफ़ ने जो यहूदियों के भय के कारण येसु का गुप्त शिष्य था, पिलातुस से येसु का शब ले जाने की अनुमति माँगी। पिलातुस ने अनुमति दे दी। इसलिये यूसुफ़ आ कर येसु का शव ले गया। निकोदेमुस भी पहुँचा, जो पहले रात को येसु से मिलने आया था। वह लगभग पचास सेर का गंधरस और अगरू का सम्मिश्रण लाया। उन्होंने येसु का शव लिया और यहूदियों की दफन की प्रथा के अनुसार उसे सुगंधित द्रव्यों के साथ छालटी की पट्टियों में लपेटा। जहाँ येसु क्रूस पर चढाये गये थे, वहाँ एक बारी थी और उस बारी में एक नयी कब्र, जिस में अब तक कोई नहीं रखा गया था। उन्होंने येसु को वहीं रख दिया, क्योंकि वह यहूदियों के लिये तेयारी का दिन था और वह कब्र निकट ही थी।

यह प्रभु का सुसमाचार है।

सार्वभौमिक प्रार्थना

1. पवित्र कलीसिया के लिए

प्रिय भाई-बहनो, हम ईश्वर की पवित्र कलीसिया के लिए प्रार्थना करें: प्रभु ईश्वर सारे संसार में उसे शांति तथा एकता प्रदान करे और सुरक्षित रखे, ताकि हम सभी सुख-शांति में जीवन बिताते हुए सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर की महिमा कर सकें।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तूने खीस्त के द्वारा सब राष्ट्रों पर अपनी महिमा प्रकट की है। अपनी दया के कार्यों पर ध्यान दे, ताकि सारी पृथ्वी पर फैली तेरी कलीसिया दृढ़ विश्वास के साथ तेरे नाम की घोषणा में डटी रहे। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

2. संत पिता के लिए

हम अपने संत पिता (नाम) के लिए भी प्रार्थना करें: जिस प्रभु ईश्वर ने उन्हें धर्माध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया है, वही उनको कलीसिया के कल्याण के लिए स्वस्थ और सुरक्षित रखे, ताकि वे ईश्वर की पवित्र प्रजा का संचालन कर सकें।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तेरी ही इच्छा पर सब कुछ निर्भर है। हमारी प्रार्थना सुन और दयापूर्वक हमारे संत पिता की रक्षा कर। तेरे द्वारा शासित ख्रीस्तीय प्रजा इन्हीं के अधीन रहकर विश्वास तथा पुण्य में बढ़ती जाये। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

3. याजक- वर्ग तथा अन्य विश्वासियों के लिए

हम अपने धर्माध्यक्ष (नाम), * सभी धर्माध्यक्षों, पुरोहितों, कलीसिया के उपयाजकों तथा सभी विश्वासियों के लिए भी प्रार्थना करें।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तू अपने आत्मा द्वारा समस्त कलीसिया को पवित्र करता और उसका संचालन करता है। हमारी दीन प्रार्थनाएँ सुन और सभी परिचरों पर अपनी कृपा बरसा, ताकि सब लोग निष्ठापूर्वक तेरी सेवा कर सकें। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

4. दीक्षार्थियों के लिए

हम (अपने इन) दीक्षार्थियों के लिए भी प्रार्थना करें: प्रभु ईश्वर की असीम दया से वे भी उसका वचन हृदय से स्वीकार करें और बपतिस्मा-जल द्वारा सारे पापों की क्षमा पाकर हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त के अंग बन जाएँ।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा जीवंत ईश्वर, तू सदा अपनी कलीसिया की वृद्धि करता रहता है। हमारे (इन) दीक्षार्थियों का विश्वास और धर्मज्ञान बढ़ा दे, ताकि वे बपतिस्मा द्वारा नवजन्म पाकर तेरे पुत्र-पुत्रियों में सम्मिलित हो सकें। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

5. ख्रीस्तीय एकता के लिए

हम खीस्त में विश्वास करने वाले सभी भाई-बहनों के लिए प्रार्थना करें: वे सत्य के मार्ग पर बढ़ते जाएँ और प्रभु ईश्वर उन्हें अपनी कलीसिया में एकत्र कर सुरक्षित रखे।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तू बिखरे हुए लोगों को एकत्र करता और संजोए रखता है। अपने पुत्र के रेवड़ पर कृपादृष्टि डाल। जो लोग बपतिस्मा द्वारा पवित्र किये गये हैं, वे अटूट विश्वास और प्रेम के बंधन में एक बने रहें। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

6. यहूदी जाति के लिए

हम यहूदियों के लिए प्रार्थना करें: हमारे प्रभु ईश्वर का वचन सर्वप्रथम उन्हीं को प्राप्त हुआ था। उसकी कृपा से वे ईश्वर को अधिकाधिक प्यार करें और उसके व्यवस्थान के प्रति विश्वस्त बनते जाएँ।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तूने इब्राहीम और उनकी संतति से प्रतिज्ञाएँ की थी। अपनी कलीसिया की प्रार्थनाएँ कृपापूर्वक सुन, ताकि जिस प्रजा को तूने सबसे पहले अपना बनाया था, वह पूर्ण मुक्ति प्राप्त कर सके। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

7 .उनके लिए जो ख्रीस्त में विश्वास नहीं करते है

हम उन लोगों के लिए भी प्रार्थना करें, जो खीस्त में विश्वास नहीं करते: वे भी पवित्र आत्मा के द्वारा आलोकित होकर मुक्ति के मार्ग में प्रवेश कर सकें।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, जिन लोगों ने अब तक खीस्त को स्वीकार नहीं किया है, वे तेरी दृष्टि में निष्कपट आचरण करके सत्य को पहचान सकें। उनका पारस्परिक प्रेम बढ़ता जाये, ताकि वे तेरा दिव्य जीवन जीने का प्रयत्न करते रहें और संसार में तेरे प्रेम के सुयोग्य साक्षी बन जाएँ। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

8. उनके लिए जो ईश्वर में विश्वास नहीं करते हैं

हम उन लोगों के लिए भी प्रार्थना करें, जो ईश्वर को नहीं मानते। वे सच्चे हृदय से भला आचरण करके ईश्वर को जान सकें।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा जीवंत ईश्वर, तूने मनुष्यों को इसलिए बनाया है कि वे सदा तेरे लिए लालायित रहें और तुझे पाकर ही विश्राम लें। ऐसी कृपा कर कि हानिकर विघ्न-बाधाओं के बीच भी सब लोग तेरे पितृ-सुलभ प्रेम को पहचानें और विश्वासियों के पुण्यकर्मों को देखकर तुझे एकमात्र सच्चा ईश्वर और मानवजाति का पिता स्वीकार करें। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

9. राज्य- शासकों के लिए

हम राज्य के शासकों के लिए भी प्रार्थना करें: हमारा प्रभु ईश्वर अपनी इच्छा के अनुसार उनका मन और हृदय संचालित करे, जिससे वे सच्ची शांति और स्वतंत्रता के लिए कार्य कर सकें।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा- जीवंत ईश्वर, मनुष्यों के विचार और राष्ट्रों के अधिकार तेरे ही हाथों में हैं। हमारे अधिकारियों पर दयादृष्टि डाल। तेरी सहायता से पृथ्वी के कोने-कोने में शांति सुरक्षित रहे, राष्ट्र समृद्ध होते जाएँ और धार्मिक स्वतंत्रता बनी रहे। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

10. विपत्ति से लाचार लोगों के लिए

प्रिय भाइयो और बहनो, हम सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर से प्रार्थना करें कि वह संसार को सब भ्रांतियों से मुक्त करे, रोगों को चंगा करे, अकाल दूर रखे, बन्दीगृह खोल दे, बेड़ियाँ तोड़ डाले, राहगीरों को सुरक्षा दे, तीर्थयात्रियों को सकुशल वापस लाये, बीमारों को स्वास्थ्य और मृत्यु शैय्या पर पड़े लोगों को मुक्ति प्रदान करे।

मौन प्रार्थना। तब पुरोहित बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा जीवंत ईश्वर, तू दुःखियों को दिलासा और श्रमिकों को सामर्थ्य देता है विपत्ति में पड़े लोगों की दुहाई तेरे पास पहुँचे, ताकि वे दुर्दिन में तेरी दया का सहारा पाकर आनंदित हो जाएँ। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

दूसरा भाग: पवित्र क्रूस की उपासना

पवित्र क्रूस का प्रदर्शन

पु०: क्रूस के काठ को देखिए, जिस पर संसार के मुक्तिदाता टँगे थे।

सब: आइये हम इसकी आराधना करें।

क्रूस के उपासना के समय विभिन्न गीत

अग्रस्तव

हे प्रभु, हम तेरे क्रूस की उपासना करते
और तेरे पवित्र पुनरुत्थान की स्तुति और महिमा गाते हैं,
क्योंकि इस क्रूस से समस्त संसार को आनंद मिला है।

ईश्वर हम पर दया करे और हमें आशीर्वाद दे;
उसकी कृपादृष्टि हम पर पड़े, वह हमें दया दिखाये।

दोहराएँ:
हे प्रभु, हम तेरे क्रूस की उपासना करते
और तेरे पवित्र पुनरुत्थान की स्तुति और महिमा गाते हैं,
क्योंकि इस क्रूस से सारे संसार को आनंद मिला है।

उपालंभ

1-2 हे मेरी प्रजा, मैंने तेरा क्या बिगाड़ा? किस बात में तुझे दुःख पहुँचाया? मुझे बता।

1 मैं तुझे मिस्र देश से छुड़ा लाया, क्या इसलिए तूने अपने मुक्तिदाता के लिए क्रूस तैयार किया है?

2 हे मेरी प्रजा .... मुझे बता!

1-2 हे परम पावन ईश्वर! (2)

हे शक्तिशाली ईश्वर! (2)

हे अजर- अमर ईश्वर! हम पर दया कर! (2)

1 मैं चालीस वर्षों में तुझे मरुभूमि के पार लाया, राह में तुझे मन्ना खिलाया, और उपजाऊ भूमि में तुझे बसाया; क्या इसीलिए तूने अपने मुक्तिदाता के लिए क्रूस तैयार किया है?

1-2 हे परम पावन...

1-2 क्या करना था जो मैंने तेरे लिए नहीं किया? मैंने तुझे सुन्दर दाखबारी का रूप दिया, पर तूने मुझे अति कड़वा फल खिलाया; जब मैं प्यासा था तूने मुझे सिरका पिलाया, और अपने मुक्तिदाता की बगल को भाले से छेद दिया।

1-2 हे परम पावन ...

तीसरा भाग: कम्यूनियन- विधि

पु०: मुक्तिदाता के आदेश पर और दिव्य शिक्षा से सुदृढ़ होकर, हम साहस के साथ प्रेमपूर्वक कहते हैं:

सब: हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में है, तेरा नाम पवित्र माना जाये, तेरा राज्य आये, तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में, वैसे पृथ्वी पर भी पूरी हो। हमारा प्रतिदिन का आहार आज हमें दे और हमारे अपराध हमें क्षमा कर जैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं और हमें परीक्षा में न डाल, परन्तु बुराई से बचा।

पु०: हे प्रभु, हम तुझसे प्रार्थना करते हैं, सभी बुराइयों से हमें बचा और इस जीवन में हमें कृपापूर्वक शांति प्रदान कर। हम तेरी दया से सदा पाप से दूर और हर विपत्ति से सुरक्षित रहें और उस दिन की प्रतीक्षा करते रहें, जब हमारे मुक्तिदाता येसु ख्रीस्त फिर आकर हमारी धन्य आशा पूरी करेंगे।

सब: क्योंकि तेरा राज्य, तेरा सामर्थ्य और तेरी महिमा अनंत काल तक बनी रहती है।

पु० हे प्रभु येसु खीस्त, मैं तेरा शरीर और रक्त ग्रहण करने वाला हूँ, यह मेरे लिए विचार और दण्ड का कारण न बने, बल्कि तेरी दया से मेरा तन-मन सुरक्षित और स्वस्थ रहे।

पु० देखिए, ईश्वर का मेमना! इन्हें देखिए, जो संसार के पाप हर लेते हैं। धन्य हैं वे, जो मेमने के भोज में बुलाये गये हैं।

सब: हे प्रभु! मैं इस योग्य नहीं हूँ कि तू मेरे यहाँ आये, किन्तु एक ही शब्द कह दे और मेरी आत्मा चंगी हो जाएगी।

हम प्रार्थना करें: हे सर्वशक्तिमान् सदा- जीवंत ईश्वर, तूने अपने खीस्त की धन्य मृत्यु और पुनरुत्थान द्वारा हमें नवजीवन प्रदान किया है। इस दयापूर्ण कार्य का फल हममें सुरक्षित रहे। इस संस्कार में सहभागी होकर हम आजीवन तेरी सेवा में तत्पर रहें। उन्हीं हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। आमेन!

प्रसाद- भजन

हे क्रूसधारी भगवान, आये शरण तिहारी
भव सिन्धु में है नैया, रक्षा करो हमारी।
हम दीन-हीन होकर, आफत में फँस रहे हैं,
प्रभु येसु खीस्त आकर, रख लाज अब हमारी।
तू क्रूस पर टंगा था, निज भक्त के लिये ही,
जल्दी से आओ भगवान, अब है हमारी बारी।
कर जोड़कर विनय है, तेरे चरण में स्वामी,
अब देर तो करो मत, झट लो हमें उबारी॥

विश्वासियों पर आशिष और प्रार्थना

हे प्रभु, पुनरुत्थान की आशा में तेरी प्रजा ने तेरे पुत्र की मृत्यु की स्मृति मनाई है। इस प्रजा पर तेरी प्रचुर आशीष बरसे, इसके पाप धुल जाएँ और इसे सांत्वना मिले, इसका विश्वास बढ़ता जाये और इसकी अनंत मुक्ति सुनिश्चित हो जाये। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु ख्रीस्त के द्वारा। **आमेन।**

विसर्जन गीत

चारों तरफ देखो जग में है दुःख का अंधेरा
आओ प्रभु के चरणों में वहीं है सुख का सबेरा।
सहमी हुई ये दिशाएँ, आकाश भय से काँपता,
घोर सागर उमड़ता है जब, धीरज उनका हाँपता।
कैसा है सृष्टि का फेरा -2
रो रही है माता मरियम, क्रूस के नीचे येसु के,
पाप हमारे मिटाने को, कुरबान किये अपने प्राणों को,
कैसी मुहब्बत है उनकी -2

Homily / Sermon

पुण्य शुक्रवार

इसायाह 52:13-53:12, **इब्रानियों** 4:1416; 5:7-9, **योहन** 18:1-19:42

आज का यह दिन उन दुर्लभतम दिनों में से एक है जब अधिकांश कैथोलिक ईसाई क्रूस मार्ग में और पवित्र क्रूस की आराधना में भाग लेने के लिए चर्च जाते हैं। हम येसु के साथ उनके भयानक पीड़ा के मार्ग पर चलते हैं और उनके महान और सदा क्षमाशील हृदय की सराहना करते हैं। उनकी क्षमा सागर के समान विशाल थी। यहां तक कि सूली पर लटकाए जाने और तमाम क्रूरताओं को सहते हुए भी वह क्षमा प्रदान करने में सक्षम थे। उसने अपने उत्पीड़कों को उनके जघन्य अपराधों के लिए दोषी नहीं ठहराया। यह एक ऐसा दिन है जिसमें प्रभु ने खुद को मानवता के साथ मिला लिया। जब हम येसु के दुखभोग, सूली पर उनकी मृत्यु का दुःख मनाते हैं, तो हम हमेशा याद रखेंगे कि येसु के पुनरुत्थान का जश्न मनाने के लिए गुड फ्राइडे बहुत जरूरी है।

नबी इसायाह के ग्रन्थ से लिया गया आज का पहला पाठ हमारे मनन- चितन के लिए पीड़ित सेवक का चौथा गीत प्रस्तुत करता है। हालाँकि ऐतिहासिक संदर्भ में यहाँ पर पीड़ित सेवक फारस के राजा सिरुस या सामूहिक रूप से इस्राएल की जनता या इसायाह या यिर्मयाह को इंगित कर सकता है। परन्तु विश्वासी पीलातुस के सामने खड़े येसु को देखते है जैसे "वह अपने पर किया हुआ अत्याचार धैर्य से सहता गया और चुप रहा। वध के लिए ले जाये जाने वाले मेमने की तरह और ऊन कतरने वाले के सामने चुप रहने वाली भेड़ की तरह उसने अपना मुँह नहीं खोला।" (पद. 7)। निर्वासन के लोगों और क्रूस पर येसु के बीच बुनियादी अंतर यह है, पहले अवज्ञाकारी लोगों का एक समूह था जो अपने अपराधों के लिए सजा भुगत रहा था, जबकि बाद में आज्ञाकारिता के तहत, पूरी मानवता के उद्धार के लिए क्रूस पर अपने जीवन का बलिदान करने को तैयार है। योहन 12:32, इसायाह 52:13 को उद्धृत करता है। योहन 12:32 में पढ़ते है- "और मैं, जब पृथ्वी के ऊँपर उठाया जाऊँगा तो सब मनुष्यों को अपनी ओर आकर्षित करूँगा।" और इसायाह 52:13 कहता है- "देखो! मेरा सेवक फलेगा-फूलेगा। वह महिमान्वित किया जायेगा और अत्यन्त महान् होगा।"

आज का अंतर भजन लूकस 23:46 में येसु के शब्दों को दोहराता है, "पिता! मैं अपनी आत्मा को तेरे हाथों सौंपता हूँ"। स्तोत्रकार पीड़ा में रोता है और प्रभु के हस्तक्षेप की मांग करता है। वह अपनी आत्मा को अपने ईश्वर को सौंपने के लिए तैयार है जो विश्वासयोग्य है। वह उपहास का पात्र एवं टूटा पात्र जैसा बन गया। उसके शत्रु उससे घृणा करते हैं और वह अपने मित्रों के लिए भय का कारण बन गया है। इन सब के बावजूद, स्तोत्रकार ईश्वर पर अपना भरोसा रखता है। संपूर्ण स्तोत्र ऐसा लगता है जैसे कि येसु मसीह अपने दुखभोग के समय बोलते हैं। गुड फ्राइडे के लिए खुद को त्यागने और ईश्वर पर भरोसा रखने लिए यह एक उपयुक्त स्तोत्र है।

इब्रानियों के नाम संत पौलुस के पत्र से लिया गया आज का दूसरा पाठ एक उपदेश की तरह लगता है जिसमें लेखक येसु मसीह को ईश्वर के पुत्र और एक महान महायाजक के रूप में प्रस्तुत करता है। वह अनुग्रह, दया और अनन्त जीवन का स्रोत है। यद्यपि वह ईश्वर का पुत्र है, उसके सांसारिक अस्तित्व के दिनों में, उसकी कई तरह से परीक्षा हुई। वह पाप को छोड़कर मानव जीवन की सभी परीक्षाओं से गुजरा और इसलिए वह सही व्यक्ति है जो हमारे साथ सहानुभूति रख सकता है। एक मनुष्य के रूप में, वह जोर-जोर से रोते हुए और आंसुओं के साथ प्रार्थना और विनती करते हुए पाए जाते है। उसने जो कुछ सहा उससे उसने आज्ञाकारिता सीखी। उसने जो कुछ सहा उसके द्वारा उसे सिद्ध बनाया गया। हमें उनका अनुकरण करने के लिए बुलाया गया है, विशेषकर उनकी आज्ञाकारिता के लिए। हाँ! यहाँ मुख्य बिदु ईश्वर के प्रति हमारी आज्ञाकारिता है।

संत योहन के सुसमाचार से लिया गया आज का पाठ किड्रोन घाटी से उस कब्र तक येसु की लंबी और भीषण यात्रा को चित्रित करता है जहाँ उसे दफनाया गया था। संत मत्ती, मारकुस एवं लूकस के दुखभोग की कथाओं के विपरीत, संत योहन की कथा में येसु पूरी तरह से जानते हैं कि उनके साथ क्या होने वाला है। इस दुखभोग कथा में प्रभु येसु के साथ कई घटनाये घटती हैं। यूदस इस्कारियोती, संभवतः येसु के शिष्यों में से एक उच्च शिक्षित और योग्य शिष्य, अपने स्वामी को धोखा देता है।

येसु ने पेत्रुस की आक्रामक कार्रवाई की निंदा की जिसने मलखुस के दाहिने कान पर वार किया और विश्वास स्थापित किया कि उसे उस प्याले को पीने के लिए बुलाया गया है जो पिता ने उसे दिया था। येसु के जन्म, जीवन और सेवकाई के उद्देश्य को यहाँ बहुत अच्छी तरह से चित्रित किया गया है। महायाजक कैफ़स येसु की मृत्यु की भविष्यवाणी करता है: अच्छा यही है कि राष्ट्र के लिये एक ही मनुष्य मरे। (योहन 18:14)। पेत्रुस ने येसु को तीन बार अस्वीकार किया। हन्ना, कैफ़स और पीलातुस ने येसु से पूछताछ की जैसे कि वह एक अपराधी था। येसु पीलातुस को यह विश्वास दिलाने का अवसर नहीं खोता कि वह और उसका राज्य इस संसार के नहीं हैं। वह सत्य को सिद्ध करने आया था। पीलातुस यह समझने में विफल रहता है कि येसु ही सत्य है। वह नासरेत के येसु और बराबस को लोगों के सामने पेश करता है और उन्हें यह चुनने के लिए आमंत्रित करता है कि किसे रिहा किया जाना चाहिए। लोग बराबस को पसंद करते हैं और पीलातुस को येसु को मौत की सजा देने के लिए मजबूर करते हैं। डर के मारे पीलातुस ने येसु को सूली पर चढ़ाने की आज्ञा दी। यह सब ईश्वर की योजना में था। हमें येसु के साथ मरने के लिए बुलाया गया है ताकि हम येसु ख्रीस्त में नया जीवन पा सकें। क्या हम तैयार हैं?

EASTER SUNDAY

प्रभु का पुनरुत्थान - पास्का जागरण

पास्का-जागरण-समारोह के चार भाग हैं- **पहला भाग:** जागरण की प्रारंभिक विधियाँ- (नई आग तथा पास्का मोमबत्ती की आशिष, ज्योति का गुणगान) **दूसरा भाग:** शब्द-समारोह; **तीसरा भाग:** बपतिस्मा-समारोह- (बपतिस्मा - जल की आशिष और बपतिस्मा की प्रतिज्ञाएँ दुहराना) और **चौथा भाग:** यूखरिस्तीय-समारोह)

पहला भाग: जागरण की प्रारंभिक विधियाँ

(नई आग तथा पास्का मोमबत्ती की आशिष, ज्योति का गुणगान)

पु०: प्रिय भाइयो-बहनो, आज की परम पवित्र रात्रि में हमारे प्रभु येसु ख्रीस्त मृतकों में से जी उठे। इसलिए कलीसिया संसार भर में बिखरे अपने सब पुत्र-पुत्रियों को बुलाती है कि वे भक्तिपूर्ण प्रार्थना के साथ यह पुण्य जागरण मनाएँ।

यदि हम प्रभु का वचन सुनकर और उनके बलिदान में भाग लेकर पास्का-महोत्सव का स्मरण करते हैं, तो निःसन्देह हम भी उन्हीं की भाँति मृत्यु पर विजयी होंगे और पिता ईश्वर के संग जीने का सौभाग्य प्राप्त करेंगे।

हम प्रार्थना करें: हे ईश्वर, तूने अपने पुत्र के द्वारा विश्वासियों को अपनी महिमा की अग्नि प्रदान की है। इस नयी आग को पवित्र कर और ऐसी कृपा दे कि यह पास्का-महोत्सव मनाते समय हमारे हृदयों में स्वर्गिक अभिलाषाएँ प्रज्वलित हो उठें और हम अनंत ज्योति के उत्सव में शुद्ध मन से सम्मिलित हो सकें। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

1. ख्रीस्त जैसे कल थे, वैसे आज हैं,
2. सबका आदि और अन्त,
3. आल्फा
4. और ओमेगा;
5. काल और युग
6. उनके अधिकार में है
7. उन्हीं की महिमा और सत्ता
8. युगानुयुग बनी रहे। आमेन।

1. प्रभु खीस्त

2. अपने पवित्र

3. और प्रतापी घावों द्वारा

4. हमें सुरक्षित रखें

5. और सम्भालें। आमेन।

प्रताप के साथ पुनर्जीवित होते हुए, ख्रीस्त की ज्योति हमारे मन और हृदय का अन्धकार दूर कर दे।

जुलूस

उपयाजक: **ख्रीस्त की ज्योति!**

सब: **ईश्वर को धन्यवाद!**

पास्का उद्घोष / ज्योति का गुणगान

पु०: प्रभु आपके हृदय में और आपके होठों पर हों, ताकि आप योग्य रीति से पास्का-उद्घोष कर सकें। पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर।

उपयाजक उत्तर देता है: **आमेन।**

पास्का उद्घोष (बृहद् प्रारूप)

स्वर्गदूतों का समूह आनंद मनाये: स्वर्गलोक के सब प्राणी आनंद मनाएँ: हमारे महान् राजा की विजय पर मंगल तुरही बज उठे!

पृथ्वी भी इस प्रभा से प्रदीप्त होकर आनंद मनाये और शाश्वत राजा की आभा से आलोकित होकर अनुभव करे कि सारा अंधकार और उदासी दूर हो गयी है।

माता कलीसिया भी महिमामय ज्योति से विभूषित होकर आनंद मनाये और यह पवित्र भवन भक्त-मण्डली की जयनाद से गूंज उठे।

(इसलिए, प्रिय मित्रो! आप इस स्वर्गिक ज्योति की अपूर्व प्रभा के साक्षी हैं, कृपया मेरे साथ सर्वशक्तिमान् और दयालु ईश्वर से प्रार्थना करें। उसने कृपा करके मुझ अयोग्य सेवक को अपनी सेवा के लिए चुना है, वह मुझे अपनी ज्योति से भर दे कि मैं इस पास्का-मोमबत्ती का गुणगान कर सकूँ।)

उप०: प्रभु आप लोगों के साथ हो। **सब:** और आप के साथ भी।

उप०: प्रभु में मन लगाइये। **सब:** हम प्रभु में मन लगाये हुए हैं।

उप०: हम अपने प्रभु ईश्वर को धन्यवाद दें। **सब:** यह उचित और आवश्यक है।

यह वास्तव में उचित और न्यायसंगत है कि हम अदृश्य ईश्वर सर्वशक्तिमान् पिता का और उसके इकलौते पुत्र अपने प्रभु येसु ख्रीस्त का हृदय तथा मन की पूर्ण भक्ति के साथ ऊँचे स्वर से गुणगान करें, क्योंकि उन्होंने हमारे लिए शाश्वत पिता को आदम का ऋण चुकाया है और अपना मूल्यवान रक्त बहाकर हमारे प्राचीन पाप का कलंक मिटा दिया है।

यही वास्तविक पास्का-उत्सव है, जिसमें सच्चा मेमना बलि चढ़ाया जाता है, जिसका रक्त भक्तों की चौखट को पवित्र करता है।

यह वही रात है, जिसमें तूने हमारे पूर्वजों, इस्राएल की संतति को मिस्र की गुलामी से निकालकर उन्हें सूखे पाँव लाल सागर पार कराया।

यह वही रात है, जिसने प्रकाशमान बादल द्वारा पापों का अंधकार मिटा दिया।

यह वही रात है, जो आज भी विश्व भर के ख्रीस्तियों को संसार की बुराई से बचाती, पाप के अंधकार से निकाल कर उन्हें कृपा दिलाती और संतों के समाज में सम्मिलित करती है।

यह वही रात है, जिसमें ख्रीस्त मृत्यु का बंधन तोड़कर कब्र से विजयी होकर जी उठे हैं।

यदि हमें मुक्ति न मिलती, तो हमारे जन्म से क्या लाभ होता? अहा! हमारे प्रति तेरी दया अपूर्व है। अकथनीय है तेरा प्रेम! दास को छुड़ाने के लिए तूने अपने पुत्र को समर्पित कर दिया।

आदम का पाप इसलिए आवश्यक था कि वह ख्रीस्त की मृत्यु द्वारा नष्ट कर दिया जाये। अहा! जो इतने महान् मुक्तिदाता के योग्य ठहरा! अहा! सचमुच धन्य है यह रात! यह जानती है कि किस समय और किस घड़ी ख्रीस्त मृतकों में से जी उठे।

यह वही रात है, जिसके विषय में लिखा है:

'रात दिन के समान चमकेगी', 'रात ही मेरी ज्योति और मेरा आनंद है।'

यह पवित्र रात बुराई को भगा देती, पापों को धो डालती है, पतितों को उठाती और दुःखियों को आनंद प्रदान करती है। यह बैर दूर करती, मेल-मिलाप कराती और घमण्डियों को झुकाती है।

हे पवित्र पिता, इस धन्य रात में इस मोमबत्ती की संध्या-पूजा स्वीकार कर। यह बत्ती परिश्रमी मधुमक्खियों के मोम से बनायी गयी है। परम पवित्र कलीसिया अपने सेवकों द्वारा समारोह के साथ यह बत्ती तुझे चढ़ाती है।

अब हमने इस बत्ती का गुणगान सुन लिया है, जो ईश्वर के आदर में प्रकाशमान होकर जल रही है। इसकी ज्वाला से बहुत सारी बत्तियाँ जलाने पर भी इसकी ज्योति कम नहीं हुई, क्योंकि यह पिघलते हुए मोम से पोषित होती रहती है, जिसे मादा मधुमक्खियों ने इस अमूल्य बत्ती के लिए तैयार किया है।

अहा! सचमुच धन्य है यह रात, जिसमें स्वर्ग और पृथ्वी तथा ईश्वर और मनुष्य एक होकर मिल गये हैं।

इसलिए, हे प्रभु! हम तुझसे विनती करते हैं: तेरे नाम के आदर में प्रतिष्ठित यह मोमबत्ती इस रात का अंधकार दूर करने के लिए निरंतर जलती रहे। यह मधुर सुगंध के समान तुझे सुग्राह्य हो और आकाश के तारों से जा मिले । प्रभात का तारा, इसे जलता हुआ पाये: वह प्रभात का तारा, जो कभी अस्त नहीं होता, हमारे प्रभु ख्रीस्त तेरे पुत्र, जो अधोलोक से लौटकर मानवजाति पर उदित हुए तथा युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

पास्का-उद्घोष का लघु प्रारूप

स्वर्गदूतों का समूह अब आनंद मनाये: स्वर्गलोक के सब प्राणी आनंद मनाएँ: हमारे महान् राजा की विजय पर मंगल तुरही बज उठे। पृथ्वी भी इस प्रभा से प्रदीप्त होकर आनंद मनाये और शाश्वत राजा की आभा से आलोकित होकर अनुभव करे कि सारा अंधकार और उदासी दूर हो गयी है। माता कलीसिया भी महिमामय ज्योति से विभूषित होकर आनंद मनाये और यह पवित्र भवन भक्त-मण्डली की जयनाद से गूँज उठे।

उप०: प्रभु आप लोगों के साथ हो। **सब:** और आप के साथ भी।

उप०: प्रभु में मन लगाइये। **सब:** हम प्रभु में मन लगाये हुए हैं।

उप०: हम अपने प्रभु ईश्वर को धन्यवाद दें। **सब:** यह उचित और आवश्यक है।

यह वास्तव में उचित और न्यायसंगत है कि हम अदृश्य ईश्वर सर्वशक्तिमान् पिता का और उसके इकलौते पुत्र अपने प्रभु येसु ख्रीस्त का हृदय तथा मन की पूर्ण भक्ति के साथ ऊँचे स्वर से गुणगान करें, क्योंकि उन्होंने हमारे लिए शाश्वत पिता को आदम का ऋण चुकाया है और अपना मूल्यवान रक्त बहाकर हमारे प्राचीन पाप का कलंक मिटा दिया है। यही वास्तविक पास्का-उत्सव है, जिसमें सच्चा मेमना बलि चढ़ाया जाता है, जिसका रक्त भक्तों की चौखट को पवित्र करता है।

यह वही रात है जिसमें तूने हमारे पूर्वजों, इस्राएल की संतति को मिस्र की गुलामी से निकालकर सूखे पाँव लाल सागर पार कराया। यह वही रात है, जिसने प्रकाशमान बादल द्वारा पापों का अंधकार मिटा दिया।

यह वही रात है, जो आज भी विश्व भर के ख्रीस्तियों को संसार की बुराई से बचाती, पाप के अंधकार से निकालकर उन्हें कृपा दिलाती और संतों के समाज में सम्मिलित करती है।

यह वही रात है, जिसमें ख्रीस्त मृत्यु का बंधन तोड़कर कब्र से विजयी होकर जी उठे हैं।

अहा! हमारे प्रति तेरी दया अपूर्व है। अकथनीय है तेरा प्रेम! दास को छुड़ाने के लिए तूने अपने पुत्र को समर्पित कर दिया।

आदम का पाप इसलिए आवश्यक था कि वह ख्रीस्त की मृत्यु द्वारा नष्ट कर दिया जाये। अहा! जो इतने महान् मुक्तिदाता के योग्य ठहरा!

यह पवित्र रात बुराई को भगा देती, पाप को धो डालती, पतितों को उठाती और दुःखियों को आनंद प्रदान करती है।

अहा! सचमुच धन्य है यह रात, जिसमें स्वर्ग और पृथ्वी तथा ईश्वर और मनुष्य एक होकर मिल गये हैं।

हे पवित्र पिता! इस धन्य रात में इस मोमबत्ती की संध्या-पूजा स्वीकार कर। यह बत्ती परिश्रमी मधुमक्खियों के मोम से बनाई हुई है। परम पवित्र कलीसिया अपने सेवकों द्वारा समारोह के साथ यह बत्ती तुझे चढ़ाती है।

इसलिए, हे प्रभु! हम तुझसे विनती करते हैं: तेरे नाम के आदर में प्रतिष्ठित यह मोमबत्ती इस रात का अंधकार दूर करने के लिए निरंतर जलती रहे। यह मधुर सुगंध के समान तुझे सुग्राह्य हो और आकाश के तारों से जा मिले। प्रभात का तारा इसे जलता हुआ पाए: वही प्रभात का तारा, जो कभी अस्त नहीं होता, हमारे प्रभु ख्रीस्त तेरे पुत्र, जो अधोलोक से लौटकर मानवजाति पर उदित हुए तथा युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

दूसरा भाग: शब्द - समारोह

पु०: प्रिय भाइयो-बहनो, अब हम पास्का जागरण का समारोही शुभारम्भ कर रहे हैं। आइए, हम शांत मनोभाव से ईश्वर का वचन सुनें। हम इस बात पर मनन करें कि ईश्वर ने किस तरह से प्राचीन समय में अपनी प्रजा इस्राएल का उद्धार किया और अब, इन अंतिम दिनों में, अपने पुत्र को हमारे मुक्तिदाता के रूप में भेजा है। हम प्रार्थना करें कि ईश्वर इस पास्का कार्य द्वारा सब मनुष्यों को पूर्ण मुक्ति प्रदान करे।

पहला पाठ

(बाइबिल के प्रारंभ में बताया जाता है कि ईश्वर ने विश्व की सृष्टि करने के बाद मनुष्य को अपना प्रतिरूप बनाया और यह कह कर उसे समस्त सृष्टि पर अधिकार दिया पृथ्वी पर फैल जाओ और उसे अपने अधीन कर लो।)

उत्पत्ति- ग्रन्थ 1: 1-2.26-31

"ईश्वर ने अपने द्वारा बनाया हुआ सब कुछ देख लिया और यह उसे बहुत अच्छा लगा।"

प्रारंभ में ईश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि की। ईश्वर ने कहा, "हम मनुष्य को अपना प्रतिरूप बनायें, वह हमारे सदृश हो। वह समुद्र की मछलियों, आकाश के पक्षियों, घरेलू और जंगली जानवरों और जमीन पर रेंगने वाले सब जीव- जन्तुओं पर शासन करे।" ईश्वर ने मनुष्य को अपना प्रतिरूप ने बनाया। उसने उसे ईश्वर का प्रतिरूप बनाया। उसने नर और नारी के रूप में उनकी सृष्टि की। ईश्वर ने यह कह कर उन्हें आशीर्वाद दिया, "फलो फूलो। पृथ्वी पर फैल जाओ और उसे अपने अधीन कर लो। समुद्र की मछलियों, आकाश के पक्षियों और पृथ्वी पर विचरने वाले सब जीव जन्तुओं पर शासन करो।" ईश्वर ने कहा, "मैं तुमको पृथ्वी भर के बीज पैदा करने वाले सब पौधे, और बीजदार फल देने वाले सब पेड़ दे देता हूँ। यह तुम्हारा भोजन होगा। मैं सब जंगली जानवरों को, आकाश के सब पक्षियों को, पृथ्वी पर विचरने वाले जीव- जन्तुओं को उनके भोजन लिए पौधों की हरियाली दे देता हूँ।" और ऐसा ही हुआ। ईश्वर ने अपने द्वारा बनाया हुआ सब कुछ देखा और यह उसको अच्छा लगा।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन स्तोत्र 32: 47.12-13.20.22

अनुवाक्य: पृथ्वी प्रभु के प्रेम से भरपूर है।

1. प्रभु का वचन सच्चा है, उसके समस्त कार्य विश्वसनीय हैं। उसे धार्मिकता तथा न्याय प्रिय हैं। पृथ्वी उसके प्रेम से भरपूर है।

2. उसके शब्द मात्र से आकाश बन गया है और उसके श्वास मात्र से समस्त तारागण। वह समुद्र का पानी इकट्ठा करता और महासागर की गहराइयाँ संचित कर लेता है।

3. धन्य हैं वे लोग, जिनका ईश्वर प्रभु है, जिन्हें प्रभु ने अपनी प्रजा बना लिया है। प्रभु आकाश के ऊपर से दृष्टि डालता और सभी मनुष्यों को देखता रहता है।

4. हम प्रभु की राह देखते रहते हैं, वही हमारा सहायक और रक्षक है। हे प्रभु! तुझ पर ही हमारा भरोसा है, तेरा प्रेम हम पर बना रहे।

हम प्रार्थना करें: हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तेरे सभी कार्य आश्चर्य से भरे हैं। तूने जिन लोगों का उद्धार किया है, वे यह समझ सकें कि संसार की सृष्टि से भी अधिक महत्त्वपूर्ण बात यह है कि नियत समय पर ख्रीस्त हमारे लिए पास्का-बलि बन गये। वह युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

अथवा (मनुष्य की सृष्टि)

हे ईश्वर, तूने अद्भुत रीति से मनुष्य की सृष्टि की और उससे भी अधिक अद्भुत रीति से उसका उद्धार किया। ऐसी कृपा कर कि हम पाप के सभी प्रलोभनों को ठुकरा सकें और अनंत सुख प्राप्त करें। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

दूसरा पाठ

(इब्राहीम को ईश्वर में इतना विश्वास था कि वह ईश्वर की आज्ञा पर अपने पुत्र का बलिदान करने के लिए तैयार हो गये। मसीह भी ईश्वर पूरी करने के लिए क्रूस पर मर गये; इसलिए ईश्वर ने उन्हें महिमान्वित की इच्छा किया है।)

उत्पत्ति- ग्रन्थ 22: 1-2.9-13.15-18

"कुलपति इब्राहीम का बलिदान।"

ईश्वर ने इब्राहीम की परीक्षा ली। उसने उससे कहा, "इब्राहीम! इब्राहीम!" और उसने उत्तर दिया, "मैं प्रस्तुत हूँ।" ईश्वर ने कहा, "अपने पुत्र को, अपने एकलौते को, परमप्रिय इसहाक को साथ ले जा कर मोरिया देश चले जाओ। वहाँ, जिस पहाड़ पर मैं तुम्हें बताऊँगा, तुम उसे बलि चढ़ा दोगे।" जब वे उस जगह पहुँचे जिसे ईश्वर ने बताया था, तो इब्राहीम ने अपने पुत्र की बलि चढ़ाने के लिए हाथ बढ़ाकर छुरा उठा लिया। किन्तु प्रभु का दूत स्वर्ग से उसे पुकार कर कहा, "इब्राहीम! इब्राहीम!" और उसने उत्तर दिया, "मैं प्रस्तुत हूँ।" दूत ने कहा, "बालक पर हाथ नहीं डालना; उसे कोई हानि नहीं पहुँचाना। अब मैं जान गया कि तुम ईश्वर पर श्रद्धा रखते हो- तुमने मुझे अपने पुत्र, अपने एकलौते पुत्र को भी देने से इन्कार नहीं किया।" इब्राहीम ने आँखें ऊपर उठायीं। और सींगों से झाड़ी में फँसे हुए एक मेढ़े को देखा। इब्राहीम ने जाकर मेढ़े को पकड़ लिया और उसे अपने पुत्र के बदले बलि चढ़ा दिया। ईश्वर का दूत इब्राहीम को दूसरी बार पुकार कर बोला, "यह प्रभु की वाणी है। मैं शपथ खाकर कहता हूँ- तुमने यह काम किया है: तुमने मुझे अपने पुत्र, अपने एकलौते पुत्र को भी देने से इन्कार नहीं किया; इसलिए मैं तुम पर आशिष बरसाता रहूँगा। मैं आकाश के तारों और समुद्रतट के बालू की तरह तेरे वंशजों को असंख्य बना दूंगा और वे अपने शत्रुओं के नगरों पर अधिकार कर लेंगे। तुमने मेरी आज्ञा का पालन किया है; इसलिए तेरे वंश के द्वारा पृथ्वी के सभी राष्ट्रों का कल्याण होगा।"

यह प्रभु की वाणी है।

भजन स्तोत्र 15: 5.8-11

अनुवाक्य: हे प्रभु! तुझ पर ही भरोसा है। तू मेरी रक्षा कर।

1. हे प्रभु! तू मेरा सर्वस्व और मेरा भाग्य है। तेरे ही हाथों में मेरा जीवन है। प्रभु मेरी आँखों के सामने रहता है। वह मेरे दाहिने विराजमान है, इसलिए मैं दृढ़ बना रहता हूँ।

2. मेरा हृदय आनन्दित है, मेरी आत्मा प्रफुल्लित है और मेरा शरीर भी सुरक्षित रहेगा; क्योंकि तू मेरी आत्मा को अधोलोक में नहीं छोड़ेगा, तू अपने भक्त को कब्र में गलने नहीं देगा।

3. तू मुझे जीवन का मार्ग दिखायेगा। तेरे पास रह कर परिपूर्ण आनंद प्राप्त होता है, तेरे दाहिने सदा के लिए सुख- शान्ति है।

हम प्रार्थना करें: हे ईश्वर, तू सब विश्वासियों का परम पिता है। तू बपतिस्मा द्वारा विश्व भर में अपने पुत्र-पुत्रियों की वृद्धि करता और अपनी प्रतिज्ञा के अनुसार पास्का संस्कार द्वारा अपने सेवक इब्राहीम को सब राष्ट्रों का पिता नियुक्त करता है। ऐसी कृपा कर कि तेरी प्रजा अपनी बुलाहट की कृपा योग्य रीति से ग्रहण करे। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

तीसरा पाठ

(इस्राएली लाल समुद्र पार कर गये और मिस्र देश की परतंत्रता से मुक्त हो कर एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गये। हम भी ईश्वर की सहायता से हर प्रकार की दासता से मुक्त हो कर ईश्वर की प्रजा के सदस्य बन सकते हैं।)

निर्गमन- ग्रन्थ 14: 15-15: 1

"इस्राएली सागर के बीच में सूखी भूमि पर आगे बढ़ने लगे।"

प्रभु ने मूसा से कहा, "तुम मेरी दुहाई क्यों दे रहे हो? इस्राएलियों को आगे बढ़ने का आदेश दो। तुम अपना डंडा उठाकर अपना हाथ सागर के ऊपर बढ़ाओ और उसे दो भागों में बाँट दो, जिससे इस्राएली सूखे पाँव समुद्र की तह पर चल सकें। मैं मिस्रियों का हृदय कड़ा बनाऊँगा और वे इस्त्राएलियों का पीछा करेंगे। तब मैं फिराऊँ, उसकी सेना, उसके रथ और घुड़सवार, सब को हरा कर अपना सामर्थ्य प्रदर्शित करूंगा और जब मैं फिराऊन, उसकी सेना, उसके रथ और उसके घुड़सवार, सब को हरा कर अपने सामर्थ्य प्रदर्शित कर चुका होऊँगा, तब मिस्री जान जायेंगे कि मैं प्रभु हूँ।" प्रभु का दूत, जो इस्राएली सेना के आगे- आगे चल रहा था, अपना स्थान बदल कर सेना के पीछे- पीछे चलने लगा। बादल का खंभा जो सामने था लोगों के पीछे आ गया और मिस्रियों तथा इस्राएलियों, दोनों सेनाओं के बीच खड़ा रहा। बादल एक तरफ अन्धेरा और दूसरी तरफ रात में प्रकाश दे रहा था। इसलिए उस रात को दोनों सेनायें एक दूसरे के पास नहीं आ सकीं। तब मूसा ने सागर के ऊपर हाथ बढ़ाया और प्रभु ने रात भर पूर्व की ओर जोरों की हवा भेज कर सागर को पीछे हटा दिया। सागर दो भागों में बँट कर बीच में सूख गया। इस्राएली सागर के बीच में सूखी भूमि पर आगे बढ़ने लगे; पानी उनके दायें और बायें दीवार बन कर ठहर गया। मिस्री उनका पीछा करते थे। फिराऊन के सब घोड़े, उसके रथ और उसके घुड़सवार, सागर की तह पर उनके पीछे चलते थे। रात के पिछले पहर, प्रभु ने आग और बादल के खम्भे में से मिस्रियों की सेना की ओर देखा और उसे तितर- बितर कर दिया। रथों के पहिये निकल कर अलग हो जाते थे और वे कठिनाई से आगे बढ़ पाते थे। तब मिस्री कहने लगे, "हम इस्राएलियों से भाग जायें, क्योंकि प्रभु उनकी ओर से मिस्रियों के विरुद्ध लड़ता है।" उस समय प्रभु ने मूसा से कहा, "सागर ऊपर अपना हाथ बढ़ाओ, जिससे पानी लौट कर मिस्रियों, उनके रथों और उनके घुड़सवारों पर लहराये।" मूसा ने सागर के ऊपर हाथ बढ़ा दिया और भोर होते ही सागर फिर भर गया। मिस्री भागते हुए पानी में जा घुसे और प्रभु उन्हें सागर के बीच में ढकेल दिया । समुद्र की तह पर इस्त्राएलियों का पीछा करने वाली फिराऊन की सारी सेना के रथ और घुड़सवार लौटने वाले पानी में डूब गये। उनमें से एक भी नहीं बचा। इस्राएली तो समुद्र की सूखी तह पार कर गये, पानी उनके दायें और बायें दीवार बन कर ठहर गया था। उस दिन प्रभु ने इस्राएलियों को मिस्रियों के ने हाथ से छुड़ा दिया। इस्राएलियों ने समुद्र के किनारे पर पड़े हुए मरे मिस्रियों को देखा। इस्राएली मिस्त्रियों के विरुद्ध किया हुआ प्रभु का यह महान् कार्य देखकर प्रभु से डरने लगे। उन्होंने प्रभु में और उसके सेवक मूसा में विश्वास किया। तब मूसा और इस्राएली प्रभु के आदर में यह भजन गाने लगे।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन निर्गमन 15: 1-6.17-18

अनुवाक्य: हम प्रभु का गुणगान करें। उसने अपनी महिमा प्रकट की है।

1. मैं प्रभु का गुणगान करता हूँ। उसने अपनी महिमा प्रकट की है। उसने घोड़े के साथ घुड़सवार को समुद्र में फेंक दिया है। प्रभु मेरा शक्तिशाली रक्षक है। उसने मुझे छुड़ा लिया है। मैं अपने ईश्वर की महिमा गाता हूँ; अपने पिता के ईश्वर का गुणगान करता हूँ। प्रभु महान योद्धा है। उसका नाम प्रभु ही है। उसने फिराऊन के रथ और उसकी सेना को सागर में फेंक दिया है। फिराऊन के चुने हुए वीर योद्धा लाल समुद्र में डूब कर मर गये।

2. समुद्र की लहरें उन्हें ढक लेती हैं, वे पत्थर की तरह जलगर्त्त में डूब गये। हे प्रभु! तेरा दाहिना हाथ शक्तिशाली है, हे प्रभु! तेरा भुजबल शत्रु को कुचल देता है।

3. तू अपनी प्रजा को ले जा कर अपने पर्वत पर बसायेगा, उस स्थान पर जिसे तूने अपने निवास के लिए चुना है, उस मन्दिर के पास जिसे तूने अपने हाथों से बनाया है। प्रभु अनंतकाल तक राज्य करता रहेगा।

हम प्रार्थना करें: हे ईश्वर, पूर्वकाल में किये गये तेरे चमत्कारों को हम आज भी देख सकते हैं। जिस तरह तूने अपना पराक्रम दिखाकर इस्राएलियों को फिराउन के अत्याचार से छुड़ाया था, उसी तरह तू अब सभी राष्ट्रों को बपतिस्मा के जल द्वारा मुक्ति प्रदान करता है। ऐसी कृपा कर कि सारा संसार इब्राहीम की संतान बने और इस्राएल की तरह तेरी प्रजा होने का गौरव प्राप्त करे। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु ख्रीस्त द्वारा।

सब: आमेन।

अथवा

हे ईश्वर, पूर्वकाल में किये गये अपने चमत्कारों का महत्त्व तूने नये व्यवस्थान में प्रकट कर दिया है। इस तरह लाल सागर, बपतिस्मा का प्रतीक है और दासता से मुक्त राष्ट्र, ख्रीस्तीय प्रजा का आदि रूप। ऐसी कृपा कर कि सभी राष्ट्र विश्वास के फलस्वरूप इस्राएल की तरह तेरी प्रजा होने का श्रेष्ठ वरदान प्राप्त करे और पवित्र आत्मा को पाकर नवजीवन के अधिकारी बने। हम यह प्रार्थना करते हैं, अपने प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

चौथा पाठ

(ईश्वर ने इस्राएलियों को दण्ड दिया था। वे समझ रहे थे कि ईश्वर ने उन्हें त्याग दिया है। इसलिए ईश्वर नवी इसायस द्वारा यह विश्वास दिलाता है कि हे येरुसालेम! चाहे पहाड़ टल जायें और पहाड़ियों डाँवा- डोल हो जायें, किन्तु तेरे प्रति मेरा प्रेम नहीं टल जायेगा।)

नबी इसायस का ग्रंथ 54, 5-14

"तेरा उद्धारकर्त्ता प्रभु अनन्त प्रेम से तुझ पर दया करता रहता है।"

येरुसालेम! तेरा सृष्टिकर्त्ता ही तेरा पति है। उसका नाम है- विश्वमण्डल का परमेश्वर। इस्राएल का परमपावन ईश्वर तेरा उद्धार करेगा; वह समस्त पृथ्वी का ईश्वर कहलाता है। येरुसालेम! परित्यक्ता स्त्री की तरह दुःख की मारी! प्रभु तुझे वापस बुलाता है। क्या कोई अपनी तरुणाई की पत्नी को भुला सकता है? यह तेरे ईश्वर का कहना है। मैंने थोड़ी ही देर तक तुझे छोड़ दिया था; अब मैं, तरस खा कर, तुझे अपने यहाँ ले जाऊँगा। मैंने क्रोध के आवेश में क्षण भर तुझ से मुँह फेर लिया था; अब में अनन्त प्रेम से तुझ पर दया करता रहूँगा। यह तेरे उद्धारकर्ता ईश्वर का कहना है। नूह के समय मैंने शपथ खा कर कहा था कि प्रलय की बाढ़ फिर पृथ्वी पर नहीं आयेगी; उसी तरह मैं शपथ खा कर कहता हूँ कि मैं फिर तुझ पर क्रोध नहीं करूंगा, और फिर तुझे धमकी नहीं दूंगा। चाहे पहाड़ टल जायें और पहाड़ियाँ डाँवा-डोल हो जायें, पास्का काल पास्का जागरण किन्तु तेरे प्रति मेरा प्रेम नहीं टल जायेगा और तेरे लिए मेरा शांति- विधान डाँवा- डोल नहीं हो जायेगा, यह तुझ पर तरस खाने वाले प्रभु का कहना है। हे येरुसालेम! दुर्भाग्यशालिनी! आँधी और दुःख की मारी! मैं तेरे पत्थर चुन चुन कर लगवा दूंगा और तेरी नींव नीलमणियों पर डालूँगा। मैं तेरे कंगूरे लालमणियों से, तेरे फाटक स्फटिक से और तेरे परकोटे रत्नों से बनाऊँगा। तेरी प्रजा प्रभु से शिक्षा ग्रहण करेगी और उसकी सुख- शांति की सीमा नहीं रहेगी। तेरी नींव न्याय पर डाली जायेगी। कोई भी तुझे नहीं सतायेगा, तू कभी भयभीत नहीं होगी। प्रातंक तुझ से कोसों दूर रहेगा।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन स्तोत्र 29, 2.46.11-13

अनुवाक्य: हे प्रभु, मैं तेरी स्तुति करूंगा; तूने मेरा उद्धार किया।

1. हे प्रभु! मैं तेरी स्तुति करूंगा; तूने मेरा उद्धार किया है। तूने मेरे शत्रुओं को मुझ पर हँसने नहीं दिया। हे प्रभु! तूने मेरी आत्मा को अधोलोक से निकाला है, तूने मुझे मृत्यु से बचा लिया है।

2. प्रभु के भक्त उसके आदर में गीत गायें और उसके पवित्र नाम की महिमा करें। उसका क्रोध क्षण भर का है, किन्तु उसकी कृपा जीवन भर बनी रहती है। संध्या को भले ही रोना पड़े, किन्तु प्रातःकाल आनन्द ही आनन्द होता है।

3. हे प्रभु! मेरी सुन। मुझ पर दया कर। हे प्रभु! मेरी सहायता कर। तूने मेरा शोक आनन्द में बदल दिया है। हे प्रभु! मेरे ईश्वर! मैं अनन्तकाल तक तेरी स्तुति करूंगा।

हम प्रार्थना करें: हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, जो प्रतिज्ञा तूने हमारे विश्वासी पूर्वजों से की थी, उसे अपने महिमार्थ पूरा कर और बपतिस्मा द्वारा अपनी प्रजा की संख्या में वृद्धि कर। हमारे धर्मपूर्वजों ने तेरी प्रतिज्ञा पर कभी संदेह नहीं किया, कलीसिया यह अनुभव करे कि वह प्रतिज्ञा अधिकांशतः पूरी हो चुकी है। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

पाँचवाँ पाठ

(ईश्वर ने सभी राष्ट्रों तक अपना संदेश पहुंचाने के लिए दाऊद और इस्राएल को चुन लिया। उसी प्रकार नये इस्राएल अर्थात् कलीसिया का कर्तव्य है। कि वह दाऊद की तर ' राष्ट्रों का पथप्रदर्शक' वन जाये।)

नबी इसायस का ग्रंथ 55, 1-11

"मेरे पास आ जाओ; तुम्हारी आत्मा को नवजीवन मिल जायेगा और में तुम लोगों के लिए एक चिरस्थायी विधान ठहराऊँगा।"

प्रभु कहता है, "तुम सब, जो प्यासे हो, पानी के पास चले आओ। यदि तुम्हारे पास रुपया नहीं है, तभी आयो। मुफ्त में अन्न खरीद कर खाओ; दाम चुकाये बिना अंगूरी और दूध खरीद लो। जो भोजन नहीं है, उसके लिए तुम लोग अपना रुपया क्यों खर्च करते हो? जो तृप्ति दे ही नहीं सकता, उसके लिए परिश्रम क्यों करते हो? मेरी बात मान लो। तब खाने के लिए तुम्हें अच्छी चीजें मिलेंगी और तुम लोग पकवान खा कर प्रसन्न रहोगे। कान लगा कर सुनो और मेरे पास आ जाओ। मेरी बात पर ध्यान दो और तुम्हारी आत्मा को नवजीवन मिल जायेगा। मैंने दाऊद से दया करते रहने की प्रतिज्ञा की थी, उसके अनुसार मैं तुम लोगों के लिए एक चिरस्थायी विधान ठहराऊँगा। मैंने राष्ट्रों को साक्ष्य देने के लिए दाऊद को चुन लिया, और उसे राष्ट्रों का पथप्रदर्शक तथा अधिपति बना दिया है।"

"येरुसालेम! भी उन राष्ट्रों को बुलायेगा, जिन्हें तू नहीं जानता था और जो तुझे नहीं जानते थे, वे दौड़ते हुए तेरे पास जायेंगे । यह इसलिए होगा कि प्रभु तेरा ईश्वर, इस्राएल का परमपावन ईश्वर, तुझे महिमान्वित करेगा।"

जब तक प्रभु मिल सकता है, तब तक उसके पास चले जाओ। जब तक वह निकट है, तब तक उसकी दुहाई देते रहो। पापी अपना मार्ग छोड़ दे और दुष्ट अपने बुरे विचार त्याग दे। वह प्रभु के पास लौट आये और वह उस पर दया करेगा, क्योंकि हमारा ईश्वर दयासागर है। प्रभु यह कहता है- तुम लोगों के विचार मेरे विचार नहीं हैं। और मेरे मार्ग तुम लोगों के मार्ग नहीं हैं। जिस तरह आकाश पृथ्वी के ऊपर बहुत ऊँचा है, उसी तरह मेरे मार्ग तुम्हारे मार्गों से और मेरे विचार तुम्हारे विचारों से ऊँचे हैं।

जिस तरह पानी और बर्फ आकाश से उतर कर भूमि सींचे बिना, उसे उपजाऊ बनाये और हरियाली से ढके बिना, वहाँ नहीं लौटते हैं, जिससे भूमि बोने वाले को बीज और खाने वाले को अनाज दे सके; उसी तरह मेरी वाणी मेरे मुख से निकल कर व्यर्थ ही मेरे पास नहीं लौटती। जो मैं चाहता था, वह उसे कर डालती है और मेरा उद्देश्य पूरा करने के बाद ही वह मेरे पास लौट आती है।"

यह प्रभु की वाणी है।

भजन इसायस 12, 2-6

अनुवाक्य: तुम आनन्दित हो कर मुक्ति के स्रोत में से जल भरोगे।

1. ईश्वर मेरा उद्धार करेगा। वही मेरा भरोसा है। अब मैं नहीं डरूँगा, क्योंकि प्रभु मेरा बल है और मेरे गीत का विषय। वही मेरा उद्धार करेगा। तुम आनन्दित हो कर मुक्ति के स्रोत में से जल भरोगे।

2. प्रभु का धन्यवाद करो; उसके नाम की स्तुति करो। राष्ट्रों में उसके महान् कार्यों का बखान करो, उसके नाम की महिमा गाओ।

3. प्रभु की स्तुति करो; उसने चमत्कार दिखाये हैं। पृथ्वी भर उनका बखान करने जाओ। सियोन की प्रजा! प्रफुल्लित हो कर आनन्द के गीत गायो। तुम्हारे बीच रहने वाला इस्राएल का परमपावन ईश्वर महान् है।

हम प्रार्थना करें: हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, तू सम्पूर्ण जगत् की एकमात्र आशा है। तूने नबियों की घोषणा द्वारा वर्तमान युग के रहस्यों को प्रकट किया था। अपनी प्रजा की अभिलाषा तीव्र कर दे, क्योंकि तेरी प्रेरणा के बिना कोई विश्वासी सद्गुणों में प्रगति नहीं कर सकता। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

छठा पाठ

(इस्राएलियों ने ईश्वर को प्रज्ञा के स्रोत को त्याग दिया था। इसलिए उन्हें दण्ड मिला। नबी बारूक उन्हें और हम को भी याद दिलाते है कि यदि वे ईश्वर की आज्ञाओं का पालन करेंगे, तो वे जीते रहेंगे और यदि वे उनका तिरस्कार करेंगे, तो वे मर जायेंगे।)

नबी बारूक का ग्रंथ 3:9-15.32-4, 4: 4

"आज्ञाओं के मार्ग पर चलते हुए ईश्वर की महिमा की ओर आगे बढ़ते जाओ।"

हे इस्राएल! जीवन देने वाली आज्ञाएँ सुन लो। कान लगा कर सच्चा ज्ञान प्राप्त करो। हे इस्राएल! तुम क्यों अपने शत्रुओं के देश में हो? तुम विदेश में दुःख के दिन काटते हो, तुम लाश की तरह अशुद्ध बन गये हो, अधोलोक जाने वालों में तुम्हारी गिनती हो गयी है। यह इसलिए हो रहा है कि तुमने प्रज्ञा का स्रोत त्याग दिया है। यदि तुम ईश्वर के मार्ग पर चले होते, तो तुम सदा के लिए शांति में जीवन बिताते। यह समझ लो कि ज्ञान कहाँ है, सामर्थ्य कहाँ है, बुद्धिमानी कहाँ है, जिससे तुम जान जाओ कि लम्बी आयु और जीवन कहाँ है, आँखों की ज्योति और शांति कहाँ है। कौन प्रज्ञा के निवासस्थान तक पहुंचा है? किसने उसके खजाने में प्रवेश किया है? सर्वज्ञ ही उसका मार्ग जानता है, उसने अपनी बुद्धि से उसका पता लगाया है। उसने सदा के लिए पृथ्वी की नींव डाली है और उसे जीव- जन्तुओं से भर दिया है। वह प्रकाश भेज देता है और वह फैल जाता है। वह उसे वापस बुलाता है और वह कांपते हुए उसकी आज्ञा मानता है। तारे अपने- अपने स्थान पर आनन्दपूर्वक जगमगाते रहते हैं। जब वह उन्हें बुलाता है, तो वे उत्तर देते, "हम प्रस्तुत हैं"; और वे अपने निर्माता के लिए आनन्दपूर्वक चमकते हैं। वही हमारा ईश्वर है। कोई भी उसकी बराबरी नहीं कर सकता। उसने ज्ञान के मार्ग का पता लगाया और उसे अपने सेवक याकूब को, अपने परमप्रिय इस्राएल को बता दिया है। इस प्रकार प्रज्ञा पृथ्वी पर प्रकट हुई और उसने मनुष्यों के बीच निवास किया। प्रज्ञा यह है ईश्वर की आज्ञाओं का ग्रंथ, वह संहिता, जो सदा बनी रहेगी। जो उसका पालन करेगा, वह जीता रहेगा; जो उसे छोड़ देगा, वह मर जायेगा। हे याकूब की प्रजा! लौट कर उसे ग्रहण करो, उसके प्रकाश में महिमा की ओर आगे बढ़ो। न तो दूसरों को अपना गौरव दो और न विदेशियों को अपना विशेष अधिकार। हे इस्राएल! हम कितने सौभाग्यशाली है! ईश्वर की इच्छा हम पर प्रकट की गयी है।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन स्तोत्र 18, 8-11

अनुवाक्य: हे प्रभु! आपके ही शब्दों में अनन्त जीवन का संदेश है।

1. प्रभु का नियम सर्वोत्तम है। वह आत्मा में नवजीवन का संचार करता है। प्रभु की शिक्षा विश्वसनीय है। वह अज्ञानियों को समझदार बना देती है।

2. प्रभु के उपदेश सीधे- सादे हैं। वे हृदय को श्रानन्दित कर देते हैं। प्रभु की आज्ञाएं स्पष्ट है। वे आँखों को ज्योति प्रदान करती है।

3. प्रभु की वाणी परिशुद्ध है; वह अनन्तकाल तक बनी रहती ह। प्रभु के निर्णय सच्चे हैं; वे सब के सब न्यायसंगत हैं।

4. वे सोने से अधिक वांछनीय हैं, परिष्कृत सोने से भी अधिक वांछनीय वे मधु से भी अधिक मधुर हैं, पास्का काल छत्ते से टपकने वाले मधु से भी अधिक मधुर।

हम प्रार्थना करें: हे ईश्वर, तू विभिन्न राष्ट्रों को अपनी कलीसिया में सम्मिलित करता और निरंतर इसकी वृद्धि करता रहता है। जिन लोगों को तूने बपतिस्मा के जल से शुद्ध किया है, सदा उनकी रक्षा करते रहने की कृपा कर। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

सातवाँ पाठ

(यहूदी लोग देवमूर्तियों की पूजा करने के कारण अपवित्र हो गये थे। ईश्वर कहता है कि वह उन पर पवित्र जल छिड़क कर उन्हें फिर शुद्ध कर देगा। इसी तरह बपतिस्मा के जल द्वारा मनुष्य अपने पापों के दूषण से शुद्ध हो जाते हैं।)

नबी एजेकिएल का ग्रंथ 36: 16-28

"मैं तुम लोगों पर पवित्र जल छिड़का दूंगा और तुम्हें एक नया हृदय प्रदान करूंगा।"

प्रभु की वाणी यह कहती हुई मुझे सुनाई पड़ी, "मानव पुत्र! इस्राएल के लोगों ने अपने निजी देश में रहते समय, उसे अपने आचरण और व्यवहार से अशुद्ध कर दिया। उन्होंने देश में रक्त बहा कर और देवमूर्तियों को स्थापित कर उसे अपवित्र कर दिया, इसलिए मैंने उन पर अपना क्रोध प्रदर्शित किया। मैंने उन्हें राष्ट्रों में तितर- बितर कर दिया और वे विदेशों में बिखेर गये। मैंने उनके आचरण और व्यवहार के अनुसार उनका न्याय किया है। उन्होंने दूसरे राष्ट्रों में पहुँच कर मेरे पवित्र नाम का अनादर कराया। लोग उनके विषय कहते थे, "यह प्रभु की प्रजा है, फिर भी इन्हें अपना देश छोड़ना पड़ा। परन्तु मुझे अपने पवित्र नाम का ध्यान है, जिसका अनादर इस्राएलियों ने देश- विदेश में कराया है। इसलिए, इस्राएल की प्रजा से कहना 'प्रभु ईश्वर का कहना यह है इस्राएल की प्रजा! मैं जो करने जा रहा हूँ, वह तुम्हारे कारण नहीं करूंगा, बल्कि अपने पवित्र नाम के कारण, जिसका अनादर तुम लोगों ने देश- विदेश में कराया। मैं अपने महान् नाम की पवित्रता प्रमाणित करूंगा, जिस पर देश- विदेश में कलंक लग गया है और जिसका अनादर तुम लोगों ने वहां जा कर कराया है। जब मैं तुम लोगों के द्वारा राष्ट्रों के सामने अपने पवित्र नाम की महिमा प्रदर्शित करूंगा, तब वे जान जायेंगे कि मैं ही प्रभु हूँ। में लोगों को राष्ट्रों में से निकाल कर और देश- विदेश से इकट्ठा कर तुम्हारे निजी देश वापस ले जाऊँगा। में तुम लोगों पर पवित्र जल छिड़का दूंगा और तुम शुद्ध हो जाओगे। मैं तुम लोगों को तुम्हारी सारी अपवित्रता से और तुम्हारी सब देवमूर्तियों के दूषण से शुद्ध कर दूंगा। मैं तुम लोगों को एक नया हृदय दूंगा और तुम में एक नया आत्मा रख दूंगा। मैं तुम्हारे शरीर से पत्थर का हृदय निकाल कर तुम लोगों को रक्त- मांस का हृदय प्रदान करूंगा। मैं तुम लोगों में अपना आत्मा रख दूंगा, जिससे तुम मेरी संहिता पर चलोगे और ईमानदारी से मेरी आज्ञाओं का पालन करोगे। तुम लोग उस देश में निवास करोगे, जिसे मैंने तुम्हारे पुरखों को दिया है। तुम मेरी प्रजा होगे और मैं तुम्हारा ईश्वर होऊंगा"।

यह प्रभु की वाणी है।

स्तोत्र 41:3. 5: 42, 3.4

अनुवाक्य: हे ईश्वर! हरिणी जैसे जलधारा के लिए तरसती है, मेरी आत्मा बसे ही तेरे लिए तरसती है।

1. मेरी आत्मा ईश्वर की जीवन्त ईश्वर की प्यासी है। मैं कब जा कर ईश्वर के दर्शन करूंगा?

2. मैं तीर्थयात्रियों के साथ- साथ आनन्द और स्तुति के गीत गाते हुए, अपने ईश्वर के भव्य निवास, उसके पवित्र मंदिर तक जाऊँगा।

3. अपनी ज्योति और अपना सत्य भेज दे। वे मुझे मार्ग दिखायें और मुझे तेरे पवित्र पर्वत तक, तेरे निवासस्थान तक पहुँचा दें।

4. मैं ईश्वर की वेदी के पास जाऊँगा, ईश्वर के पास, जो मेरा आनंद है। मैं वीणा बजा कर अपने प्रभु ईश्वर की स्तुति करूंगा।

हम प्रार्थना करें: हे ईश्वर, तेरी शक्ति अक्षय और ज्योति अनंत है। सारी कलीसिया तेरा अद्भुत संस्कार है। इस पर दयादृष्टि डाल और मानव-मुक्ति का कार्य अपने शाश्वत विधान के अनुसार शांतिपूर्वक चलने दे। समस्त संसार यह अनुभव करे और आँखों से देख ले कि पतितों का उत्थान हो रहा है और सारी सृष्टि उस मुक्तिदाता ख्रीस्त के द्वारा पूर्णता प्राप्त कर रही है, जो युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

अथवा

हे ईश्वर, पुराने और नये व्यवस्थान के पाठों से तू हमें पास्का-महोत्सव मनाने के लिए तैयार करता है। हमें कृपा दे कि हम तेरी असीम दया को समझ सकें और तेरा वरदान प्राप्त करके भावी वरदानों की दृढ़ आशा करते रहें। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

पास्का - जागरण की मिस्सा

महिमा गान

महिमा, महिमा, महिमा, ऊँचे नभ में महिमा,
धन्य धन्य कहते गुण गाते, धन्य तुझे हम कहते हैं,
तेरी आराधना करते हैं हम, तेरी स्तुति सब गाते हैं।
सर्व शक्तिमान पिता परमेश्वर, स्वर्ग लोक के स्वामी है,
येसु खीस्त इकलौते पुत्र है, तेरा गुण सब गाते हैं।
जगत के सारे पाप के हारक, हम पर दया तू रखना सदा,
पिता के दायें विराजता तू, विनती हमारी सुन ले प्रभु।

पवित्र आत्मा के संग तू है, पावन तू ही प्रभु है,
पिता की महिमा सर्वोपरि है, तेरी महिमा होती रहे।

पु०: स्वर्ग में ईश्वर की महिमा,

सब: और पृथ्वी पर उसके कृपापात्रों को शान्ति। हम तेरी प्रशंसा करते हैं, तुझे धन्य कहते हैं, तेरी आराधना करते हैं और तेरी महिमा गाते हैं। हम तेरी परम महिमा के कारण तेरा गुणगान करते हैं। हे प्रभु ईश्वर, स्वर्ग के स्वामी, सर्वशक्तिमान पिता ईश्वर। हे प्रभु! एकलौते पुत्र, येसु ख्रीस्त! हे प्रभु ईश्वर, ईश्वर के मेमने, पिता के पुत्र! तू संसार के पाप हर लेता है, हम पर दया कर तू संसार के पाप हर लेता है, हमारा निवेदन स्वीकार कर। तू पिता की दाहिनी ओर विराजमान है, हम पर दया कर। क्योंकि तू ही पवित्र है, तू ही प्रभु है। तू ही येसु ख्रीस्त पवित्र आत्मा के पिता ईश्वर की महिमा में सर्वोच्च है। **आमेन।**

हम प्रार्थना करें: हे ईश्वर, तूने पुनर्जीवित प्रभु की महिमा से इस परम पवित्र रात्रि को ज्योतिर्मय कर दिया है। अपनी कलीसिया में दत्तक पुत्र-पुत्रियों का मनोभाव जगाये रख, ताकि हम शरीर तथा आत्मा में नवीन बनकर तेरी सच्ची सेवा कर सकें। हमारे प्रभु तेरे पुत्र येसु ख्रीस्त के द्वारा जो तेरे तथा पवित्र आत्मा के संग एक ईश्वर होकर युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

पाठ

(जो बपतिस्मा ग्रहण करता है, वह विश्वास करता है कि प्रभु येसु ने अपनी मृत्यु के द्वारा हमें पाप पर विजय पाने की शक्ति दी है। इसलिए बपतिस्मा ग्रहण करने के बाद हमें एक नया जीवन जीना चाहिए, जो ईश्वर को समर्पित और निष्पाप हो।)

रोमियों के नाम संत पौलुस का पत्र 6: 3-11

"मसीह मृतकों में से जी उठ कर फिर कभी नहीं मरेंगे।"

भाइयो! येसु मसीह का जो बपतिस्मा हम सबों को मिला है, वह उनकी मृत्यु का बपतिस्मा है। हम उनकी मृत्यु का बपतिस्मा ग्रहण कर उनके साथ इसलिए दफनाये गये हैं कि जिस तरह मसीह पिता के सामर्थ्य से मृतकों में से जी उठे हैं, उसी तरह हम भी एक नया जीवन जीयें। यदि हम इस प्रकार उनके साथ मर कर उनके साथ एक हो गये हैं, तो हमें भी उन्हीं की तरह जी उठना चाहिए। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि हमारा पुराना स्वभाव उन्हीं के साथ क्रूस पर चढ़ाया जा चुका है, जिससे पाप का शरीर मर जाये और हम फिर पाप के दास न बनें; क्योंकि जो मर चुका है, वह पाप की गुलामी से मुक्त हो जाता है। हमें विश्वास है कि यदि हम मसीह के साथ मर गये हैं, तो हम उन्हीं के जीवन के भी भागी होंगे। क्योंकि हम जानते हैं कि मसीह मृतकों में से जी उठ कर फिर कभी नहीं मरेंगे। अब मृत्यु का उन पर कोई वश नहीं। वह पाप का हिसाब चुकाने के लिए एक बार मर गये और अब वह ईश्वर के लिए ही जीते हैं। आप लोग भी अपने को ऐसा ही समझिए- पाप के लिए मरा हुआ और येसु मसीह में ईश्वर के लिए जीवित।

यह प्रभु की वाणी है।

भजन स्तोत्र 117: 1-2.16-17.22-23

अनुवाक्य: अल्लेलूया, अल्लेलूया, अल्लेलूया!

1. प्रभु का धन्यवाद करो, क्योंकि वह भला है। "उसका प्रेम अनंतकाल तक बना रहता है।" इस्राएल का घराना यह कहता जाये- "उसका प्रेम अनंतकाल तक बना रहता है।"

2. प्रभु के दाहिने हाथ ने अपना बल दिखाया है; उसके दाहिने हाथ ने मेरा उद्धार किया है। मैं नहीं मरूँगा, मैं जीवित रहूँगा और प्रभु के कार्यों का बखान करूँगा।

3. कारीगरों ने जिस पत्थर को निकाल दिया था, वही कोने का पत्थर बन गया है। यह प्रभु का कार्य है, यह हमारी दृष्टि में अपूर्व है।

अंतर भजन

मृत्यु के बंधन तोड़कर
प्रभु जी उठे हैं
नवजीवन पाकर पिता से
प्रभु जी उठे हैं
आल्लेलूया आल्लेलूया

आनंद मनाओ प्रभु ने हर लिये पाप हमारे
क्रूस की पीड़ा उसने उठायी
जन जन के खातिर प्रभु प्यारे
विजयी हुए वो नवजीवन पाकर।

खुशी मनाओ प्रभु ने दिया शांति अभिवादन
पावन किया हमें पवित्र आत्मा से
बस गये तन मन में प्रभु पावन
धन्य हुए हम नवजीवन पाकर।

सुसमाचार

(नारियों से यह सुन कर कि येसु की कब्र खाली है और कि स्वर्गदूत उन्हें जीवित बताते हैं, शिष्यों को विश्वास नहीं हुआ। किन्तु बाद में अपनी ही आँखों से येसु को देख कर उन्हें विश्वास हो गया और वे संसार में पुनर्जीवित येसु का संदेश फैलाने लगे।)

संत लूकस के अनुसार पवित्र सुसमाचार 24: 1-12

"आप लोग जीवित को मृतकों में क्यों ढूँढ़ती हैं?"

सप्ताह के प्रथम दिन, पौ फटते ही, नारियाँ तैयार किये हुए सुगंधित द्रव्यों को लेकर कब्र के पास गयीं। उन्होंने पत्थर को कब्र से अलग लुढ़काया हुआ पाया, किंतु भीतर जाने पर उन्हें प्रभु येसु का शव नहीं मिला। वे इस पर आश्चर्य कर रही थीं कि उजले वस्त्र पहने दो पुरुष उनके पास आकर खड़े हो गये। स्त्रियों ने भयभीत होकर धरती की ओर सिर झुका लिया। उन पुरुषों ने उनसे कहा, "आप लोग जीवित को मृतकों में क्यों ढूढ़ती हैं? वह यहाँ नहीं हैं, वह जी उठे हैं। गलीलिया में रहते समय उन्होंने आप लोगों से जो कहा था, वह याद कीजिए। उन्होंने यह कहा था कि मानव पुत्र को पापियों के हवाले कर दिया जाना होगा, क्रूस पर चढ़ाया जाना और तीसरे दिन जी उठना होगा।" तब स्त्रियों को येसु का यह कथन याद आया। कब्र से लौट कर मरियम मगदलेना, योहन्ना और याकूब की माता मरियम ने यह सब ग्यारहों और दूसरे शिष्यों को भी बताया। जो अन्य नारियाँ उनके साथ थीं, उन्होंने भी प्रेरितों से यही कहा, परन्तु उन्होंने इन सब बातों को प्रलाप ही समझा और स्त्रियों पर विश्वास नहीं किया। फिर भी पेत्रुस उठ कर दौड़ते हुए कब्र के पास पहुँचा। उसने झुक कर देखा कि पट्टियों के अतिरिक्त वहाँ कुछ भी नहीं है और वह इस पर आश्चर्यचकित होकर चला गया।

यह प्रभु का सुसमाचार है।

तीसरा भाग: बपतिस्मा-समारोह

(बपतिस्मा - जल की आशिष और बपतिस्मा की प्रतिज्ञाएँ दुहराना)

यदि बपतिस्मा के उम्मीदवार उपस्थित हों,

पु०: प्रिय मित्रो, आइए हम बपतिस्मा के इन उम्मीदवारों के लिए एकाग्र मन से प्रार्थना करें, ताकि इनकी धन्य आशा को बढ़ावा मिले और जब ये नवजन्म के लिए जलकुण्ड की ओर आगे बढ़ें, तो सर्वशक्तिमान् पिता दयापूर्वक इनकी सहायता करे।

यदि बपतिस्मा के उम्मीदवार उपस्थित न हो और केवल बपतिस्मा-कुण्ड की आशीष करनी हो,

पु०: प्रिय भाई- बहनो, हम दीनतापूर्वक सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर से निवेदन करें कि वह इस जल- कुंड को आशिष दे, जो इसमें नवजन्म पायेंगे उनकी गिनती ख्रीस्त के साथ ईश- पुत्र- पुत्रियों में की जाये।

पु०: प्रभु, तू अपनी अदृश्य शक्ति से संस्कारों के चिह्न द्वारा अद्भुत फल उत्पन्न करता है। तूने जल को बहुविध तैयार किया कि वह बपतिस्मा की कृपा प्रकट करे। सृष्टि के आरंभ में तेरा आत्मा जल पर गतिमान् था कि उस काल में भी जल को पावनकारी शक्ति प्राप्त हो। तूने जलप्रलय को नवजीवन का प्रतीक बनाया कि वही जल बुराई का अन्त और पवित्र आत्मा का उद्गम दोनों सूचित करें। तेरी शक्ति से इब्राहीम के वंशजों ने सूखे पाँव लाल सागर पार किया कि तेरी प्रजा, फराऊन की गुलामी से मुक्त होने पर, बपतिस्मा प्राप्त लोगों का प्रतीक बने। तेरे पुत्र ने यर्दन नदी में योहन से बपतिस्मा लिया। वे पवित्र आत्मा से अभ्यंजित हुये; और क्रूस पर लटकते समय उन्होंने अपने पंजर से रक्त के साथ साथ जल बहाया। तब उन्होंने अपने पुनरुत्थान के बाद शिष्यों को आज्ञा दी- "जाओ, सब जातियों को शिष्य बनाओ, उनको पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम पर बपतिस्मा दो।"

हे पिता, तू अपनी कलीसिया पर दयादृष्टि डाल, और उसके लिये बपतिस्मा का जल- कुंड खोल दे। पवित्र आत्मा की शक्ति से, यह जल तेरे एकमात्र पुत्र की कृपा ग्रहण करे। मनुष्य तेरा प्रतिरूप बनाया गया था, वह, बपतिस्मा संस्कार द्वारा समस्त पापपंक से स्वच्छ होकर, जल तथा पवित्र आत्मा से नवजीवन प्राप्त करे।

हे प्रभु, अपने पुत्र के द्वारा इस जल में पवित्र आत्मा की शक्ति भेज, (तीन बार पानी में पास्का मोमबत्ती को डुबाते हुए) कि सबके सब, जो बपतिस्मा के द्वारा ख्रीस्त के साथ मरते और दफनाये जाते हैं, उनके साथ जी उठें और नया जीवन जीयें, उन्हीं हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा। **आमेन।**

स्तुति-विनती

हे प्रभु, दया कर।	हे प्रभु, दया कर।
हे ख्रीस्त, दया कर।	हे ख्रीस्त, दया कर।
हे प्रभु, दया कर।	हे प्रभु, दया कर।
संत मरियम, ईश्वर की माँ	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत मिखाएल	हमारे लिए प्रार्थना कर।
ईश्वर के स्वर्गदूतगण	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत योहन बपतिस्ता	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत योसेफ	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत पेत्रुस और पौलुस	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत अंद्रेयस	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत योहन	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत मरियम मग्दलेना	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत स्तेफनुस	हमारे लिए प्रार्थना कर।
अंताखिया के संत इग्नासियुस	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत लोरेन्स	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत पेरपेतुआ और फेलिसितास	हमारे लिए प्रार्थना कर।

संत आग्नेस	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत ग्रेगोरी	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत अगस्टीन	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत अथनासिउस	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत बासिल	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत मार्टिन	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत बेनेदिक्त	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत फ्रांसिस और दोमिनिक	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत फ्रांसिस (जेवियर)	हमारे लिए प्रार्थना कर।
संत योहन मरिया (वियन्नी)	हमारे लिए प्रार्थना कर।
सिएन्ना की संत कथरिना	हमारे लिए प्रार्थना कर।
येसु की संत तेरेसा	हमारे लिए प्रार्थना कर।
सब धर्मा नर-नारियाँ	हमारे लिए प्रार्थना कर।
प्रभु, दयालु होकर,	प्रभु, हमलोगों को बचा।
हर बुराई से	प्रभु, हमलोगों को बचा।
हर पाप से	प्रभु, हमलोगों को बचा।
अनंत मृत्यु से	प्रभु, हमलोगों को बचा।
अपने देहधारण द्वारा	प्रभु, हमलोगों को बचा।
अपनी मृत्यु और पुनरुत्थान द्वारा	प्रभु, हमलोगों को बचा।
पवित्र आत्मा के प्रवाह द्वारा	प्रभु, हमलोगों को बचा।
हम पापियों पर दया कर,	प्रभु, हमारी विनती सुन।

यदि बपस्मिा के उम्मीदवार उपस्थित हों,

बपतिस्मा की कृपा द्वारा इन चुने हुओं को नवजन्म प्रदान कर

यदि बपतिस्मा उम्मीदवार उपस्थित न हों,

इस जलकुण्ड को, जिसमें तेरे पुत्र-पुत्रियाँ नवजन्म लेंगे — अपनी कृपा से पवित्र कर

येसु, जीवंत ईश्वर के पुत्र — अपनी कृपा से पवित्र कर

ख्रीस्त, हमारी विनती सुन, — ख्रीस्त, हमारी विनती सुन

ख्रीस्त, कृपापूर्वक हमारी विनती सुन। — ख्रीस्त, कृपापूर्वक हमारी विनती सुन।

यदि वपतिस्मा के उम्मीदवार उपस्थित हों, तो पुरोहित अपने हाथों को फैलाए हुए बोलते हैं:

हे सर्वशक्तिमान् सदा-जीवंत ईश्वर, अपने अद्भुत एवं महान् प्रेम के कारण उपस्थित हो जा और नवजन्म प्राप्ति के लिए बपतिस्मा-कुण्ड पर लाये गये लोगों पर अपने पवित्र आत्मा की शक्ति भेज दे। जो संस्कार हमने विनम्र सेवा द्वारा सम्पन्न किया है, वह तेरे अपार सामर्थ्य से पूर्णता तक पहुँच सके। हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

बपतिस्मा-जल की आशीष

पु०: हे ईश्वर, तू अपनी अदृश्य शक्ति से सांस्कारिक चिह्नों द्वारा अद्भुत फल उत्पन्न करता है। तूने जल को बहुविध रीति से तैयार किया है कि वह बपतिस्मा की कृपा प्रकट करे;

हे ईश्वर, सृष्टि के आरम्भ में तेरा आत्मा जल पर मंडराता था, ताकि उस काल में भी जल को पवित्रकारी शक्ति प्राप्त हो;

हे ईश्वर, तूने जलप्रलय को नवजन्म का प्रतीक बनाया, ताकि वही जल बुराई का अंत और सद्गुणों का उद्गम सूचित करे।

हे ईश्वर, तेरी शक्ति से इब्राहीम के वंशजों ने सूखे पाँव लाल सागर पार किया, ताकि तेरी चुनी हुई प्रजा फिराउन की दासता से मुक्त होकर बपतिस्मा प्राप्त लोगों का प्रतीक बने।

हे ईश्वर, तेरे पुत्र ने यर्दन नदी में योहन से बपतिस्मा लिया। वह पवित्र आत्मा से अभ्यंजित हुए और क्रूस पर लटकते समय उन्होंने अपनी बगल से रक्त के साथ जल बहाया। अपने पुनरुत्थान के बाद उन्होंने शिष्यों को आज्ञा दी:

"जाओ, सब राष्ट्रों को शिष्य बनाओ; पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम पर उन्हें बपतिस्मा दो।"

अपनी कलीसिया पर दयादृष्टि डाल और उसके लिए बपतिस्मा का स्रोत खोल दे।

पवित्र आत्मा की शक्ति से यह जल तेरे इकलौते पुत्र की कृपा पाये, ताकि जो मुनष्य तेरा प्रतिरूप बनाया गया था, वह बपतिस्मा संस्कार द्वारा सारे पापों से शुद्ध होकर जल और पवित्र आत्मा द्वारा नवजन्म प्राप्त करे।

यदि यथोचित हो, तो पुरोहित पास्का मोमबत्ती को जल में एक या तीन बार डूबोते हुए जारी रखते हैं:

हे प्रभु, अपने पुत्र के द्वारा इस जलकुण्ड में पवित्र आत्मा की प्रचुर शक्ति भेज दे,

और वे मोमबत्ती को पानी में डूबोते हुए जारी रखते हैं:

ताकि जो लोग बपतिस्मा द्वारा ख्रीस्त के साथ मरते और दफ़नाये जाते हैं, वे उन्हीं के साथ फिर से जी उठें। हम यह प्रार्थना करते हैं, उन्हीं हमारे प्रभु तेरे पुत्र येसु ख्रीस्त के द्वारा जो तेरे तथा पवित्र आत्मा के संग एक ईश्वर होकर युगानुयुग जीते और राज्य करते हैं।

सब: आमेन।

तब मोमबत्ती पानी से ऊपर उठायी जाती है और लोग घोषित करते हैं:

जल के झरनो! प्रभु को धन्य मानो, युगानुयुग उसकी स्तुति और गुणगान करो।

पवित्र जल की आशिष

यदि बपतिस्मा का कोई उम्मीदवार न हो और जलकुण्ड की आशीष भी नहीं की जानी हो, तो पुरोहित जल की आशीष के विषय में लोगों को सम्बोधित करते हुए बोलते हैं:

पु०: प्रिय भाइयो-बहनो हम अपने प्रभु ईश्वर से दीनतापूर्वक निवेदन करें कि वह इस जल को आशीष दे, जिसे बपतिस्मा की स्मृति में हम पर छिड़का जाएगा। प्रभु कृपापूर्वक हमें नवीन बना दे, ताकि हम उस पवित्र आत्मा के प्रति सदा ईमानदार बने रहें, जिसे हमने बपतिस्मा में ग्रहण किया है।

कुछ क्षण मौन धारण के बाद वे अपने हाथों को फैलाए हुए निम्नलिखित प्रार्थना बोलते हैं:

हे प्रभु हमारे ईश्वर, तेरी प्रजा इस परम पवित्र रात में जागरण कर रही है, इसकी सहायता कर। हम स्मरण कर रहे हैं कि तूने अद्भुत रीति से हमारी सृष्टि की और उससे भी अद्भुत रीति से हमारा उद्धार किया, तू इस जल पर आशीष देने की कृपा कर। तूने जल की सृष्टि की, ताकि यह भूमि को उपजाऊ बनाये, हमारे शरीर को स्वच्छ करे और हमारी प्यास बुझाये। तूने जल के द्वारा अपनी दया भी प्रकट की है : तूने अपनी प्रजा को लाल सागर पार उतारकर उसे दासता की बेड़ियों से मुक्त किया और मरुभूमि में उसकी प्यास बुझायी; जल के प्रतीक द्वारा नबियों ने घोषित किया जब ख्रीस्त ने यर्दन का जल पवित्र किया, तो तूने उसी जल के द्वारा हमारे दूषित स्वभाव को नवजन्म के स्नान से नवीन कर दिया है।

यह जल हमें अपने बपतिस्मा की याद दिलाये, कि तू मानवजाति के साथ नया विधान स्थापित करेगा, ताकि हम अपने भाई-बहनों के साथ आनंद मना सकें, जिन्होंने पास्का-महोत्सव में बपतिस्मा ग्रहण किया है। ऐसी कृपा कर, हमारे प्रभु ख्रीस्त के द्वारा।

सब: आमेन।

बपतिस्मा-प्रतिज्ञाओं का नवीनीकरण

पु०: प्रिय भाइयो-बहनो पास्का संस्कार के द्वारा हम बपतिस्मा में ख्रीस्त के साथ दफ़ना दिये गये हैं, ताकि हम उन्हीं के साथ नया जीवन जी सकें। इसलिए चालीसा की तपस्या समाप्त होने पर आइए, हम अपने पवित्र बपतिस्मा की प्रतिज्ञाएँ दुहराएँ। इनके द्वारा हमने शैतान और उसके कार्यों को छोड़ दिया है और पवित्र काथलिक कलीसिया में ईश्वर की सेवा करने का संकल्प किया है। इसलिए, मैं आपलोगों से पूछता हूँ:

पु०: क्या आपलोग शैतान का परित्याग करते हैं?

सब: जी हाँ, मैं करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग शैतान के सभी कार्यों का परित्याग करते हैं?

सब: जी हाँ, मैं करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग शैतान के सभी प्रपंचों का परित्याग करते हैं?

सब: जी हाँ, मैं करता / करती हूँ।

अथवा

पु०: क्या आपलोग पाप का परित्याग करते हैं, ताकि ईश्वर के पुत्र-पुत्रियों का स्वतंत्र जीवन बिता सकें?

सब: जी हाँ, मैं करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग बुराई के प्रलोभनों का परित्याग करते हैं, ताकि आपलोगों पर पाप का वश न चले?

सब: जी हाँ, मैं करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग शैतान का परित्याग करते हैं, जो पाप का मूल और खलनायक है?

सब: मैं विश्वास करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग स्वर्ग और पृथ्वी के सृष्टिकर्ता सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर पर विश्वास करते हैं?

सब: मैं विश्वास करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग ईश्वर के इकलौते पुत्र, प्रभु येसु ख्रीस्त में विश्वास करते हैं, जो कुँवारी मरियम से जन्मे, क्रूस पर मरे, दफ़नाये गये और पुनर्जीवित होकर पिता के दाहिने विराजमान हैं?

सब: मैं विश्वास करता / करती हूँ।

पु०: क्या आपलोग पवित्र आत्मा, पवित्र काथलिक कलीसिया, धर्मियों की सहभागिता, पापों की क्षमा, देह के पुनरुत्थान और अनंत जीवन में विश्वास करते हैं?

सब: मैं विश्वास करता / करती हूँ।

और पुरोहित समापन करते हैं:

पु०: हमारे प्रभु ख्रीस्त के पिता, सर्वशक्तिमान् ईश्वर ने हमें जल तथा पवित्र आत्मा द्वारा नवजन्म और पापों की क्षमा दी है। वही हमें अपनी कृपा द्वारा प्रभु येसु ख्रीस्त में अनंत जीवन तक सुरक्षित रखे।

सब: आमेन।

(पुरोहित विश्वासीगण पर आशिष का नया जल छिड़कते हैं और सब लोग गाते हैं:)

अग्रस्तव: देखा जल मैंने मंदिर के दाएँ से बहते, अल्लेलूया।

पहुँचा पास वह जल जब जिनके मुक्त हुए थे, अल्लेलूया, अल्लेलूया गाते हैं॥

विश्वासियों के निवेदन

पु०: प्रिय भाई-बहनो, येसु ख्रीस्त के दुःखभोग, मरण और पुनरुत्थान की भविष्यवाणी पूर्ण हो गयी है और पाप तथा बुराई की ताकतों पर जो मनुष्य का दमन करती है पर विजय प्राप्त कर ली है। अतः हम विश्वास के साथ प्रार्थना करें ताकि ईश्वर हमारी प्रार्थनाओं को कभी अनसुनी न करें और कहें:

सब: हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

1. हमारे संत पिता, सभी धर्माध्यक्ष, पुरोहितगण एवं धर्मसंघी कलीसिया के गड़रिये के रूप में अपने कर्त्तव्यों को भली-भाँति पूरा कर सकें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

2. येसु का पुनरुत्थान कलीसिया की स्थापना का आधार है। सभी ख्रीस्तीय पुनरुत्थान के विश्वास से अपने को दोबारा ईश्वर के लिए समर्पित कर शुभ- संदेश के वाहक बन सकें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

3. पुनर्जीवित येसु ख्रीस्त को देख कर सभी शिष्य आनंद विभोर हो गये। सभी ख्रीस्तीय पास्का के आनंद से विभोर हो कर अपने जीवन को खुशी से जीयें और सदैव ईश्वर का धन्यवाद करें जिसने सबों को फिर से नवजीवन प्रदान किया है। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

4. पुनरुत्थान के बाद प्रेरितों को बोलने और करने की शक्ति प्राप्त हुई। सभी ख्रीस्तीय पवित्रात्मा से बल प्राप्त कर पास्का के विश्वास का साक्ष्य दे सकें। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

5. विश्वास एक वरदान है। जिसे भी यह वरदान मिलता है या जो इसे ग्रहण करता है, वह इसे न खोये बल्कि दूसरों के लिए अपने जीवन द्वारा प्रेरणा का श्रोत बने। इसके लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं।

(निजी प्रार्थनाएँ)

पु०: हे पिता ईश्वर, तूने येसु ख्रीस्त को पुनर्जीवित कर उसे जीवितों और मृतकों का न्यायकर्ता घोषित किया है। तेरे दाहिने विराजमान हो कर वह सक्रिय रूप से इस कलीसिया के मिशन कार्य में आज भी शामिल है। हमें ऐसी कृपा दे कि हम पास्का के आनंद और शांति को चारों तरफ फैला सकें। हम यह प्रार्थना करते हैं, प्रभु ख्रीस्त के द्वारा। **आमेन।**

चढ़ावा

मेरा जीवन तेरा दान, तुझे अर्पण भगवन,
अपना लो मेरा तन, मेरा मन भंगवन।

सुख-दुःख की यह रोटी लाये हम वेदी पर-2
बदलो इसे अब अपने शरीर में प्रभु,

एक बने यह तेरे साथ-तेरे साथ।
दाखरस का यह कटोरा, अर्पित हैं चरणों में -2
बदलो इसे अब अपने लहू में प्रभु,
ग्रहण करें हम सब के साथ-सब के साथ।

चौथा भाग: यूखरिस्तीय समारोह

पु०: धन्य है तू, सकल सृष्टि के प्रभु ईश्वर! यह रोटी, जिसे हम तुझे चढ़ाते हैं, हमें तेरी उदारता से मिली है। यह पृथ्वी की उपज है और मनुष्य के परिश्रम का फल, यह हमारे लिए जीवन की रोटी बन जाएगी।

सब: धन्य हो ईश्वर, अनंत काल तक!

पु०: धन्य है तू, सकल सृष्टि के प्रभु ईश्वर! यह दाखरस, जिसे हम तुझे चढ़ाते हैं, हमें तेरी उदारता से मिला है। यह दाखलता की उपज है और मनुष्य के परिश्रम का फल, यह हमारे लिए आध्यात्मिक पेय बन जाएगा।

सब: धन्य हो ईश्वर, अनंत काल तक!

पु०: भाइयो और बहनो, प्रार्थना कीजिए कि सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर मेरा और आपलोगों का यह बलिदान स्वीकार करे।

सब: प्रभु अपने नाम की स्तुति तथा महिमा के लिए और हमारे तथा अपनी समस्त पवित्र कलीसिया के लाभ के लिए आपके हाथों से यह बलिदान स्वीकार करे।

अर्पण- प्रार्थना

हे प्रभु, इन बलिदानों के साथ अपनी प्रजा की प्रार्थनाएँ भी स्वीकार कर। जो कुछ पास्का संस्कार में आरम्भ हुआ है, वह तेरे सामर्थ्य से हमें अनंत चंगाई प्रदान करे। हमारी विनती सुन ले, हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा।

अवतरणिका: पास्का रहस्य

पु०: प्रभु आपलोगों के साथ हो। **सब:** और आपकी आत्मा के साथ।

पु०: प्रभु में मन लगाइए। **सब:** हम प्रभु में मन लगाए हुए हैं।

पु०: हम अपने प्रभु ईश्वर को धन्यवाद दें। **सब:** यह उचित और न्यायसंगत है।

हे प्रभु, यह वास्तव में उचित और न्यायसंगत है, हमारा कर्त्तव्य तथा कल्याण है कि हम सदा-सर्वदा और विशेष करके (इस रात में / इस दिन / इस अवसर पर) अधिक गौरव के साथ तेरा गुणगान करें, जब खीस्त हमारे पास्का का मेमना बलि चढ़ाये गये हैं।

ये ही हैं सच्चा मेमना, जिन्होंने संसार का पाप हर लिया है; इन्होंने मृत्यु सहकर हमारी मृत्यु नष्ट कर दी और पुनर्जीवित होकर हमें नवजीवन प्रदान किया है।

इसलिए, पास्का के आनंद से विभोर होकर हर देश और जाति के लोग तेरी प्रशंसा में उल्लसित होते और स्वर्गिक शक्तियाँ दूतों की सेनाओं के साथ मिलकर निरंतर तेरी महिमा का बखान करती हैं:

पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु विश्वमण्डल के ईश्वर! स्वर्ग और पृथ्वी तेरी महिमा से परिपूर्ण हैं। धन्य हैं वे, जो प्रभु के नाम पर आते हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना!धन्य हैं वे, जो प्रभु के नाम पर आते हैं। सर्वोच्च स्वर्ग में होसन्ना!

पावन पावन पावन

प्रभु तू ही पावन है
प्रभु तू ही पावन है, प्रभु तू ही जीवन है
सर्वशक्तिमान परमेश्वर का तू है इकलौता
होसान्ना होसान्ना -4

महिमा उसकी न्यारी है, महिमा उसकी प्यारी है
दूतों के संग हम मिलकर, सब गायें होसान्ना।

धन्य है जो आया है, धन्य है जो आयेगा
ऊँचे स्वरों से मिलकर, हम गायें होसान्ना।
होसान्ना होसान्ना -4

C हे प्रभु, तू वास्तव में पवित्र है, सारी पवित्रता का स्रोत है।

CC हम तुझसे प्रार्थना करते हैं: तू इन उपहारों को अपने आत्मा के संस्पर्श से पवित्र कर देकि ये हमारे प्रभु येसु खीस्त के शरीर तथा रक्त बन जाएँ।जब वे स्वेच्छा से मृत्यु के लिए सौंपे गयेउन्होंने रोटी ली, तुझे धन्यवाद दिया और रोटी तोड़कर उसे अपने शिष्यों को देते हुए कहा:

तुम सब इसे लो और इसमें से खाओ, क्योंकि यह मेरा शरीर है, जो तुम्हारे लिए बलि चढ़ाया जाएगा।

इसी भाँति, भोजन के बादउन्होंने कटोरा लिया, तुझे धन्यवाद दिया और उसे अपने शिष्यों को देते हुए कहा:

तुम सब इसे लो और इसमें से पिओ, क्योंकि यह मेरे रक्त का कटोरा है,नवीन और अनंत व्यवस्थान का रक्त, जो तुम्हारे और बहुतों के पापों की क्षमा के लिए बहाया जाएगा।तुम मेरी स्मृति में यह करो।

C विश्वास का रहस्य।

सब: हे प्रभु, हम तेरी मृत्यु और पुनरुत्थान की घोषणा तेरे पुनरागमन तक करते रहेंगे।

अथवा

हे प्रभु, जब हम यह रोटी खाते और यह कटोरा पीते हैं, तेरे पुनरागमन तक तेरी मृत्यु की घोषणा करते हैं।

अथवा

हे विश्व के उद्धारकर्त्ता, हमारा उद्धार कर। तूने अपने क्रूस तथा पुनरुत्थान द्वारा हमें मुक्त किया है।

CC इसलिए, हे प्रभु, हम ख्रीस्त की मृत्यु और पुनरुत्थान की स्मृति में तुझे जीवन की रोटी और मुक्ति का कटोरा चढ़ाते हैं; हम तुझे धन्यवाद देते हैं कि तूने हमें अपने सम्मुख उपस्थित होने और अपनी सेवा करने का सौभाग्य प्रदान किया है। हमारा नम्र निवेदन हैकि हम सब ख्रीस्त का शरीर और रक्त ग्रहण करके पवित्र आत्मा के द्वारा एकता के सूत्र में बँधे रहें।

C1 हे प्रभु, हमारे संत पिता (नाम), हमारे धर्माध्यक्ष (नाम) और सभी याजकों के साथ विश्व भर में फैली अपनी कलीसिया की सुधि ले , तथा इसे प्रेम में सिद्ध बना दे।हे प्रभु, अपने सेवक (अपनी सेविका) (नाम) की सुधि ले जिनको तूने (आज) इस लोक से अपने यहाँ बुला लिया है, इन्हें यह वर दे कि जैसे ये बपतिस्मा में तेरे पुत्र की मृत्यु के (की) सहभागी हुए थे (हुई थीं) ,वैसे ही उनके पुनरुत्थान का भी सौभाग्य प्राप्त करें।

C2 हमारे उन भाई-बहनों की भी सुधि ले, जो पुनरुत्थान की आशा में परलोक सिधार चुके हैं, उन्हें और सभी मृतकों को अपने दर्शन का सौभाग्य प्रदान कर। हम सब पर दयादृष्टि डाल कि हम भी अनंत जीवन के सहभागी बनें और ईश्वर की माता धन्य कुँवारी मरियम, उनके वर धन्य योसेफ, धन्य प्रेरितों तथा सब संतों के साथ, जो युग-युग में तेरे प्रति विश्वस्त बने रहे, तेरी स्तुति और महिमा कर सकेंतेरे पुत्र येसु ख्रीस्त के द्वारा।

CC इन्हीं प्रभु ख्रीस्त के द्वारा, इन्हीं के साथ और इन्हीं में, हे सर्वशक्तिमान् पिता ईश्वर, पवित्र आत्मा के साथ, सारा गौरव तथा सम्मान युगानुयुग तेरा ही है। **सब:** आमेन।

कम्यूनियन-विधि

पु०: हम सब मिलकर पिता ईश्वर से प्रार्थना करें, जैसे प्रभु येसु ने हमें सिखाया है:

सब: हे हमारे पिता, जो स्वर्ग में है,तेरा नाम पवित्र माना जाये,तेरा राज्य आये,तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में, वैसे पृथ्वी पर भी पूरी हो।हमारा प्रतिदिन का आहार आज हमें देऔर हमारे अपराध हमें क्षमा करजैसे हम भी अपने अपराधियों को क्षमा करते हैं , और हमें परीक्षा में न डाल, परन्तु बुराई से बचा।

पु०: हे प्रभु, हम तुझसे प्रार्थना करते हैं: सभी बुराइयों से हमें बचाऔर इस जीवन में हमें कृपापूर्वक शांति प्रदान कर।हम तेरी दया से सदा पाप से दूर और हर विपत्ति से सुरक्षित रहेंऔर उस दिन की प्रतीक्षा करते रहें ,जब हमारे मुक्तिदाता येसु ख्रीस्त फिर आकर हमारी धन्य आशा पूरी करेंगे।

सब: क्योंकि तेरा राज्य, तेरा सामर्थ्य और तेरी महिमा अनंत काल तक बनी रहती है।

पु०: हे प्रभु येसु ख्रीस्त, तूने अपने प्रेरितों से कहा है: 'मैं तुम्हारे लिए शांति छोड़ जाता हूँ, अपनी शांति तुम्हें प्रदान करता हूँ। तू हमारे पापों पर नहीं, अपनी कलीसिया के विश्वास पर दृष्टि डाल, और कृपापूर्वक उसे शांति तथा एकता प्रदान कर तू युगानुयुग जीता और राज्य करता है। **सब:** आमेन।

पु०: प्रभु की शांति सदा आपलोगों के साथ हो। **सब:** और आपकी आत्मा के साथ। **पु०:** परस्पर शांति- अभिवादन कीजिए।

सब:

हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर।
हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हम पर दया कर।
हे ईश्वर के मेमने, तू संसार के पाप हर लेता है- हमें शांति प्रदान कर।

पु०: देखिए, ईश्वर का मेमना! इन्हें देखिए, जो संसार के पाप हर लेते हैं। धन्य हैं वे, जो मेमने के भोज में बुलाये गये हैं।

सब: हे प्रभु! मैं इस योग्य नहीं हूँ कि तू मेरे यहाँ आये , किन्तु एक ही शब्द कह दे और मेरी आत्मा चंगी हो जाएगी।

प्रसाद- भजन

जी उठा, जी उठा, जी उठा
येसु ख्रीस्त कब्र में से जी उठा।
त्राणकर्ता जी उठा, मुक्तिदाता जी उठा जगत विधाता जी उठा।
प्राण तज के येसु ने, मौत को भी जीत लिया
बेड़ियाँ पापों की तोड़, शैतां को भी जीत लिया,
पाप जाल तोड़ दिया, मुक्ति मार्ग खोल दिया -2
शान से वह जी उठा।
आओ दुनिया वालों सारे, शरण अमल येसु आओ,
आओ भक्तों, प्रार्थयों, चरण, कमल येसु आओ
येसु पुनर्जीवित हुआ, येसु फिर से जी उठा-2 येसु राजा जी उठा।
खुल गया मुक्ति-मार्ग, खुल गया है स्वर्ग-द्वार
दूतों का दल झूम उठा, स्तुति-गान गूँज उठा,
पाप-जाल तोड़ दिया, मुक्तिमार्ग खोल दिया-2 शान से वह जी उठा।

प्रसाद- भजन

हमारे पास्का का मेमना अर्थात् खीस्त बलि चढ़ाये जा चुके हैं। इसलिए हम शुद्धता और सच्चाई की बेखमीर रोटी का पर्व मनाएँ। अल्लेलूया!

कम्यूनियन के बाद प्रार्थना

हे प्रभु, अपने प्रेम का आत्मा हम पर उँडेल दे। तूने हमें पास्का संस्कार से पोषित किया है। दयापूर्वक हमें मन और हृदय की एकता प्रदान कर। हमारे प्रभु खीस्त के द्वारा। **आमेन।**

समारोही आशीष

पु०: सर्वशक्तिमान् ईश्वर, आज के पास्का महोत्सव द्वारा वह अपनी करुणा के कारण आपलोगों को आशीर्वाद प्रदान करे। आपलोगों को शैतान के सभी प्रहारों से सुरक्षित रखे।

सब: आमेन।

पु०: ईश्वर ने अपने इकलौते पुत्र के पुनरुत्थान द्वारा आपलोगों को अनंत जीवन का सहभागी बनाया है। वही आपलोगों को अनंत जीवन का पुरस्कार भी प्रदान करे।

सब: आमेन।

पु०: अब प्रभु के दुःखभोग के दिन समाप्त हो चुके हैं। आप लोग हर्षित मन से पास्का पर्व मनाएँ। आपलोग खीस्त की सहायता से और आत्मा में उल्लसित होकर स्वर्गराज्य के पर्वों में भाग लें।

सब: आमेन।

पु०: सर्वशक्तिमान् ईश्वर, पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा का आशीर्वाद आपलोगों पर उतरे और सदा बना रहे।

सब: आमेन।

पु०: आपलोग विदा लें, मिस्सा सम्पन्न हुआ। अल्लेलूया! अल्लेलूया!

अथवा

पु०: आपलोग शांति में विदा लें। अल्लेलूया! अल्लेलूया!

सब: ईश्वर को धन्यवाद। अल्लेलूया! अल्लेलूया!

विसर्जन गीत

जी उठा, जी उठा, जी उठा
प्यारा येसु मसीह जी उठा, अल्लेलूया ...
ये ज़मीन भी आज हँस रही है, आसमान भी आज गा रहा है,
ये हवाएं और फिज़ायें, हैं मगन गगन में चाँद और सितारे।
कब्र के ये तोड़ बंधन, मौत पर हुआ है वो फतेह बंद,
धन्य है हमारा खुदाबंद, कर दो आप अपनी ये आवाज बुलन्द।
आओ, हम कदम मिलाके, आज से बढ़ेंगे और आगे,
उसका नाम हम इस जहाँ में, आन बान और शान से सुनायें।

प्रभु का पुनरुत्थान - पास्का जागरण

येसु वास्तव में जी उठा है! अल्लेलूया! हम पुनर्जीवित प्रभु के लोग हैं। खाली कब्र ईश्वर के पुत्र के पुनरुत्थान की कहानी का अपनी व्याख्या करती है। मरियम मग्दलेना, पेत्रुस और योहन, उन सभी के पास भी इस घटना की अपनी व्याख्या है। आज, दुनिया भर के ईसाई निडर और साहस के साथ घोषणा करते हैं कि येसु मसीह मृतकों में से जी उठे हैं। किसी भी धर्म ने कभी भी अपने देवी-देवताओं या महत्वपूर्ण व्यक्तियों के मरने और मृतकों में से जी उठने के बारे में बात करने का प्रयास नहीं किया। लेकिन प्रभु येसु ख्रीस्त के विश्वासी के रूप में, हम जानते हैं कि येसु ने मृत्यु को हरा दिया और वह हमारे बीच में जीवित है। यह भक्तों के विश्वास का कथन है। यदि येसु मसीह मृतकों में से जी नहीं उठे होते, तो ईसाई धर्म का इतिहास बिल्कुल अलग होता और हमारा विश्वास पूरी तरह से व्यर्थ होता। येसु का पुनरुत्थान ईसाई धर्म को परिभाषित करता है!

प्रेरित चरित से लिये गये आज के पहले पाठ में, संत पेत्रुस खुद को गवाह के रूप में प्रस्तुत करता है। वह रोमी शतपति कुरनेलियुस के घर में है, जिसने अभी-अभी अपने घराने समेत पवित्र आत्मा को पाया है। पेत्रुस ईश्वर की आत्मा से ओत प्रोत होकर बोलता है। उसने जो कुछ देखा, सुना और जो उसने येसु मसीह के संग में भाग लिया है, उसकी गवाही देता है। वह कबूल करता है कि येसु मसीह को ईश्वर ने पवित्र आत्मा से अभिषेक किया था। चूँकि वह ईश्वर की शक्ति से भर गया था, वह सुसमाचार का प्रचार करने, सभी बीमारों को चंगा करने और उन सभी अपदूतों को निकालने में सक्षम था। इस प्रकार ईसाई धर्म का सारांश स्थापित होता है, अर्थात् येसु मसीह को मानव अधिकारियों द्वारा मार डाला गया, लेकिन प्रभु पुनर्जीवित होकर आज भी हमारे साथ है। पुनर्जीवित प्रभु ने शिष्यों को सुसमाचार का प्रचार प्रसार करने और इस तथ्य की गवाही देने का आदेश दिया है कि जो लोग येसु में विश्वास करते हैं उन्हें पापों की क्षमा प्राप्त होगी।

आज का अंतर भजन तीर्थयात्रियों द्वारा शिविर पर्व के दौरान येरूसालेम के मंदिर में गाए गए एक प्रवेश भजन की तरह लगता है। यह पास्का के पर्व का एक अभिन्न अंग भी था। यह भजन कृतज्ञता की भावना से भरा है। भजन न केवल यह कहता है कि यह वह दिन है जिसे प्रभु ने बनाया है बल्कि "यह वह दिन है जिसमें प्रभु जी उठा है!"

कलोसियों के नाम संत पौलुस के पत्र से लिया गया आज का दूसरा पाठ, एफेसुस में स्थित एक पोलाईन स्कूल का विश्वास का गवाह है। यह लगभग 70-80 ईस्वी में लिखा गया था। लेखक पौलुस और उनकी शिक्षाओं का एक बड़ा प्रशंसक हो सकता था और

इसलिए वह येसु को एक कॉस्मिक मसीहा के रूप में देखने में सक्षम है। वह यह मानकर चलता है कि कलोसे के ईसाई मानते हैं कि वे मसीह के साथ जी उठे हैं और इसलिए उन्हें स्वर्गीय वास्तविकताओं पर ध्यान केंद्रित करना है, न कि भौतिक चीज़ों में फंसना है। इसी के द्वारा विश्वासी ईश्वर की महिमा में सहभागी होंगे। दूसरे शब्दों में, विश्वासियों का जीवन संदेश देगा कि मसीह जी उठा है या नहीं। ख्रीस्तीय जीवन को इस तथ्य की गवाही देनी चाहिए कि येसु जी उठे हैं!

संत योहन के सुसमाचार से लिया गया आज का सुसमाचार पाठ एक ऐसी घटना का वर्णन करता है जो मरियम मग्दलेना के साथ हुई थी, जो सप्ताह के पहले दिन की शुरुआत में येसु की कब्र पर अकेले जाने का साहस करती है। यह वह प्रेम है जो येसु के लिए उसके मन में था जिसने उसे कब्र पर जाने के लिए प्रेरित किया। यह उसकी अपने प्रभु से मिलने की इच्छा थी, जिसने उसे कब्र का पहला तीर्थयात्री बनाया। पत्थर को हटा हुआ देखकर, वह सिमोन पेत्रुस और दूसरे शिष्य (शायद याकूब के भाई योहन) के पास वापस चली जाती है। मरियम मग्दलेना डकैती पर संदेह करती है जैसे कि किसी ने या कुछ लोगों ने येसु के शरीर को चुरा लिया हो। वह दावा करती है कि यह पता लगाने का कोई तरीका नहीं है कि वे उसके शरीर को कहाँ रख दिए है। दुर्भाग्य से, वह अभी भी येसु को केवल एक मृत शरीर के रूप में ही सोच रही है। विश्वास की उसकी आँखें अब भी बंद थीं। उसे येसु के शब्दों को याद रखने की ज़रूरत थी कि वह मरे हुओं में से जी उठेंगे।

पेत्रुस और योहन कब्र की ओर दौड़े चले आए। वरिष्ठता का सम्मान करते हुए और पेत्रुस के नेतृत्व को स्वीकार करते हुए, योहन उसे कब्र में प्रवेश करने देता है। पेत्रुस देखते है पर उन्हें कुछ समझ में नहीं आता है। उसकी आंखें भी बंद थीं। योहन कब्र में प्रवेश करता है, देखता है, विश्वास करता है और एक विश्वास की घोषणा करता है। पेत्रुस और मरियम मग्दलेना दोनों ही येसु के पुनरुत्थान में विश्वास करने के लिए योहन के विश्वास पर निर्भर थे। योहन के सुसमाचार की विशेषताओं में से एक है, **"देखना विश्वास है"।** सुसमाचार प्रचारक योहन ने घोषणा की कि प्रेरित अभी तक धर्मग्रन्थ को समझने में सक्षम नहीं थे कि येसु को मृतकों में से जी उठना चाहिए। पवित्र बाइबल ने हमें विश्वास का उपहार दिया है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम अपने विश्वास के द्वारा ईश्वर के वचन में जीवन का संचार करें। संत पौलुस ने कहा, "यदि मसीह नहीं जी उठे, तो आप लोगों का विश्वास व्यर्थ है और आप अब तक अपने पापों में फंसे हैं।" (1 कुरिन्थियों 15:17)। संत पेत्रुस अधिक विश्वास के साथ कहते हैं, "उन्हीं के विषय में सब नबी घोषित करते है कि जो उन में विश्वास करेगा, उसे उनके नाम द्वारा पापों की क्षमा मिलेगी।" **(प्रेरित चरित 10:43)।** पुनरुत्थान में हमारा विश्वास हमें ईश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जीने में मदद करे! आमेन।